शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 26 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-25

कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार द्वारा शुरू किए गए कर्ज मुक्ति कानून का क्या... @ नम्मा बेंगलूरु

पाकिस्तान की शह पर बौरा रहा है बांग्लादेश

भारत में हथियार और आतंकी भेज रहा पाकिस्तान

पाकिस्तान की बदनाम खुफिया एजेंसी आईएसआई और फिलिस्तीनी आतंकी संगठन हमास दोनों मिल कर बांग्लादेश को खलीफात के रास्ते पर ले जा रहा है। इसमें सहायक बना हुआ है बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का मुखिया मोहम्मद यूनुस। आईएसआई बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को भारत के लिए खतरे की नई किंतु अत्यंत घातक फसल के रूप में तैयार कर रही है। भारत की पूर्वी और पश्चिमी सीमा से अवैध हथियारों का जखीरा और घुसपैठियों के वेश में आतंकियों को भारत में धकेलने का सिलसिला जारी है। भारत को बौखलाए रखने के लिए बांग्लादेश में हिंदुओं पर बर्बर अत्याचार जारी है। पाकिस्तान परस्त आतंकियों का जम्मू कश्मीर में सेना पर हमले का क्रम भी जारी है। हालांकि जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद इसमें काफी कमी आई है। बांग्लादेश एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां इसकी संप्रभुता और पहचान बाहरी और आंतरिक मीठे-शत्रुओं से भीषण खतरे में घिर गई है। 1971 में अपार बलिदान से हासिल की गई स्वतंत्रता अब फिर से उन लोगों द्वारा तय की जा रही है जो पाकिस्तान परस्त हैं और

रोहिंग्या और बांग्लादेशी आतंकियों की नई कतार खड़ी कर रहा

शुभ-लाभ चिंता

बांग्लादेश को फिर से पूर्वी पाकिस्तान बनाना चाहते हैं। पाकिस्तान सरकार, पाकिस्तानी सेना, पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और बांग्लादेश के अंदरूनी राजनीतिक दल बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना और इस्लामवादी एजेंडे को आगे बढ़ाने में लगे हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में इस्लामवादी, जेहादी और खिलाफत चाहने वाले गुटों का लक्ष्य बांग्लादेश को एक इस्लामिक गणराज्य या खिलाफत में बदलना है। पाकिस्तान के लोगों ने बांग्लादेश को पाकिस्तान का नया संघ कहना शुरू भी कर दिया है।

▶10 पर

मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण मंजूर

वाशिंगटन, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने मंजूरी दे दी है। शीर्ष अदालत ने उसकी दोषसिद्धि के खिलाफ समीक्षा याचिका खारिज कर दी। भारत पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा था, क्योंकि वह 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के मामले में वांछित है। यह राणा के लिए भारत को प्रत्यर्पित न किए जाने का आखिरी कानूनी मौका था। इससे पहले वह अमेरिकी अपील न्यायालय सहित कई संघीय अदालतों में कानूनी लड़ाई हार गया था। 13 नवंबर को राणा ने अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के समक्ष प्रमाणपत्र के लिए याचिका ▶10 पर

बांग्लादेश में फिर एक हिंदू छात्र की गोली मार कर हत्या कर दी

ढाका, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार की घटनाएं लगातार जारी हैं। हर दिन किसी न किसी हिंदू की हत्या की जा रही है। हर दिन किसी न किसी हिंदू महिला के साथ अनाचार किया जा रहा है। हर दिन किसी न किसी हिंदू मंदिर पर हमले और आगजनी की घटनाएं हो रही है। इसके बावजूद, मोहम्मद यूनुस की जेहादी सरकार सब कुछ सामान्य है कह कर मामले को दबा देती है। खुलना विश्वविद्यालय बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रहे 26 वर्षीय छात्र अरनब कुमार सरकार की सरेआम गोली मार कर हत्या कर दी गई। अरनब सोनाडांगा इलाके में अबू अहमद रोड ▶10 पर

भारत और इंडोनेशिया के बीच हुए कई अहम समझौते

इंडोनेशिया और भारत के प्राचीन सांस्कृतिक रिश्ते हैं : मोदी

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और इंडोनेशिया के बीच रिश्तों को और मजबूत बनाने के लिए आज दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए। दोनों ने रक्षा विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्रों में संयुक्त रूप से काम करने पर सहमति जताई। दोनों देशों के बीच बढ़ती दोस्ती चीन के लिए एक दूरगामी संदेश भी है। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि भी होंगे। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भारत पहुंच चुके हैं। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो गणतंत्र दिवस में मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लेने वाले इंडोनेशिया के चौथे राष्ट्रपति हैं। उन्होंने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी और इंडोनेशिया

गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि होंगे इंडोनेशिया के राष्ट्रपति

के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो की मौजूदगी में दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। भारत और इंडोनेशिया के बीच हुए कई समझौतों में फिनटेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स, समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी सहयोग, कट्टरपंथ-विरोधी सहयोग समेत कई अन्य समझौते शामिल हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इंडोनेशियाई राष्ट्रपति का स्वागत किया। पीएम मोदी ने इंडोनेशिया को 10 देशों के आसियान ब्लॉक के साथ-साथ इंडो-पैसिफिक में भारत का महत्वपूर्ण साझेदार बताया और कहा कि दोनों देश इस क्षेत्र में नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। ▶10 पर

युवाओं, किसानों, सैनिकों से प्रेरणा और शक्ति मिलती है: मोदी

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस परेड के लिए देशभर से चुन कर आए एनसीसी कैडेट्स से बातें करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जब मैं आप जैसे युवाओं से मिलता हूं, तो मुझे ऊर्जा मिलती है। जब मैं आप सभी को देखता हूं, तो मुझे प्रेरणा मिलती है। जब मैं देश के किसानों को याद करता हूं, तो मुझे लगता है कि वे कितने घंटे काम करते हैं, जब मैं देश के जवानों को याद करता हूं, तो मुझे लगता है कि वे कितने घंटे सीमा पर खड़े रहते हैं, हर कोई करता है और बहुत मेहनत करता है। एक कैडेट ने पीएम मोदी से पूछा था कि उन्हें प्रेरणा और शक्ति कहां से मिलती है? इसके जवाब में प्रधानमंत्री ने यह बात कही, लेकिन उन्होंने शुरुआत में कहा, यह बहुत कठिन सवाल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस से पहले एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, राष्ट्रीय रंगशाला ▶10 पर

आईएसआई प्रमुख समेत कई आला अफसर बांग्लादेश में

पाकिस्तानी गतिविधियों पर भारत की नजर

ढाका/नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के बांग्लादेश में चल रहे गुप्त मिशन ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। आईएसआई के आला अधिकारियों के बांग्लादेश के दौरे बांग्लादेशी सैन्य प्रतिनिधिमंडल के पाकिस्तान दौरे और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से मुलाकात के ठीक बाद हुए हैं। भारत ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम देश और क्षेत्र में सभी गतिविधियों पर नजर रखते हैं, साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाली सभी गतिविधियों पर भी नजर रखते हैं और सरकार उचित कदम उठाएगी।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक, आईएसआई महानिदेशक (एनलसिस) मेजर जनरल शाहिद आमिर और कई दूसरे वरिष्ठ अधिकारी इस समय बांग्लादेश के दौरे पर हैं। 21 जनवरी को आईएसआई के मेजर जनरल शाहिद अमीर अफसर समेत चार वरिष्ठ अधिकारी ढाका पहुंचे थे और दूसरे ही दिन आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक भी बांग्लादेश पहुंच गए। मलिक दुबई के रास्ते ढाका पहुंचा, जहां बांग्लादेशी आर्मी के वरिष्ठ अधिकारी मुहम्मद फैजुर रहमान ने मलिक का स्वागत किया। मलिक का दौरा 54 साल बाद किसी आईएसआई चीफ का बांग्लादेश दौरा है।

उचित समय पर सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे : भारत

इससे पहले, बांग्लादेशी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान के रावलपिंडी का दौरा किया था, जहां बांग्लादेशी सैन्य अधिकारियों ने सेना, वायु सेना, नौसेना प्रमुखों से मुलाकात की थी। अब दोनों देशों के बीच संबंध तेजी से मजबूत हो रहे हैं। पता चला है कि आईएसआई ने बांग्लादेश में उल्फा चीफ परेश बरुआ से भी ▶10 पर

जम्मू-कश्मीर के लोगों के सामने जीवंत हुई विकास यात्रा

केंद्र ने रचा इतिहास, कश्मीर पहुंची वंदे भारत

'घाटी' में 'सपनों' की ट्रेन...

जम्मू, 25 जनवरी (ब्यूरो)। भारत सरकार ने कश्मीर तक रेल पहुंचा कर नया इतिहास रच दिया है। पहली बार कश्मीर तक रेल पहुंची है। वह भी वंदे भारत। वंदे भारत एक्सप्रेस ने जम्मू-कश्मीर के चेनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल को जैसे ही पार किया, यह नजारा देख कर लोगों के दिल गर्व और खुशी से भर गए। इस पुल को बनने में 20 साल का समय और 14 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए। यह आर्क ब्रिज एफिल टावर से 35 मीटर ऊंचा है।

रेल विभाग ने बताया कि श्री माता वैष्णो देवी रेलवे स्टेशन, कटड़ा से बडगाम तक पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुक्रवार को जम्मू संभाग में पहुंची और आज श्रीनगर पहुंची। यूएसबीआरएल सेक्शन में वाणिज्यिक संचालन के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस आईसीएफ रेक 49 और 80 को नामित किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि इन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को सर्दियों के मौसम में ठंडी परिस्थितियों के लिए ▶10 पर

दिल्ली विधानसभा चुनाव : भाजपा का तीसरा संकल्प-पत्र जारी

भाजपा जो कहती है, उसे निभाती है : अमित शाह

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी का तीसरा संकल्प पत्र आज जारी किया। भाजपा ने तीन चरणों में अपना संकल्प पत्र किया है। जिसमें दिल्ली की जनता से कई वादे किए गए हैं। अमित शाह ने कहा, आज दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के संकल्प पत्र का अंतिम हिस्सा जारी करने के लिए मैं आप सबके सामने उपस्थित हुआ हूं। जैसे कि भाजपा की परंपरा है, हम चुनाव को बहुत गंभीरता से लेते हैं, चुनाव को जनसंपर्क का माध्यम भी मानते हैं और चुनावों के माध्यम से बनने वाली सरकारों के नीति निर्धारण को निश्चित करने के लिए हम जनता के बीच जाकर चुनाव में भाजपा से उनकी क्या अपेक्षा है, ये जानकारी भी

5 लाख तक के मुफ्त इलाज के साथ-साथ हुई कई घोषणाएं

एकत्र करते हैं। भाजपा नागरिकों से जो वादा करती है, उसे पूरी जिम्मेदारी से निभाती है। अमित शाह ने कहा कि हमारी सरकार सत्ता में आती है तो दिल्ली में रेहड़ी-पटरी वालों को हमारी सरकार आर्थिक मदद देगी। इसके अलावा 1700 अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को मालिकाना हक देंगे साथ ही निर्माण और बेचने का अधिकार दिया जाएगा। यमुना रिवर फ्रंट का विकास करेंगे। दिल्ली में पांच लाख रुपए तक का फ्री इलाज देंगे। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 82,970/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,480/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 20^0

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संबोधन

संविधान हमारी सामूहिक अस्मिता का आधार: मुर्मू

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संबोधन में कहा, भारत के गणतांत्रिक मूल्यों का प्रतिबिंब हमारी संविधान सभा की संरचना में दिखाई देता है। पिछले 75 वर्षों से संविधान ने हमारी प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। संविधान लागू होने के बाद के ये 75 वर्ष हमारे युवा गणतंत्र की सर्वांगीण प्रगति के साक्षी हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने कहा, मेरे प्यारे देशवासियो, नमस्कार। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर मैं आप सबको हार्दिक बधाई देती हूं। विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में शामिल भारत को ज्ञान और विवेक का उद्गम माना जाता था लेकिन भारत को एक अंधकारमय दौर से गुजरना पड़ा। आज के दिन सबसे पहले हम उन शूरवीरों को याद करते हैं जिन्होंने मातृभूमि को विदेशी शासन की बेड़ियों से मुक्त करने के लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी दी। इस वर्ष हम भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मना रहे हैं। वे ऐसे अग्रणी स्वाधीनता सेनानियों में शामिल हैं, जिनकी भूमिका को राष्ट्रीय इतिहास के संदर्भ में अब समुचित महत्व दिया जा रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, न्याय,

स्वतंत्रता, समता और बंधुता केवल सैद्धांतिक अवधारणाएं नहीं हैं जिनका

राष्ट्रपति ने देशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी

परिचय हमें आधुनिक युग में प्राप्त हुआ हो। ये जीवन मूल्य को सदा से ही हमारी सभ्यता और संस्कृति का अंग रहे हैं। भारत के गणतांत्रिक मूल्यों का प्रतिबिंब हमारी संविधान सभा की संरचना में दिखाई देता है। सरकार ने जन-कल्याण को नई परिभाषा दी है जिसके अनुसार आवास और पेयजल जैसी बुनियादी जरूरतों को अधिकार माना गया है। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना द्वारा रोजगार और आमदनी के अवसर उत्पन्न करके अनुसूचित जातियों के लोगों की गरीबी को तेजी से कम किया जा रहा है। सरकार ने वित्त के क्षेत्र में जिस तरह से प्रौद्योगिकी का उपयोग किया है, वह एक मिसाल है। भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू करने का निर्णय सर्वाधिक उल्लेखनीय है।राष्ट्रपति ने कहा, हमारी परंपराओं और रीति-रिवाजों को संरक्षित करने तथा उनमें नई ऊर्जा का संचार करने के लिए संस्कृति के क्षेत्र में अनेक उत्साह-जनक प्रयास किए जा रहे हैं। मुझे प्रसन्नता है कि गुजरात के वडनगर में भारत के प्रथम पुरातात्विक अनुभवात्मक संग्रहालय का कार्य पूरा होने वाला है। शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर शिक्षण- माध्यम के रूप में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

एमबीडीडी ब्लड ऑन व्हील्स माह का शानदार आगाज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेयुप विजयनगर द्वारा आयोजित एमबीडी ब्लड डोनेशन कैंप ब्लड ऑन व्हील्स का अभातेयुप अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में आगाज हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के सामूहिक संगान से हुई। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए, सामाजिक दायित्व के दायरे में मानव सेवा के विकास की शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि विजयनगर टीम अभातेयूप निर्देशित सेवा, संस्कार, संगठन तीनों आयामों में कार्यरत रहते हुए संघ सेवा में सदैव प्रयासरत रहेगी। अभातेयुप निर्देशित मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव एमबीडीडी ब्लड ऑन व्हील्स कार्यक्रम एक माह तक विभिन्न स्थलों पर लायंस ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित होगा। अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने रक्तदान के क्षेत्र में विजयनगर की भूमिका की सराहना करते हुए, मानव सेवा के इस प्रकल्प में लगातार काम करने के साथ साथ नए स्थाई कार्यों में निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। अभातेयुप ने भारत सरकार के सतत सहयोग के साथ परिषदों को अन्य स्थानीय, संस्थाओं संगठनों को जोड़कर रक्तदान के प्रति जन जागरण एवं जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि हिम्मत मांडोत ने तेयुप विजयनगर को रक्तदान एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु उत्साहित किया। मानव सेवा में लायंस क्लब के सतत सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, शाखा प्रभारी रोहित कोठारी ने विचार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की। चेन्नई से समागत अभातेयुप सिरमौर रमेश डागा, एमबीडीडी के अंतर्गत ब्लड ऑन व्हील के मासिक शिविरों में सहयोग हेतु लायंस ब्लड बैंक एवं मुख्य प्रायोजक बाबुलाल, अशोक कुमार दक परिवार का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर अर्हम मित्र मंडल अध्यक्ष बहादुर सेठिया, एमबीडीडी कर्नाटक संयोजक अमित दक, अभातेयुप सदस्य, तेयुप बेंगलूरु के सभी शाखा परिषदों के अध्यक्ष, पदाधिकारी, विजयनगर के निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा, पूर्व अध्यक्ष महावीर टेबा, दिनेश मरोठी, अभातेयुप परिवार, तेयुप विजयनगर उपाध्यक्ष विकास बांठिया, मंत्री संजय भटेवरा, सहमंत्री पवन बैद, कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठन मंत्री पंकज कोचर आदि लोगों की उपस्थिति रही।

श्रवण करने से ही नए ज्ञान की प्राप्ति होती है: वीरेंद्रमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित वीरेंद्रमुनि एवं साध्वी डॉ. दर्शनप्रभा ने प्रवचन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब हमारी आत्मा जागृत होती है तब हमे ज्ञान की प्राप्ति होती है। सुनते सुनते हमारा यह अनमोल जीवन व्यतीत हो रहा है। सुनकर आचरण में लाना आवश्यक है। श्रवण कर जीवन में उतारे बगैर हमारा जीवन सार्थक नहीं हो सकता। श्रवण करने से हर समय हमें कुछ ना कुछ नये ज्ञान की प्राप्ति होती है। प्रभु महावीर ने कहा है कि समय मात्र का भी प्रमाद मत करो।

जितना भी समय मिलता है परमात्मा की वाणी को सुनने का प्रयास करो। जब हमारी आत्मा निर्मल बनेगी हम में जब विनय भाव आएगा तभी हमें ज्ञान प्राप्त होगा। जब तक हमारी आत्मा में निर्मलता नहीं आएगी विवेकता नहीं आएगी हमारी आत्मा शुद्ध नहीं होगी। पत्थर पर कितना भी पानी डालो फूल नहीं उगते। हम कितना भी श्रवण कर लें जब तक आचरण में नहीं लायेंगे हमें ज्ञान की प्राप्ति नहीं होगी। हमारी आत्मा शुद्ध नहीं होगी। साध्वी डॉ. दर्शनप्रभा ने भी धर्म सभा को संबोधित किया।

रविवार को कर्नाटक गज केसरी गणेशलाल महाराज का 63 वाँ एवं साध्वी चारित्रप्रभा का तीसरा पुण्यस्मृति दिवस और वीरेंद्रमुनि का 58 वाँ दीक्षा दिवस प्रातः 8.15 से 9.15 तक तप त्याग धर्म आराधना द्वारा मनाया जायेगा। आभार ज्ञापन युवा अध्यक्ष धीरज नाहर ने व्यक्त किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

माहेश्वरी सभा के सदस्य 6 दिवसीय महाकुंभ यात्रा के लिए रवाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

माहेश्वरी सभा बेंगलूरु अपने समाज बंधुओं के साथ महाकुंभ मेला प्रयागराज में शामिल होने के लिए 116 यात्रियों के साथ शुक्रवार को बेंगलुरु हवाई अड्डे से रवाना हुआ। 6 दिवसीय महाकुंभ मेला प्रयागराज यात्रा शनिवार से 30 जनवरी तक चलेगी, जिसमें वाराणसी काशी विश्वनाथ, विंध्याचल, प्रयागराज महाकुंभ स्नान, श्री अयोध्या राम लला, नेमीशरण्य दर्शन एवं विभिन्न रमणीय स्थलों की यात्रा की जाएगी। इस वर्ष महाकुंभ यात्रा प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर सभा संगठन मंत्री सत्यनारायण मालानी के साथ सह कोषाध्यक्ष विनीत कुमार बियानी, निवर्तमान अध्यक्ष निर्मल कुमार तापडिया एवं सभा उपाध्यक्ष भगवानदास लाहोटी की अगवाई में संपूर्ण योजना को साकार रूप दिया गया है। यात्रियों के ठहरने के लिए सुसज्जित होटल, स्वादिष्ट सात्विक भोजन, हवाई एवं बस यात्रा समेत अन्य सुविधा हेतु बढ़िया इंतजाम किया गया है। सभा अध्यक्ष नवल किशोर मालू ने एयरपोर्ट पर सभी यात्रियों को प्रेम पूर्वक महाकुंभ यात्रा के लिए विदा किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुशीलधाम में जारी उपधान तप में आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी के कर कमलों से श्री संयमपूर्णाश्रीजी की शिष्या श्री मृदुशीलाश्रीजी की बडी दीक्षा हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुई।

सरकार ने 6 महीने से नहीं किया भुगतान चीनी मिलें मुश्किल में: मुरुगेश निरानी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री और राज्य भाजपा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुरुगेश निरानी ने आरोप लगाया है कि चीनी मिलें वित्तीय समस्याओं का सामना कर रही हैं, क्योंकि राज्य सरकार ने उन्हें कम से कम छह महीने से उनके द्वारा उत्पादित और आपूर्ति की गई इथेनॉल का भुगतान नहीं किया है। उन्होंने राज्य के चीनी मिल मालिकों के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्र सरकार चीनी मिलों द्वारा आपूर्ति किये गये इथेनॉल का भुगतान 10 दिनों के भीतर कर देती है।

लेकिन राज्य सरकार ने कम से कम छह महीने से पैसा नहीं दिया है। इससे कारखानों के लिए समस्याएँ पैदा हो गई हैं। इसलिए उन्होंने राज्य सरकार से 15 दिन से एक महीने के भीतर धनराशि का भुगतान करने का आग्रह किया। पिछले वर्ष सूखे के कारण इथेनॉल का उत्पादन रोक दिया गया था। अब उत्पादन पुनः शुरू हो गया है और इथेनॉल का उत्पादन न केवल गन्ने से, बल्कि मक्का और चावल से भी किया जा रहा है। पिछले तीन वर्षों की फसलों से इस बार एक हजार करोड़ इथेनॉल का उत्पादन किया गया है। वर्तमान में इथेनॉल को केवल पेट्रोल में ही मिलाया जाता है। निकट भविष्य में इसे डीजल के साथ भी मिश्रित किया जाएगा। 10 वर्षों के बाद पेट्रोल और डीजल की जगह इलेक्ट्रिक और इथेनॉल से चलने वाले वाहन आ जाएंगे। इसी प्रकार, विमानों में भी इथेनॉल के उपयोग की अनुमति है। जेट ईंधन (विमान गैसोलीन) को 5 प्रतिशत इथेनॉल के साथ मिश्रित किया जाएगा। यह कार्य आने वाले दिनों में किया जाएगा तथा इसके लिए आवश्यक तैयारियां चल रही हैं। चीनी मिलों के लिए इथेनॉल से उत्पन्न राजस्व का बड़ा हिस्सा किसानों को दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि देश में गन्ना एक महत्वपूर्ण फसल है, लगभग 11 करोड़ किसान गन्ने की खेती पर निर्भर हैं। यद्यपि वर्तमान में चीनी की कीमत कम है, फिर भी गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों को अधिक कीमत दी जा रही है। चीनी की कीमत गन्ने की कीमत की तुलना में कम है। इसलिए केंद्र सरकार से कई बार चीनी की कीमत बढ़ाने और निर्यात की अनुमति देने का अनुरोध किया गया। इस अनुरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्र सरकार ने 10 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दे दी है। निरानी ने कहा कि वह इसके लिए राज्य के गन्ना उत्पादकों और चीनी मिल प्रबंधकों की ओर से केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी को बधाई देते हैं। उन्होंने गन्ना उत्पादकों को आवंटित एमएसपी बढ़ाने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया और कहा कि इस संबंध में तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने अपील की कि गन्ना उत्पादकों और चीनी मिल मालिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए एमएसपी तय किया जाना चाहिए। बैठक में माइलर शुगर्स के एमडी उदयकुमार पुराणिकमठ, अथानी शुगर्स के अध्यक्ष, साउथ इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के ईडी योगेश पाटिल, मेलब्रो शुगर्स के एमडी संतोष मेलिगेरी, बीदर किसान शुगर्स के चेयरमैन कालेश सर्वदा, बालाजी शुगर्स के निदेशक प्रज्वल पाटिल, जेएम शुगर्स सलाहकार मुरुगेसन, चामुंडी शुगर्स के वादीराजा उपस्थित थे।

माइक्रोफाइनेंस कारोबार में सरकार की मिलीभगत:नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने माइक्रोफाइनेंस कारोबार में मिलीभगत के लिए सरकार की आलोचना की है। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार के सहयोग के बिना यह काम इतना आगे नहीं बढ़ पाता। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि यह पुलिस द्वारा दोनों पक्षों से पैसा इकट्ठा करने का एक घोटाला है। कई लोगों की हत्या के बाद सरकार जागी और उसने माइक्रोफाइनेंस के मुद्दे पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई। उन्होंने कहा कि वह नये कानून लाने और उन्हें नियंत्रण में रखने के लिए काम करेंगे। यद्यपि कई नेताओं ने माइक्रोफाइनेंस की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया, लेकिन सरकार कोई कार्रवाई करने में विफल रही। अंततः आज निर्णय हो गया। उन्होंने कहा है कि यदि वे वित्त संग्रह में हस्तक्षेप करेंगे और गुंडे भेजेंगे तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जनता के हित में यह स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि माइक्रोफाइनेंस की तुलना में ऑनलाइन गेम के माध्यम से 10 प्रतिशत अधिक आपदाएं घटित होती हैं। उन्होंने कुछ सरकारी मंत्रियों और विधायकों पर ऑनलाइन गेम कंपनियां बनाकर लोगों से जबरन पैसा वसूलने का आरोप लगाया। कई युवा लोग सड़क पर रहने लगे हैं। वे सोशल मीडिया पर चल रहे उन विज्ञापनों पर विश्वास करके लोगों के जीवन को बर्बाद करने का काम कर रहे हैं, जिनमें रम्मी के खेल के माध्यम से आसानी से पैसा कमाने का वादा किया जाता है। कई लोग खेल में खोए हुए पैसे की भरपाई के लिए चोरी करते हैं। उन्होंने कहा कि आज लूटपाट और चोरियां इसी कारण से हो रही हैं। हमें इसकी जड़ ढूंढनी होगी। उन्होंने विश्लेषण किया कि ऑनलाइन गेम के कारण चोरी और डकैती हो रही है। कई लोग इस गेम को खेलने के लिए अपना काम छोड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई अन्य लोग बहुत अधिक कर्ज ले रहे हैं और अपनी जान दे रहे हैं, क्योंकि वे उसे चुकाने में असमर्थ हैं। उन्होंने अनुरोध किया कि इस संबंध में भी सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने शिकायत की कि वे ऑनलाइन गेम में शामिल लोगों को संरक्षण दे रहे हैं।

तप कौमुदी साध्वी निर्मला जी का 2025 का चातुर्मास राजाजीनगर संघ में घोषित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली में विराजित तप कौमुदी साध्वी निर्मलाजी के आगामी 2025 के चातुर्मास की विनंती को लेकर श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, समिति के सदस्य, त्रिशला महिला मंडल, त्रिशला बहु मंडल, राजाजीनगर युवा, ब्राह्मी कन्या मंडल, जिनेश्वर युवा एवं महावीर पाठशाला के पदाधिकारी हुब्बल्ली पहुँचे। साध्वी निर्मलाजी ने आचार्य प्रवर डॉ. शिवमुनि की आज्ञा से द्रव्य, क्षेत्र, काल और भाव की अनुकूलता रहते समस्त आगार रखते हुए चातुर्मास 2025 राजाजीनगर श्रीसंघ को प्रदान किया। घोषणा होते ही संघ में हर्ष की लहर दौड़ गई। ज्ञातव्य है कि साध्वी वृन्द का गत चातुर्मास इचलकरंजी में सानंद संपन्न हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, मंत्री नेमीचंद दलाल, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, महावीरचंद धोका, भँवरलाल चोरडिया, प्यारेलाल टपरावत, पदमचंद भूरट, भागचंद गुगलिया, पारसमल भलगट, जेवंतराज मुणोत, महावीरचंद डोसी, उगमराज लुणावत, उत्तमचंद लुंकड़, विनोदकुमार डांगी, अजय धोका, चेतन गन्ना, राजेश कोठारी, त्रिशला महिला मंडल मंत्री रेखा पोखरना, ममता बागरेचा, रेखा श्रीश्रीमाल, नीतू सुराणा, बबिता कुंकुलोल, त्रिशला बहू मंडल अध्यक्ष नीतू लुंकड़, सीमा बोहरा, हेमा चाणोदिया, राखी चाणोदिया, निशिका ललवानी, नेहा लुणावत, आयुष भलगट, वंदन कटारिया व अन्य मौजूद रहे। हुब्बल्ली श्री संघ से सलाहकार महेंद्र सिंघी, मंत्री प्रकाश कटारिया, अशोक कोठारी, महावीर बोरुन्दिया व अन्य पदाधिकारी की भी उपस्थिति रही।

16 शुष्क जिलों में हरित आवरण को बढ़ावा देने के लिए बनाई जा रही विशेष योजना: वन मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी खंड्रे ने कहा कि वन विभाग 16 जिलों में वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए एक विशेष योजना लेकर आएगा, जिन्हें वर्तमान में खराब हरित क्षेत्र वाले शुष्क क्षेत्रों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और कहा कि कर्नाटक कई स्तरों पर निर्धारित हरित क्षेत्र से कम है। उन्होंने बताया भौगोलिक क्षेत्र के 33 प्रतिशत हिस्से में हरित क्षेत्र होने की शर्त के विपरीत, कर्नाटक में लगभग 20 प्रतिशत ही हरित क्षेत्र है।

हालांकि, कुछ जिलों में हरित क्षेत्र का केवल 1 प्रतिशत ही है। विभाग के अनुसार, विजयपुरा, रायचूर और कोप्पल कम हरित क्षेत्र वाले शीर्ष तीन शुष्क जिले हैं। यादगीर, बल्लारी, बीदर और कलबुर्गी भी वनों की कमी से पीड़ित हैं। योजना के तहत, क्षेत्रीय और सामाजिक वानिकी विंग मिलकर उन क्षेत्रों की पहचान करेंगे जहां पौधे लगाए जा सकते हैं। सड़क किनारे पौधे लगाने जैसे सार्वजनिक स्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी। विभाग की नर्सरियां स्थानीय पौधे उगाएंगी। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे परिपक्व पौधे लगाएं और उन्हें जियो-टैग करें ताकि बेहतर देखभाल और जीवित रहने की दर सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा हम जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। विभाग को भविष्य की पीढ़ियों के लिए बेहतर रहने की स्थिति प्रदान करने के लिए यह जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

दक्षिण कन्नड़ में मतदान प्रतिशत 90 प्रतिशत से अधिक होना चाहिए: न्यायाधीश

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

10वीं और पीयूसी-2 परीक्षाओं में प्रदर्शन की तरह ही दक्षिण कन्नड़ में आम और अन्य चुनावों में मतदान प्रतिशत 90 प्रतिशत से अधिक होना चाहिए। यह बात शनिवार को मेंगलूरु में प्रथम अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश एच.एस. मल्लिकार्जुन स्वामी ने कही।

यहां टाउन हॉल में 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में बोलते हुए, स्वामी ने कहा कि हाल ही में हुए आम लोकसभा चुनावों में कुल मतदान प्रतिशत 66 प्रतिशत था और 35 करोड़ लोगों ने अपना वोट नहीं डाला। दक्षिण कन्नड़ में मतदान प्रतिशत लगभग 70 था। न्यायाधीश ने कहा जिस तरह से यहां के छात्र कक्षा 10 और पीयूसी-2 परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं, मैं चाहता हूं कि आगामी चुनावों में इस जिले में भी मतदान प्रतिशत 90 प्रतिशत को पार कर जाए। न्यायाधीश ने कहा कि आम तौर पर शहरों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं का अच्छा मतदान देखा जाता है।

उन्होंने कहा कि तमाम सुविधाओं के बावजूद पढ़े-लिखे शहरी मतदाता मतदान से

दूर रहते हैं। उन्होंने कहा कि अपरिहार्य कारणों को छोड़कर मतदाताओं को मतदान से विमुख नहीं होना चाहिए। उपायुक्त एमपी मुल्लई मुहिलान ने वर्तमान पीढ़ी से मतदान के महत्व को समझने और अच्छी सरकार चुनने का आह्वान किया। युवाओं को न केवल अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए, बल्कि अपने मित्रों और परिवार के अन्य सदस्यों को भी वोट डालने के लिए प्रेरित करना चाहिए। 1952 में हुए पहले आम चुनाव के बाद से देश की चुनाव प्रणाली में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसमें कुल 17.5 करोड़ मतदाता थे। 2024 का आम चुनाव, जिसमें लगभग 100 करोड़ वोट थे, दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। भारत का चुनाव आयोग हर साल जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर में नए मतदाताओं का नामांकन करता है और मतदाता सूची में संशोधन का काम करता है। मुहिलान ने कहा कि नए मतदाताओं का नामांकन आसान बना दिया गया है और यह काम घर बैठे किया जा सकता है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. आनंद ने मतदाता दिवस के अवसर पर शपथ दिलाई।

कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार द्वारा शुरू किए गए कर्ज मुक्ति कानून का क्या हुआ? कुमारस्वामी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार के दौरान लागू किए गए कर्ज मुक्ति कानून पर सवाल उठाया है। यहां के.आर. नगर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधान सभा सत्र में ऋण मुक्ति अधिनियम विधेयक पारित किया गया। राज्यपाल की सहमति के बाद मैं स्वयं दिल्ली गया और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर लिये। बाद की सरकारों ने उस अधिनियम के साथ क्या किया? उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार कहती है कि वह महिलाओं को 2,000 रुपये देकर उन्हें सशक्त बनाएगी, लेकिन दूसरी ओर उसने उदारतापूर्वक महिलाओं को वित्त तक पहुंच की अनुमति दी है। कर्नाटक सुशासन का एक आदर्श राज्य है। वे इसे नष्ट करने पर तुले हुए हैं। सत्ता के लिए लड़ते हुए इन लोगों ने जनता के साथ क्या किया है? चामराजनगर में माइक्रोफाइनांस संकट एक महीने पहले शुरू हुआ था। लोग शहर छोड़कर चले गए। उन्होंने आरोप लगाया है कि समस्या शुरू होने के इतने समय बाद भी तथा मीडिया में इस बारे में रिपोर्ट आने के बावजूद सरकार ने किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। माइक्रोफाइनेंस द्वारा अधिकतर महिला किसानों और गरीब महिलाओं को लक्षित किया जाता है। वे सभी अपने घर और गांव छोड़कर जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने सवाल किया है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। राज्य में माइक्रोफाइनेंस कम्पनियां जंगल में आग की तरह उभरी हैं। वे अवैध गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। इस पर कोई कानूनी नियंत्रण नहीं है। आप कह रहे हैं कि आपके पास देवराज उर्स के बराबर शक्ति है। न केवल इन पांच वर्षों के लिए, बल्कि अगले पांच वर्षों के लिए भी। लेकिन लोगों को बताएं कि अच्छा बनने के लिए आप क्या कर सकते हैं। अकेले मांड्या जिले में 60 माइक्रोफाइनेंस संस्थाएं हैं। इनमें से 14-15 लाइसेंसधारी हैं। बाकी अवैध रूप से काम कर रहे हैं और लोगों के लिए परेशानी पैदा कर रहे हैं। उन्होंने राज्य का भला करने के लिए कांग्रेस पार्टी को सत्ता दी। हालाँकि, उन्होंने उन पर सत्ता में आने के बाद से विपक्षी दलों को अस्थिर करने के लिए काम करने का आरोप लगाया है। इससे पहले माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) द्वारा कथित तौर पर प्रताड़ित किए जाने के कारण आत्महत्या की घटनाओं के बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में ऐसी कंपनियों की अत्याचारिता से निपटने के लिए मौजूदा कानून प्रभावी नहीं है। बेंगलूरु में मीडिया को संबोधित करते हुए परमेश्वर ने कहा पूरे राज्य में एमएफआई द्वारा उत्पीड़न के बारे में शिकायतें की गई हैं। हमारी जानकारी में आया है कि मौजूदा कानून प्रभावी नहीं हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि कांग्रेस सरकार कानून में संशोधन करेगी। परमेश्वर ने आगे कहा बैंक मानदंडों के अनुसार, ऋण की वसूली और उनकी सुरक्षा के लिए एक कानून है। हमें अपने विभाग से रिपोर्ट मिली है कि कानून प्रभावी नहीं हैं और वे इस खतरे को रोकने के लिए कड़े नहीं हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में एमएफआई को विनियमित करने के लिए सख्त कानून बनाने की आवश्यकता है और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार इस संबंध में कानून बनाने की दिशा में काम करेगी। इस बीच, चल रहे उत्पीड़न के संबंध में, हमने अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वसूली में क्या होता है, लोगों से अंडरटेकिंग लेने के बाद उन्हें लोन दिया जाता है। आप सभी जानते हैं कि अगर आप बैंक से लोन ले रहे हैं, तो वे कई हस्ताक्षर लेते हैं। उन हस्ताक्षरों को लेने का उद्देश्य ग्राहकों को पता नहीं होगा। यह एक प्रतिबद्धता होगी और उस आधार पर, कंपनियां घरों में जाएंगी, छापे मारेंगी, घरों को जब्त करेंगी और अन्य कार्रवाई करेंगी। इस संबंध में कानून के तहत समाधान खोजने की जरूरत है।

अपनी मातृभाषा और मातृभूमि के प्रति सम्मान विकसित करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने घोषणा की कि मैं राज्य में विदेशी भाषा की फिल्मों के टिकट मूल्यों को नियंत्रित करने के लिए गंभीर प्रयास करूंगा। इसके अलावा कला फिल्मों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक जिले में 200 सीटों वाला एक छोटा सिनेमा स्थापित किया जाएगा। कला के क्षेत्र में कन्नड़ के दिग्गज सा.रा. गोविंदु के सम्मान समारोह में उन्होंने संबोधित किया और गोविंदु को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह पड़ोसी राज्यों में विदेशी भाषा की फिल्मों के टिकट मूल्यों की जांच करने का प्रयास करेंगे तथा राज्य में भी तदनुसार उन्हें विनियमित करने के लिए कार्रवाई करेंगे। सरकार कन्नड़ कार्य में सदैव आगे रहेगी। उन्होंने कहा कि 27 जनवरी को विधान सौधा परिसर में मां भुवनेश्वरी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। राज कुमार संघ के अध्यक्ष के रूप में गोविंदु द्वारा किया गया कार्य बहुत बड़ा है। राज की विनम्रता, शिष्टता और सरलता सम्पूर्ण मानव जाति के लिए एक उदाहरण है। डॉ. राज कुमार स्वयं राज के बराबर हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई भी उनसे मुकाबला करने नहीं आया है।

मैं डॉ. राज के गोकक आंदोलन में दिए गए भाषण को सुनने भी गया था। उन्होंने कहा कि राज के कारण कन्नड़ भाषा अधिक शक्तिशाली हुई। जब मैं कन्नड़ वॉच कमेटी का पहला अध्यक्ष बना, तो मेरी पहली मुलाकात एसआर गोविंदु और वरिष्ठ पत्रकार टी वेंकटेश से हुई। मैं पहले से ही कन्नड़ के लिए उनके संघर्ष की प्रशंसा करता हूं। कन्नड़ भूमि, भाषा और संस्कृति के प्रति मेरे मन में अपार प्रेम और प्रशंसा है। इसे समझते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री रामकृष्ण हेगड़े ने मुझे कन्नड़ कवलु समिति का अध्यक्ष बनाया और कहा कि गोविंदु का जीवन उनके संघर्षों के कारण सार्थक है। उन्होंने कहा कि, केंद्र सरकार को लिखे पत्रों को छोड़कर, मैं अभी भी सभी पत्रों पर कन्नड़ में हस्ताक्षर करता हूं। अन्य धर्मों और अन्य भाषाओं के प्रति सहिष्णुता होनी चाहिए। हमें अपनी भाषा के प्रति अधिक सम्मान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपनी मातृभाषा और मातृभूमि के प्रति सम्मान विकसित करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। सा.रा.गोविन्दु ने राजकुमार संघ के अध्यक्ष के रूप में लगातार कन्नड़ समर्थक संघर्षों का नेतृत्व किया है। उन्होंने इस तथ्य की प्रशंसा की कि उनके संघर्ष के परिणामस्वरूप कन्नड़ फिल्म उद्योग की नींव मजबूत हुई।

कर्नाटक ने पंचायत राज फेलोशिप कार्यक्रम के साथ अपनी तरह का पहला प्रयोग किया लागू: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने शनिवार को कहा कि ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग ने राजीव गांधी पंचायत राज फेलोशिप कार्यक्रम लागू किया है। एक पोस्ट में, खड़गे ने कहा कि पंचायत राज प्रयोग देश में अपनी तरह का पहला है और पिछले बजट में इसकी घोषणा की गई थी। कल्याण कर्नाटक के पिछड़े क्षेत्र में स्थानीय शासन को मजबूत करने के उद्देश्य से, एक उत्साही और प्रतिभाशाली युवा समुदाय को पंचायत राज प्रणाली में काम करने का अवसर दिया गया। उन्होंने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में रुचि रखने वाले स्नातकों के लिए यह एक शानदार अवसर है। खड़गे ने कहा फेलो को कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के सामाजिक, भौगोलिक, आर्थिक और प्रशासनिक संदर्भ को समझने और जिला प्रशासन के साथ सक्रिय होने की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने 44 प्रशिक्षित फेलो के साथ प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुति बैठक में भाग लिया।

खड़गे ने कहा कि यह जानकर बहुत खुशी हुई कि इन उत्साही साथियों ने कुछ ही महीनों में इतना बढ़िया काम किया है। उनके अनुसार, साथियों ने कल्याण कर्नाटक के गांवों में 39 जागरूकता केंद्रों को फिर से शुरू किया है और 116 अनाथालयों को फिर से खोला है जो उपेक्षा के कारण बंद हो गए थे। उन्होंने कहा कि उनके सहयोग से 61 ग्राम पंचायतों में कचरा संग्रहण और पृथक्करण की व्यवस्था की गई है, 23 ग्राम पंचायतों में कचरा प्रबंधन शुल्क वसूलने की कार्रवाई की गई है, 197 आम सभाएं आयोजित की गई हैं, 81 वार्ड बैठकें और ग्राम सभाएं आयोजित की गई हैं और 508 उपसमितियां बनाई गई हैं। साथ ही, पढ़ने की संस्कृति को बढ़ाने के लिए बुक नेस्ट नामक एक अभिनव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि इन उत्साही साथियों की कड़ी मेहनत और रुचि ने कल्याण कर्नाटक में गांव स्तर पर किए जा रहे अच्छे काम में बड़ी भूमिका निभाई है।

अवैध गतिविधियों के खिलाफ दी चेतावनी

कर्जदारों की सुरक्षा के लिए अध्यादेश के जरिए तुरंत लागू होगा नया कानून: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के प्रतिनिधियों को चेतावनी देते हुए कहा आप अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए नियमों का उल्लंघन करते हुए एक ही उधारकर्ता को ऋण दे रहे हैं। जब वे ऋण चुकाने में असमर्थ हैं, तो आप अवैध कार्यों का सहारा ले रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने शनिवार को गृह कार्यालय कृष्णा में राज्य में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के संचालन और प्रभावों पर एक बैठक की। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा महिलाओं और बुजुर्गों के खिलाफ उत्पीड़न की प्रेस रिपोर्टें रोजाना आ रही हैं। मैं यह सब बर्दाश्त नहीं करूंगा। मैं अपने लोगों की रक्षा के लिए सख्त कार्रवाई करूंगा। मुख्यमंत्री ने पंजीकृत और लाइसेंस प्राप्त माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के प्रमुखों से सख्ती से सवाल करते हुए पूछा आपने अपने कर्मचारियों को अवैध ऋण वसूली में शामिल होने से रोकने के लिए क्या किया है? आपके संस्थानों ने कर्मचारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की है? क्या आपने कर्जदारों के घरों को जब्त करने से पहले अदालत से अनुमति ली थी? आपके कर्मचारियों को कानून हाथ में लेने की अनुमति किसने दी? क्या आप कर्ज वसूली के लिए गुंडों का इस्तेमाल कर रहे हैं? क्या आपने कर्जदारों को उनकी ही भाषा में रिजर्व बैंक की शर्तें समझाई हैं? क्या आप आरबीआई के नियमों से परे जाकर कर्ज दे रहे हैं?

आप एक ही कर्जदार को उसकी पुनर्भुगतान क्षमता पर विचार किए बिना बार-बार कर्ज क्यों दे रहे हैं? मुख्यमंत्री ने आरबीआई अधिकारियों से पूछा कर्जदारों को कर्ज देने से पहले आधार केवाईसी क्यों नहीं की जा रही है? अगर ऐसा किया गया होता तो एक ही कर्जदार को बार-बार कर्ज देने से बचा जा सकता था। आरबीआई के नियमों का उल्लंघन करके कर्ज देने वाली माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के लाइसेंस रद्द करने के लिए आपने क्या कार्रवाई की है? इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियों और निजी साहूकारों से कर्ज लेने वालों की सुरक्षा के लिए अध्यादेश के जरिए तत्काल नया कानून बनाया जाएगा। माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा मैंने माइक्रोफाइनेंस और आरबीआई के विचार सुने हैं। हम यह नहीं कह रहे हैं कि कर्ज न दें, हम यह भी नहीं कह रहे हैं कि वसूली न करें। लेकिन वसूली करते समय हमें लोगों को परेशान नहीं करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कर्ज वसूलते समय रिजर्व बैंक के नियमों का पालन करना चाहिए। पांच बजे के बाद वसूली के लिए नहीं जाना चाहिए। कर्ज वसूली के लिए बाहरी लोगों यानी गुंडों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसा करने वालों के खिलाफ सरकार कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा हमने नाबार्ड, माइक्रोफाइनेंस संस्थानों और साहूकारों को चेतावनी दी है कि अगर वे कर्ज वसूली के दौरान कानून का उल्लंघन करते हैं तो हम बिना किसी हिचकिचाहट के उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। इसके लिए हम नया कानून बनाएंगे। उन्होंने कहा किसी को भी बिना लाइसेंस के धन उधार देने का काम नहीं करना चाहिए। हमने सभी जिला कलेक्टर कार्यालयों में हेल्पलाइन खोलने के निर्देश दिए हैं। वहां शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

घरेलू कामगार महिला का यौन उत्पीड़न कर उसकी हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एक अपार्टमेंट परिसर में घरेलू कामगार के रूप में कार्यरत 28 वर्षीय महिला शुक्रवार को बेंगलूरु के राममूर्ति नगर में कलकेरे झील के किनारे मृत पाई गई। पुलिस के अनुसार, उसके साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। पीड़िता की पहचान नजमा के रूप में हुई है।

झील के किनारे शव मिलने के बाद जॉगर्स ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस उपायुक्त (पूर्वी संभाग) डी देवराज ने कहा कि पीड़िता के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। देवराज ने कहा प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हत्या से पहले उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया था। पुलिस के अनुसार, नजमा गुरुवार को राममूर्ति नगर में डीएसआर अपार्टमेंट में काम करने गई थी, लेकिन घर नहीं लौटी। उसके पति सुमन ने शुक्रवार सुबह गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने से पहले गुरुवार रात तक इंतजार किया। शव मिलने के बाद, पुलिस उसे घटनास्थल पर ले गई, जहां उसने पुष्टि की कि पीड़िता उसकी पत्नी थी। शव उस अपार्टमेंट से एक किलोमीटर दूर मिला जहां वह काम कर रही थी। पुलिस के अनुसार, नजमा के पास कोई कानूनी दस्तावेज या पासपोर्ट नहीं था और वह बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में आई थी। राममूर्ति नगर पुलिस ने यौन उत्पीड़न और हत्या का मामला दर्ज किया है।

विशाखापत्तनम जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट बेंगलूरु लौटी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु से विशाखापत्तनम जा रहा एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान तकनीकी कारणों से शनिवार को बेंगलूरु एयरपोर्ट पर वापस आ गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान ने शनिवार सुबह 10 बजे उड़ान भरी। हालांकि, तकनीकी समस्याओं के कारण विमान कई घंटों तक बेंगलूरु के चक्कर लगाता रहा और फिर उसी एयरपोर्ट पर उतरा, जहां से उसने उड़ान भरी थी। अधिकारियों ने कहा यह आपातकालीन लैंडिंग नहीं थी। विमान तकनीकी समस्या के कारण वापस लौटा। हालांकि, एयरलाइन ने तकनीकी समस्या की प्रकृति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

लोकायुक्त पुलिस ने मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी से जुड़े मुडा मामले में न्यायालय को रिपोर्ट सौंपी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु लोकायुक्त पुलिस ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनकी पत्नी से जुड़े मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) वैकल्पिक स्थल आवंटन मामले में शुक्रवार को बेंगलूरु की विशेष अदालत को रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों के अनुसार, उन्हें न्यायालय में सुनवाई से एक दिन पहले रिपोर्ट सौंपनी थी, जो 27 जनवरी को निर्धारित थी। चूंकि 25 जनवरी को चौथा शनिवार था और न्यायालय में अवकाश था, इसलिए लोकायुक्त पुलिस ने शुक्रवार को ही रिपोर्ट सौंप दी। हालांकि, मैसूरु में लोकायुक्त के अधिकारियों ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने रिपोर्ट की विषय-वस्तु या रिपोर्ट के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। लोकायुक्त पुलिस ने 27 सितंबर, 2024 को सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर मामले की जांच की। 25 सितंबर को निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के लिए बेंगलूरु की विशेष अदालत ने मैसूरु में अधिकार क्षेत्र वाली लोकायुक्त पुलिस को आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर शिकायत के आधार पर सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्देश दिया। शिकायत के अनुसार, देवराजू ने 25 अगस्त, 2004 को जमीन बी एम मल्लिकार्जुन स्वामी को बेच दी। इसे कृषि भूमि से गैर-कृषि भूमि में बदल दिया गया। 6 अक्टूबर, 2010 को मल्लिकार्जुन स्वामी ने अपनी बहन, मुख्यमंत्री की पत्नी बी एम पार्वती को जमीन उपहार में दे दी। पार्वती ने 2014 से मुडा को अभ्यावेदन प्रस्तुत किया, जिसमें मुडा द्वारा अधिग्रहित उक्त भूमि के लिए मुआवजे की मांग की गई। 12 दिसंबर, 2021 को तत्कालीन मुडा आयुक्त डी बी नटेश ने 50:50 के अनुपात में वैकल्पिक विकसित क्षेत्र पर 14 साइटें आवंटित कीं। घटनाक्रम के मद्देनजर पार्वती ने 3 अक्टूबर, 2024 को सभी साइटें मुडा को वापस कर दीं।

उडुपी पुलिस ने 5 वर्षीय बच्ची के यौन उत्पीड़न के आरोपी की तस्वीर जारी की

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उडुपी पुलिस ने पांच वर्षीय बच्ची के यौन उत्पीड़न के आर-ोपी की तस्वीर जारी की है।

उडुपी के पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के ने बताया कि घटना 23 जनवरी की है। बच्ची अपने रिश्तेदारों की दुकान के पास खेल रही थी, तभी एक व्यक्ति ने हाथ का इशारा करके उसे चॉकलेट देने का इशारा किया।

बाद में वह बच्ची को दुकान से 20 मीटर दूर एक संकरी गली के पास ले गया और उसे गलत तरीके से छुआ। हालांकि, जैसे ही बच्ची ने शोर मचाया, वह भाग गया। उसकी चीख सुनकर स्थानीय लोग और उसके रिश्तेदार मौके पर पहुंचे। महिला थाने में पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसपी ने बताया कि इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई और पता चला कि वह भीख मांगने आया था और कन्नड़ और तुलु में बातचीत करता हुआ दिखाई दिया। बच्ची की काउंसलिंग की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर उन्हें कोई ऐसा व्यक्ति दिखे तो वे कंट्रोल रूम, 9480805400, महिला थाने के इंस्पेक्टर, 9480805430 पर फोन करके पुलिस को सूचना दें। इस बीच, जिला प्रभारी मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर, जो महिला एवं बाल विकास मंत्री भी हैं, ने उडुपी में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा पांच वर्षीय बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

दुर्घटना के कारण अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद, मंत्री हेब्बालकर ने घटना की जानकारी प्राप्त करने के लिए तुरंत पुलिस अधीक्षक और उपायुक्त से संपर्क किया। उन्होंने उन्हें घटना को गंभीरता से लेने, आरोपी को जल्द से जल्द पकड़ने और बच्ची को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

नीति आयोग ने शोध के आधार पर की महत्वपूर्ण सिफारिश

एससी-एसटी और ओबीसी में जोड़ी जाएं 179 अन्य जातियां

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय नीति आयोग ने केंद्र सरकार से अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की सूची में 179 समुदायों को जोड़ने की सिफारिश की है। आयोग ने लिस्ट में नए समुदायों के समावेश के लिए 85 समुदायों को जोड़ा है। इनमें 46 समुदायों को ओबीसी का दर्जा, 29 को एससी का दर्जा और 10 को एसटी का दर्जा देने का प्रस्ताव है।

एक एथनोग्राफिक अध्ययन में भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण और जनजातीय अनुसंधान संस्थान ने भारत भर में 268 विमुक्त, अर्ध-खानाबदोश और खानाबदोश जनजातियों को वर्गीकृत किया था। इन्हीं समुदायों को देखते हुए नीति आयोग ने कुछ को एससी-एसटी-ओबीसी में शामिल किया है। सबसे ज्यादा 191 समुदाय उत्तर प्रदेश से जोड़े गए हैं। इसके बाद आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान और मध्य प्रदेश से 8-8 समुदाय जोड़े गए हैं।

भारत की आरक्षण नीति में खामियों को दूर करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए नीति आयोग द्वारा कराए गए नृवंशविज्ञान अध्ययन ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की सूची में 179 समुदायों को शामिल करने की सिफारिश की है। भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण (एएनएसआई) और जनजातीय शोध संस्थानों (टीआरआई) द्वारा तीन वर्षों में किए गए इस अध्ययन में भारत भर में 268 विमुक्त, अर्ध-खानाबदोश और खानाबदोश जनजातियों को वर्गीकृत किया गया।

रिपोर्ट में केंद्रीय आरक्षण सूचियों में 85 नए नाम जोड़ने का प्रस्ताव है, जिसमें 46 समुदायों को ओबीसी दर्जा, 29 को एससी दर्जा और 10 को एसटी दर्जा देने की सिफारिश की गई है। उत्तर प्रदेश 19 नए नामों के साथ सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और राजस्थान में आठ-आठ नाम शामिल हैं। इसके अलावा, नौ समुदायों को पुनर्वर्गीकरण के लिए चिह्नित किया गया है, और कई अन्य को मौजूदा रिकॉर्ड में आंशिक रूप से शामिल पाया गया है, जिसके कारण सुधार की मांग की गई है।

अध्ययन से पता चला कि 63 समुदायों (सर्वेक्षण किए गए समूहों के 20% से अधिक) का पता नहीं लगाया जा सका। माना जाता है कि ये समूह या तो बड़े समुदायों में समाहित हो गए हैं, नए नाम अपना लिए हैं, या कहीं और चले गए हैं, जो हाशिए पर पड़े समूहों की पहचान को बनाए रखने में चुनौतियों को उजागर करता है। फरवरी 2020 में शुरू हुई और अगस्त 2022 में समाप्त हुई नृवंशविज्ञान पहल ने ओडिशा, गुजरात और अरुणाचल प्रदेश में टीआरआई से क्षेत्र-विशिष्ट विशेषज्ञता हासिल की। अपने व्यापक निष्कर्षों के बावजूद, रिपोर्ट अभी भी नीति आयोग पैनल द्वारा जांच के दायरे में है, और अंतिम सिफारिशें सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा अनुमोदन के लिए लंबित हैं।

जाति-आधारित आरक्षण और व्यापक जाति जनगणना की कमी पर चल रही बहस के बीच अध्ययन के निहितार्थ महत्वपूर्ण हैं। प्रस्तावित परिवर्धन के साथ, एससी, एसटी और ओबीसी आबादी बढ़ सकती है, जिससे वर्तमान जनसांख्यिकी को दर्शाने के लिए कोटा प्रतिशत को संशोधित करने की मांग को बल मिल सकता है। एक ऐतिहासिक नृवंशविज्ञान अध्ययन में, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण (एएनएसआई) और जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) ने पहली बार भारत भर में 268 विमुक्त, अर्ध-खानाबदोश और खानाबदोश जनजातियों को व्यवस्थित रूप से वर्गीकृत किया है।

नीति आयोग के पैनल द्वारा कराए गए इस व्यापक तीन-वर्षीय अध्ययन ने लंबे समय से नजरअंदाज किए गए समुदायों को भारत की आरक्षण नीति के अग्रभाग में ला दिया है। रिपोर्ट में केंद्रीय स्तर पर अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की सूची में 179 समुदायों को जोड़ने की सिफारिश की गई है। उल्लेखनीय रूप से, इनमें से 85 नए शामिल किए गए हैं: 46 समुदायों को ओबीसी का दर्जा, 29 को एससी का दर्जा और 10 को एसटी का दर्जा देने का प्रस्ताव है। उत्तर प्रदेश 19 नए समुदायों के साथ सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और राजस्थान हैं, जिनमें से प्रत्येक में आठ-आठ समुदाय शामिल हैं। नए समावेशन के अलावा, अध्ययन में मौजूदा वर्गीकरण में विसंगतियों पर भी प्रकाश डाला गया है। नौ समुदायों को पुनर्वर्गीकरण के लिए चिन्हित किया गया है, जबकि कई अन्य आंशिक रूप से सम्मिलित पाए गए हैं केवल कुछ राज्यों में या सीमित केंद्रीय अभिलेखों में सूचीबद्ध हैं।

चिंताजनक बात यह है कि 63 समुदाय, या 20 प्रतिशत से अधिक, को पता न लगने योग्य माना गया, संभवतः उन्हें बड़े समूहों में शामिल कर लिया गया, उनका नाम बदल दिया गया, या वे विभिन्न क्षेत्रों में चले गए। फरवरी 2020 में शुरू किए गए नृवंशविज्ञान प्रयास ने क्षेत्र-विशिष्ट अध्ययन करने के लिए ओडिशा, गुजरात और अरुणाचल प्रदेश के टीआरआई की विशेषज्ञता को आकर्षित किया। चौथा और अंतिम चरण अगस्त 2022 में संपन्न हुआ। इसके पूरा होने के बावजूद, इसके निष्कर्ष नीति आयोग पैनल की जांच के अधीन हैं, जबकि सामाजिक न्याय मंत्रालय ने अभी तक अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप नहीं दिया है। रिपोर्ट के निहितार्थ दूरगामी हैं, खासकर तब जब व्यापक जनगणना के अभाव में जाति-आधारित आरक्षण पर बहस तेज़ हो गई है। अध्ययन से एससी, एसटी और ओबीसी की आबादी बढ़ सकती है, जिससे मौजूदा जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को दर्शाने के लिए कोटा प्रतिशत को संशोधित करने की मांग को बल मिलेगा।

अजेमर दरगाह विवाद के हिंदू पक्षकार पर फायरिंग

अजमेर, 25 जनवरी (एजेंसियां)।
अजमेर में हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की हत्या के इरादे से फायरिंग की गई, लेकिन वे बाल-बाल बच गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। विष्णु गुप्ता अजमेर दरगाह विवाद के हिंदू पक्षकार हैं।

जानकारी के अनुसार दिल्ली जाते समय गगवाना-लाडपुरा पुलिया के पास दो अज्ञात बदमाशों ने उनकी गाड़ी पर फायरिंग की। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। विष्णु गुप्ता ने बताया कि इस घटना के पीछे उनकी सुरक्षा को लेकर खतरा पहले से ही मौजूद था। उन्होंने अजमेर दरगाह परिसर में हिंदू मंदिर होने का दावा करते हुए इसे लेकर विवादित बयान दिया था। इससे पहले भी उन्हें हत्या की धमकियां मिल चुकी हैं।

सीओ (ग्रामीण) रामचंद्र चौधरी ने बताया कि आज सुबह विष्णु गुप्ता अपनी कार से जयपुर जा रहे थे इसी दौरान करीब 6 बजे गगवाना के पास बाइक सवार दो युवकों ने उन पर गोली चलाई और फरार हो गए। पुलिस ने मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया है। घटना के बाद विष्णु गुप्ता ने मीडिया को जानकारी दी और इस हमले को गंभीर साजिश करार दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और बदमाशों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

बांके बिहारी मंदिर को एफसीआरए लाइसेंस मिला

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।
वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर को विदेश अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत लाइसेंस मिल गया है।

केन्द्र सरकार के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि मंदिर की ओर से इस लाइसेंस के लिए आवेदन किया गया था और समुचित प्रक्रिया तथा जांच के बाद मंदिर को यह लाइसेंस दे दिया गया है। एफसीआरए के तहत लाइसेंस मिलने के बाद मंदिर उसके खजाने में रखी विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल कर सकेगा और विदेशों से दान भी ले सकेगा।

सूत्रों ने बताया कि अभी इस मंदिर का प्रबंधन न्यायालय द्वारा गठित समिति की जिम्मेदारी है। इसी समिति ने एफसीआरए लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। पहले इस मंदिर का प्रबंधन पुजारियों के एक परिवार के पास था।

उत्तराखंड सरकार ने जारी किया आदेश

देवभूमि में 26 को नहीं 27 को लागू होगी यूसीसी

नैनीताल, 25 जनवरी (एजेंसियां)।
जैसे कि अटकलें लगाई जा रही थी कि उत्तराखंड समान नागरिक संहिता 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के दिन राज्य में लागू किया जाएगा।

लेकिन अब इसे एक दिन देरी से यानि 27 जनवरी को लागू किया जाएगा। इसे लागू किए जाने के लिए के बारे में गृह सचिव और मुख्यमंत्री के सचिव शैलेश बगौली के आदेश जारी कर दिए गए है।

मुख्य सेवा सदन (सीएम आवास)में दिन में 12.30 पर यूसीसी और उससे संबंधित पोर्टल का लोकार्पण का कार्यक्रम तय किया गया है। यूसीसी को लागू करने के अगले दिन राष्ट्रीय खेलो का शुभारंभ करने पीएम नरेंद्र मोदी देहरादून आ रहे है,संभवत: श्री मोदी,यूसीसी की भी चर्चा अपने भाषण में कर सकते है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में चुनाव चल रहे है और यूसीसी में महिलाओं के लिए समान अधिकार दिए जाने का प्रावधान है। बीजेपी ने अपने शासित राज्यों में यूसीसी को लागू करने की चर्चा अपने संकल्प पत्र में पहले से ही की हुई है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि यूसीसी लागू हो जाने से महिलाओं को उनके हक मिलने का संवैधानिक अधिकार मिलेगा और इसके लिए हमने सभी तैयारियां पूरी कर ली है।हमने जो विधानसभा चुनाव से पहले वायदा किया था उसे पूरा कर दिखाया है।

7 पद्म विभूषण, 19 पद्म भूषण और 113 को पद्म श्री सम्मान

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।
देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म पुरस्कारों की शनिवार को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर घोषणा की गई। इस बार सात लोगों को पद्म विभूषण, 19 को पद्म भूषण और 113 को पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

पद्म पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान, इंजीनियरिंग, व्यापार, उद्योग, चिकित्सा, साहित्य, शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में महान काम करने वालों को दिया जाता है।

केंद्र सरकार की ओर से घोषित पद्म विभूषण से सम्मानित लोगों की सूची में दुवुर नागेश्वर रेड्डी (मेडिसिन, तेलंगाना), जगदीश सिंह (चंडीगढ़), कुमुदिनी रजनीकांत लाखिया (कला- गुजरात) और लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम (कला- कर्नाटक) के नाम शामिल हैं। इसके अलावा, तीन शख्सियतों एमटी वासुदेवन (केरल), ओसामु सुजुकी (जापान) और शारदा सिन्हा (बिहार) को मरणोपरान्त यह सम्मान दिया गया है।

वहीं, पद्म भूषण सम्मान पाने वाले 19 लोगों में वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय और ए. सूर्य प्रकाश, समाज सेवा के क्षेत्र में साध्वी ऋतंभरा हैं। कला क्षेत्र से अनंत नाग, जतिन गोस्वामी, नंदमुरी बालकृष्णा, एस. अजित कुमार, शेखर कपूर और शोभना चंद्र कुमार को भी पद्म भूषण सम्मान मिलेगा। इनके अलावा, अमेरिका के विज्ञान क्षेत्र से जुड़े विनोद धाम, पंकज पटेल, नल्ली कुप्पुस्वामी चेट्टी, पूर्व हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश, ऑर्कियोलॉजिस्ट कैलाश नाथ दीक्षित, जोश चाको पेरियापुरम भी तीसरे सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित होंगे। वहीं, बिबेक दोबरॉय, मनोहर जोशी, सुशील कुमार मोदी और पंकज उधास को मरणोपरान्त पद्म भूषण पुरस्कार दिए जाने की घोषणा हुई है।

जबकि पद्म श्री पुरस्कार के लिए 113 नामों की घोषणा की गई है। इसमें पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन, गायक अरिजीत सिंह, भक्ति गायक भेरू सिंह चौहान, पत्रकार भीम सिंह भावेश, उपन्यासकार जगदीश जोशीला, सर्वाइकल कैंसर की वकालत करने वाली नीरजा भाटला और कुवैत की योग चिकित्सक शेखा ए.जे. अल सबाह और उत्तराखंड के ट्रैवल ब्लॉगर दंपति ह्यूग और कोलीन गैंटजर पुरस्कार पाने वालों की सूची में शामिल हैं।

इसके अलावा, विलास डांगरे, वेंकप्पा अंबाजी सुगातेकर, हरिमन शर्मा, जुमदे योमगाम गामलिन, नरेन गुरुंग, जगदीश जोशीला, बतूल बेगम, पंडि राम मंडावी, निर्मला देवी को भी पद्म श्री से सम्मानित किया जाएगा। श्री नारायण उर्फ भुलई भाई को लोकसेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए मरणोपरांत पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा सत्यपाल सिंह को खेल के क्षेत्र में, श्याम बिहारी अग्रवाल को कला के क्षेत्र में, सोनिया नित्यानंद को औषधि के क्षेत्र में, सैयद ऐनुल हसन को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए पद्मश्री मिला है।

पद्मश्री पाने वालों में उत्तर प्रदेश के 8 लोग भी शामिल हैं। इनमें आशुतोष शर्मा को विज्ञान और इंजिनियरिंग के क्षेत्र में, गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में, हृदय नारायण दीक्षित को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पद्मश्री दिया गया है।

वहीं, नागालैंड के फल किसान एल हैंगथिंग, पुडुचेरी के वादक पी दत्चानमूर्ति। मध्य प्रदेश के सामाजिक उद्यमी सैली होलकर और मराठी लेखक मारुति भुजंगराव चितमपल्ली को भी पद्म श्री पुरस्कार देने की घोषणा हुई है।

मोदी ने पद्म पुरस्कार विजेता को बधाई दी,कहा देश को उनकी उपलब्धियां पर गर्व है

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार शाम घोषित पद्म पुरस्कारों पर सभी पद्म पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि भारत को उनकी असाधारण उपलब्धियों का सम्मान करने और उसका जश्न मनाने पर गर्व है।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा,उनका समर्पण और दृढ़ता वास्तव में प्रेरक है। प्रत्येक पुरस्कार विजेता कड़ी मेहनत, जुनून और नवीनता का पर्याय है, जिसने अनगिनत लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। वे हमें उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने का मूल्य सिखाते हैं।

वीर गाथा विजेता को किया सम्मानित

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय शिक्षा धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को 'वीर गाथा' के सुपर-100 विजेताओं को सम्मानित किया, जिनमें 66 लड़कियां शामिल हैं। सम्मान समारोह में प्रत्येक विजेता को 10 हजार रुपये नकद, एक पदक और एक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। ये सुपर-100 लगभग 10 हजार विशेष अतिथियों में से हैं, जो 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड देखेंगे।

श्री सिंह ने विजेताओं को बधाई दी।

उन्होंने परियोजना के इस चौथे संस्करण में 1.76 करोड़ से अधिक छात्रों की अखिल भारतीय भागीदारी को स्वीकार करते हुए कहा कि यह शिक्षा के माध्यम से वीरों को पहचान प्रदान कर रहा है।

उन्होंने कहा कि युवा भारत के भविष्य के नायक हैं और वे वर्ष 2047 तक भारत को 'विकसित भारत' बनाने की परिकल्पना में प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर श्री प्रधान ने कहा कि वीर गाथा जैसी पहल स्कूली छात्रों को वीर वीरता पुरस्कार विजेताओं की वीरता और बलिदान के बारे में शिक्षित करती है और साथ ही युवा दिमाग की रचनात्मकता को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि यह पहल देशभक्ति, साहस और राष्ट्रीय गौरव के मूल्यों को विकसित करने में मदद करेगी, जिससे छात्रों को राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

लिव इन रिलेशन के बढ़ते चलन से चिंतित इलाहाबाद हाईकोर्ट

गिरते नैतिक मूल्यों को बचाने की सख्त जरूरत है

प्रयागराज, 25 जनवरी (एजेंसियां)।
समाज में आधुनिकता के नाम पर नया ट्रेंड चलने लगा है। इसके तहत युवा शादी विवाह से बचने और कथित आजादी के नाम पर लिव इन रिलेशनशिप में रहना पसंद कर रहे हैं। लेकिन, इससे अपराध में वृद्धि हुई है और नैतिकता के मूल्यों का भी ह्रास हो रहा है। इस चलन पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपनी चिंता जाहिर की है। हाईकोर्ट ने कहा है कि ये वो समय है, जब हमें इस पर सोचना चाहिए और समाज में नैतिक मूल्यों को बचाने के लिए समाधान को ढूंढने की आवश्यकता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की ये टिप्पणी वाराणसी के एक मामले से जुड़ी है, जिसमें आकाश केसरी नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया गया था। उस पर आरोप था

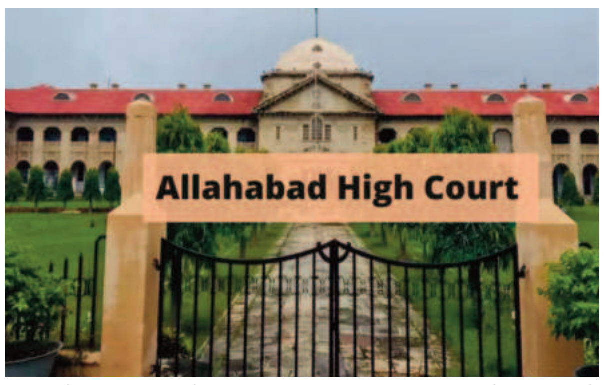

कि उसने एक महिला से शादी का झूठा वादा किया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब महिला गर्भवती हो गई तो युवक ने उसे गर्भपात कराने के लिए मजबूर किया और शादी से इंकार कर दिया। आरोपी पर महिला के साथ मारपीट करने और गाली देने का भी आरोप है।

मामला वाराणसी की एससी/एसटी अदालत गया, जहां कोर्ट ने आरोपी को जमानत देने से इंकार कर दिया। इसके बाद उसने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। वहां आरोपी के वकील ने दलील दी कि आकाश और महिला के बीच जो शारीरिक संबंध बने थे वो आपसी सहमति से बने थे। दोनों ही लंबे वक्त तक लिव इन रिलेशनशिप में थे। ऐसे में जब भी दोनों के बीच संबंध बने तो वो आपसी सहमति से ही बनें। इस दरम्यान दोनों 6 साल तक लिव इन में रहे। बाद में हाईकोर्ट ने इसी को आधार बनाकर अभियुक्त को जमानत दे दी।

फैसला सुनाते हुए जस्टिस नलिन कुमार श्रीवास्तव ने टिप्पणी की कि इस वक्त हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं, जहां पर लोगों के सामान्य आचरण, युवाओं के परिवार और नैतिक मूल्यों में बदलाव आ रहा है। ऐसे में समाज को नैतिक मूल्यों को बचाए रखने के लिए एक व्यवस्थागत ढांचे की आवश्यकता है। लिव इन रिलेशनशिप को समाज स्वीकार नहीं करता है, लेकिन, इन सब के बाद भी युवा वर्ग इसकी ओर तेजी से आकर्षित हो रहा है, ताकि वो अपने पार्टनर के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से बच सके। जिम्मेदारी से बचने की इसी भावना के कारण लिव इन रिलेशनशिप का क्रेज बढ़ता जा रहा है।

आपा की सरकार ने बिजली पानी, शिक्षा मुफ्त देकर लोगों को पहुंचाई राहत : आतिशी

नयी दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।
दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य समेत अन्य सेवाएं मुफ्त देकर राजधानी की जनता को बड़ी राहत पहुंचाई है।

सुश्री आतिशी ने यहां छत्रसाल स्टेडियम में शनिवार को आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के मौके पर कहा कि आप सरकार ने बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य समेत अन्य सेवाएं मुफ्त देकर दिल्ली की जनता को बड़ी राहत पहुंचाई है। दिल्ली सरकार अपने बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा बच्चों को अच्छी शिक्षा देने पर खर्च करती है। पूरे देश में सिर्फ राजधानी में 24 घंटे बिजली मिलती है। पिछले साल भीषण गर्मी के दिनों में भी पावर कट नहीं लगे। आज दिल्ली में रोजाना 11 लाख महिलाएं मुफ्त यात्रा का लाभ उठा रही हैं, इससे उनकी अर्थव्यवस्था में भागीदारी बढ़ी है। पिछले 10 वर्षों में हमने 38 फ्लाइओवर बनाने के साथ सड़कों, मेट्रो और बसों का भी तेजी से विकास किया है। आज हम सभी दिल्ली में हर महिला को सशक्त बनाने, सबको अच्छी शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार देने का प्रण लेते हैं।

दलित धर्मांतरण मामले में ईसाई दंपती को 5 साल की जेल

कोर्ट ने लगाया 25-25 हजार जुर्माना

अंबेडकर नगर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। अंबेडकर नगर में गरीब दलितों को लालच देकर उनका धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में एक ईसाई दंपति को एससी-एसटी कोर्ट के विशेष न्यायाधीश राम विलास सिंह ने 5 साल की सजा सुनाई है और उनके ऊपर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। ईसाई धर्मांतरण मामले में उत्तर प्रदेश धर्मांतरण विरोधी कानून के तहत ये पहली सजा है।

केरल से आए और मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के पिपरिया बैंक कॉलोनी में रहने वाले जोस पापाचन और उसकी पत्नी शीजा एएमएन के खिलाफ जलालपुर के जमौली निवासी भाजपा नेता चंद्रिका प्रसाद ने केस दर्ज कराया था। चंद्रिका ने अपनी शिकायत में कहा था कि जोस और शीजा शाहपुर फिरोज गांव की दलित बस्ती में आए और वहां गरीब परिवारों को टारगेट करके उन्हें बरगलाया। इसके बाद दोनों पति-पत्नी ने दलितों को बड़ी संख्या में इकट्ठा करके धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास किया।

ंद्रिका की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। पड़ताल में इनके पास से ईसाई साहित्य और अन्य सामग्रियां भी बरामद हुई थीं। यह जानकारी भी सामने आई थी कि ये लोग दलित बस्ती में पहुंचकर दलित समाज के लोगों को बाइबल का पाठ पढ़ाते थे, ईसा मसीह के बारे में बताते थे, रुपए पैसे का लालच देकर ईसाई धर्म से जुड़ने को कहते थे और आखिर में उनका ईसाई धर्म में परिवर्तन करवाकर उन्हें अपनी किताब देते थे। इतना ही नहीं ये लोग जनसभा करवाकर भी लोगों को बरगलाते थे।

कोर्ट ने यही सारे सबूत देखते हुए माना कि इन दोनों ने दलित समाज के लोगों को प्रलोभन देकर सामूहिक धर्म परिवर्तन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही विधि विरुद्ध ढंग से उन्हें ईसाई धर्म में परिवर्तित कराया। इसके बाद उन्होंने दंपती को दलितों का धर्मांतरण कराने का दोषी पाते हुए धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत कारावास के साथ अर्थदंड की सजा सुनाई। अब शीजा को 18 जनवरी और जोस को 22 जनवरी को जेल भेजा गया।

फिर गूगल मैप ने फ्रांसीसी पर्यटकों को भटकाया

पहुंचना था नेपाल, पहुंच गए बरेली

बरेली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। फ्रांस के दो नागरिक गूगल मैप की मदद से नेपाल की यात्रा पर निकले लेकिन रास्ता भटकते हुए बरेली के एक गांव में पहुंच गए। फ्रांसीसी नागरिक ब्रायन जैक्स गिल्बर्ट और सेबेस्टियन फ्रांस्वा गेब्रियल दिल्ली से साइकिल यात्रा पर नेपाल की ओर निकले।

उनका उद्देश्य टनकपुर होते हुए काठमांडू तक पहुंचने का था लेकिन गूगल मैप के सहारे चलने के कारण वे अंधेरे में रास्ता भटक गए और बरेली के बाहरी इलाके बहेरी स्थित चुरैली बांध तक पहुंच गए।

इस बीच, स्थानीय ग्रामीणों ने इन दोनों विदेशी पर्यटकों को देखा जो साइकिल पर सफर कर रहे थे और अनजान भाषा बोल रहे थे, जिससे ग्रामीणों को संदेह हुआ।

ग्रामीणों ने तुरंत इन दोनों को चुरैली पुलिस चौकी तक पहुंचाया। बरेली के बहेरी सर्किल अधिकारी अरुण कुमार सिंह के अनुसार, पुलिस ने इन पर्यटकों से बातचीत की और उनकी मदद करने का निर्णय लिया।

पुलिस ने इन पर्यटकों को सुरक्षित स्थान पर ठहराया और उन्हें आवश्यक सुविधाएं प्रदान की। साथ ही, अगले दिन उन्हें सही मार्ग बताया गया। दोनों विदेशी अपनी यात्रा पर पुनः निकल पड़े। बरेली पुलिस ने पूरी घटना की जानकारी दी और बताया कि पुलिस ने इन पर्यटकों को सही दिशा बताकर उन्हें सुरक्षित रूप से नेपाल के रास्ते पर रवाना किया। फ्रांस के पर्यटकों ने पुलिस और ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया और उनके मदद के लिए धन्यवाद कहा।

50 हजार का इनामी नईम मुठभेड़ में ढेर

सालभर की बच्ची समेत पांच लोगों की हत्या की थी

मेरठ, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ पुलिस ने मुठभेड़ में 50 हजार के इनामी बदमाश को मार गिराया है। बदमाश नईम पर परिवार के पांच लोगों की हत्या करने वाला आरोप था। मेरठ के लिसाड़ी गेट थाना के समर गार्डन क्षेत्र में यह मुठभेड़ हुई।

मेरठ पुलिस ने लिसाड़ी गेट थाना इलाके में पांच हत्या के आरोपी बदमाश नईम को मुठभेड़ में मार गिराया। शनिवार को तड़के तीन बजे लिसाड़ी गेट थाना इलाके में यह मुठभेड़ हुई। पुलिस ने नईम पर 50,000 रुपए का

इनाम रखा था। नईम ने अपने सौतेले भाई राजमिस्त्री मोईन, पत्नी आसमा और उनकी तीन बेटियों की हत्या की थी। अन्य राज्यों में भी नईम पर हत्या के मुकदमे दर्ज थे। मेरठ पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। मुखबीर से सूचना मिलते ही पुलिस ने जाल बिछाया। पुलिस से घिरा पाकर नईम पुलिस पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। गोली लगने से घायल हुए नईम की अस्पताल में मौत हो गई।

नईम ने मेरठ के लिसाड़ीगेट के सुहेल गार्डन में राजमिस्त्री मोईन उर्फ मोईनुद्दीन (52), उनकी पत्नी आसमा (45) और उनकी तीन बेटियां अफ्सा (8), अजीजा (4) और अदीबा (1) की पत्थर काटने वाली मशीन से गला काटकर निर्मम हत्या कर दी थी।

वीर बुंदेला आल्हा-ऊदल के गुरु की समाधि के पास मिले 400 सिक्के

संभल, 25 जनवरी (एजेंसियां)। संभल में पुराने समय के सिक्के और बर्तन भी मिले हैं। यह सभी सिक्के अमरपति खेड़ा की समाधि के पास मिली है। अमरपति खेड़ा सम्राट पृथ्वीराज चौहान के समकालीन थे। वह आल्हा ऊदल के गुरु भी बताए जाते हैं। उनकी समाधि के पास पहले भी खुदाई में कई सिक्के वगैरह मिलते रहे हैं।

संभल में लगातार तीर्थ और कुएं मिलने का सिलसिला जारी है। संभल के ही एक मुहल्ले में अब तक का सबसे बड़ा कुआं हाल ही में मिला है। प्रशासन ने इसकी खुदाई करवाई है। एक और ऐतिहासिक स्थल पर राम दरबार वाले सिक्के तथा पुराने बर्तन भी मिले हैं। प्रशासन संभल के 87

तीर्थ में से 41 को ढूंढ़ने में सफल रहा है। उसने प्राचीन सभी 19 कुएं भी ढूंढ़ लिए हैं। संभल के सरायतरीन में अब तक सबसे बड़ा कुआं मिला है। यह कुआं जामा मस्जिद से 50 मीटर ही दूर स्थित है। इसे स्थानीय लोगों ने पाट दिया था। यह जिस मोहल्ले में स्थित है, उसे दरबार कहते हैं। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि यहां टोंक के नवाब का दरबार लगता था।

इस कुएं का निरीक्षण डीएम-एसडीएम ने किया था। इसके बाद प्रशासन ने इस पर खुदाई चालू कर दी। कुएं को पूरा खोदने के बाद यह अच्छी अवस्था मिला है। डीएम ने कहा है कि यह दर्शनीय है। यह कुआं लगभग 70 फीट गहरा है।

यह उन्हीं 19 कुओं का हिस्सा है, जो संभल में स्थित हैं। लोगों ने यह शिकायत की थी कि इस कुएं को दबंगों ने पाटा था और इस पर होने वाली पूजा भी रुक गई थी। हालांकि, अब इसका पुराना स्वरूप लौटा दिया गया है। इसका निरीक्षण एएसआई की एक टीम ने भी किया है।

संभल के अमरपति खेड़ा की समाधि के पास पुराने समय के सिक्के और बर्तन भी मिले हैं। अमरपति खेड़ा सम्राट पृथ्वीराज चौहान के समकालीन थे। वह आल्हा ऊदल के गुरु भी बताए जाते हैं। उनकी समाधि के पास पहले भी खुदाई में कई सिक्के वगैरह मिलते रहे हैं। इन सिक्कों को प्रशासन ने अपने संरक्षण में ले लिया है। सिक्कों की संख्या 300-400 है। इन पर भगवान राम और माता सीता की आकृति उकेरी है।

इन पर लक्ष्मण की आकृति भी उकेरी है। इसके अलावा कुछ और भी डिजाइन वाले सिक्के सामने आए हैं। इनकी धातु क्या है, यह स्पष्ट नहीं हुआ है। संभल में प्रशासन के प्रयास से 87 तीर्थ में से 41 तीर्थ ढूंढ़ निकाले गए हैं। इसके अलावा सभी 19 कूप भी ढूंढ़ कर खोदे गए हैं। इन सभी तीर्थों और कूपों के जीर्णोद्धार का काम भी चल रहा है। कई ऐसी जगह हैं, जहां एएसआई ने सर्वे किया है।

दक्षिण की श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य का आगमन बढ़ा रहा महाकुंभ की शोभा: योगी

महाकुंभ नगर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे पर शनिवार को दक्षिण भारत की श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य जगद्गुरु श्रीश्री विधुशेखर भारती जी महाराज से भी भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रृंगेरी पीठ के पूज्य शंकराचार्य के प्रयागराज पधारने से बहुत आनंद की अनुभूति हो रही है। आपके आगमन से महाकुंभ को पूर्णता मिल रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दक्षिण रीति से स्वागत किया गया और उन्हें कुंभ के स्वरूप के रूप में नारियल भेंट किया गया। वहीं, मुख्यमंत्री ने भी शंकराचार्य को शॉल ओढ़ाकर और फल भेंटकर अभिनंदन किया।

श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य जगद्गुरु श्रीश्री विधुशेखर भारती जी महाराज से भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे अंतराल के बाद दक्षिण

की श्रृंगेरी पीठ का महाकुंभ के महाआयोजन में आगमन हो रहा है। इससे महाकुंभ की शोभा और अधिक बढ़ गई है। यह आनंद का विषय है कि इस महाकुंभ में श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य 5 दिन का प्रवास करेंगे, यह हमारे लिए आशीर्वाद की तरह है। प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन आपका आभारी है। कुंभ जैसे आयोजन को भव्य और दिव्य बनाने में आपकी उपस्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शंकराचार्य को महाकुंभ की व्यवस्था, संतों की भागीदारी और वैश्विक स्तर पर लोगों के आगमन से जुड़ी सभी जानकारियां प्रदान कीं।

श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य ने मुख्यमंत्री द्वारा महाकुंभ के विषय में दी गई जानकारी पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने महाकुंभ में की गई व्यवस्थाओं और सुविधाओं की भूरि भूरि प्रशंसा की। अपनी सेवा में लगे लोगों को भी उन्होंने आशीर्वाद दिया। शंकराचार्य ने मुख्यमंत्री को दक्षिण पीठ की परंपरा के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 48 वर्ष पहले गुरु के गुरु कुंभ में अमावस्या के समय एक दिन का स्नान करने के लिए यहां आए थे, लेकिन औपचारिक रूप से दक्षिण से कोई शंकराचार्य 150 वर्षों के बाद महाकुंभ में सम्मिलित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि 5 दिन के प्रवास के अवसर पर वह शास्त्रार्थ के साथ ही अमावस्या पर शंकराचार्यों के साथ त्रिवेणी संगम स्नान में भी सम्मिलित होंगे।

उन्होंने अपने प्रवास और इसके बाद कार्यक्रमों के विषय में भी बताया। इस पर मुख्यमंत्री ने शंकराचार्य से काशी प्रवास के अवसर पर शास्त्रार्थ सभा और प्रवचन करने का भी निवेदन किया। इस पर शंकराचार्य ने भी अपनी सहमित दी।

अन्नपूर्णा मंदिर में कार्यक्रम को लेकर भी शंकराचार्य की ओर से सहमति प्रदान की गई। इस अवसर पर शंकराचार्य के कुंभ प्रवास के प्रभारी राकेश शुक्ला, दक्षिण के प्रभारी मुरली जी समेत अन्य अधिकारी व अतिथि शामिल रहे।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेक्टर 19 स्थित श्री कल्याण सेवा आश्रम, अमरकंटक के आश्रम भी पहुंचे और यहां उन्होंने सद्गुरुदेव बाबा कल्याण दास जी महाराज से शिष्टाचार भेंट की और उनके साथ व्यक्तिगत चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में सरकार के द्वारा की गई व्यवस्थाओं और सुविधाओं के विषय में भी उनसे बातचीत की।

करीब 10 मिनट तक चली इस मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री अपने अगले कार्यक्रम की ओर बढ़ गए। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में कल्याण सेवा आश्रम वर्ष 1977 से जन सेवा, समाज सेवा आध्यात्मिक एवं धार्मिक गतिविधियों को अपना उद्देश्य बनाकर निरंतर कार्य कर रहा है।

गुरु गोरक्षनाथ अखाड़ा में योगी ने की धर्म ध्वजा की पूजा

संतों को अपने हाथ से प्रसाद ग्रहण कराया

महाकुंभ नगर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज दौरे पर शनिवार को महाकुंभ स्थित श्री गुरु गोरक्षनाथ अखाड़ा भी पहुंचे।

यहां उन्होंने धर्म ध्वजा की पूजा की और सभी संतों को प्रसाद ग्रहण कराया और स्वयं भी प्रसाद भी प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने देश भर से आए सिद्ध योगेश्वरों से विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की।

योगी महासभा के विशिष्ट उपाध्यक्ष महंत बालक नाथ योगी ने बताया कि यह अखाड़ा स्वयं मुख्यमंत्री का है। यह अखाड़ा नाथ सम्प्रदाय का है, गुरु गोर-क्षनाथ जी की परंपरा का है। जब से यहां धर्म ध्वजा की स्थापना हुई तब से भारत के विभिन्न स्थानों से सिद्ध योगेश्वर यहां पहुंच रहे हैं।

इनके रहने, सोने और प्रसाद की व्यवस्था यहां पर होती है। आज का प्रसाद हमारे अध्यक्ष योगी आदित्यनाथ जी की ओर से था, क्योंकि यह उनका ही अखाड़ा है। सभी साधुओं को प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। मुख्यमंत्री जी ने धर्म ध्वजा की पूजा भी की और सभी संतों के आर्शिवचन सुनने का मौका प्राप्त किया। उनके द्वारा संतों को प्रसाद भी ग्रहण कराया गया, जबकि उन्होंने स्वयं भी भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सभी अखाड़ों के आचार्य महामंडलेश्वर उपस्थित रहे।

अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ-योगी महासभा का कार्यक्रम

सनातन धर्म एक विराट वट वृक्ष, इसकी तुलना झाड़ झंखाड़ से नहीं: योगी

महाकुंभ नगर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज दौरे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ-योगी महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने एक बार फिर महाकुंभ को एकता का संदेश देने वाला देश और दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन बताया और सनातन धर्म को विराट वट वृक्ष की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म एक विराट वट वृक्ष है। इसकी तुलना किसी झाड़ और झंखाड़ से नहीं होनी चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के अंदर अन्य संप्रदाय हो सकते हैं, उप-ासना विधि हो सकती है, लेकिन धर्म तो एक ही है और वह है सनातन धर्म। यही मानव धर्म है।

भारत में जितनी भी उपासना विधियां हैं वह अलग पंथ और संप्रदाय की से भले ही जुड़ी हों, लेकिन निष्ठा और आस्था सब की सनातन धर्म से जुड़ी हुई है। सबका उद्देश्य तो एक ही है। इसलिए महाकुंभ के इस पावन आयोजन पर हम सबको पूरी दुनिया से आए लोगों को एक ही संदेश देना है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री जी का कहना है कि महाकुंभ का संदेश, एकता से ही अखंड रहेगा देश।

उन्होंने कहा कि याद रखना, भारत सुरक्षित है तो हम सब सुरक्षित हैं। भारत सुरक्षित है तो हर पंथ, हर

संप्रदाय सुरक्षित है और अगर भारत के ऊपर कोई संकट आएगा तो सनातन धर्म पर संकट आएगा। सनातन धर्म पर संकट आएगा तो भारत के अंदर कोई भी पंथ और संप्रदाय अपने आप को सुरक्षित महसूस न करे। वह संकट सबके ऊपर आएगा, इसलिए संकट की नौबत आने न पाए, इसके लिए एकता का संदेश आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि इस महाकुंभ के आयोजन से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। जब पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के दिन कोटि-कोटि श्रद्धालु मां गंगा, मां यमुना, मां सरस्वती की पावन त्रिवेणी के संगम पर डुबकी लगाकर अभिभूत हो रहे थे तब उने जो पॉजिटिव कमेंट्स थे उसने पूरी दुनिया की आंखों को खोलने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार कहते हैं की यह सदी भारत की सदी है, भारत की सदी का मतलब हर एक क्षेत्र में भारत को विकास की बुलंदियों को छूना है। लेकिन हर एक क्षेत्र में देश उन बुलंदियों को तब छुएगा जब उस क्षेत्र से जुड़े हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों का ईमानदार पूर्वक निर्वहन करेंगे। जो राजनीति मैं हैं वह राजनीति के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, सीमा पर सेना देश की रक्षा का काम कर रही है और धार्मिक जगत से जुड़े हुए हमारे पूज्य संत भी अपना दायित्व निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न तीर्थ स्थलों से आए श्री महंत, आचार्य और योगेश्वर का हृदय से सम्मान किया।

उन्होंने जूना पीठाधीश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज, परमात्मानंद महाराज और निर्मलानंद महाराज को शॉल ओढ़ाकर और गोरखनाथ जी की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। इनके साथ ही सतुआ बाबा, सुदर्शनाचार्य महाराज, स्वामी धीरेंद्र और स्वामी जितेंद्रनाथ का भी सम्मान किया गया। उन्होंने रामानुजाचार्य, श्रीधराचार्य, शेरनाथ महाराज, उमेशनाथ महाराज, कृष्णनाथ महाराज, समुद्रनाथ महाराज, संख्यनाथ महाराज, रामनाथ महाराज, श्री महंत सोमवरनाथ महाराज, और मिथिलेशनाथ महाराज का भी अभिनंदन किया

खरीदारी

कार्पेट खरीदने जा रही हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप भी अपने घर को सजाने के लिए कार्पेट या कालीन खरीदने जा रही हैं तो इन बातों के बारे में जान लें। बाजार में कार्पेट बहुत से रंगों और डिजाइन में मिलते हैं। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कुछ जरूरी बातें और टिप्स जिन्हें कार्पेट खरीदने से पहले आपके लिए जानना जरूरी है...

1. कार्पेट खरीदने से पहले यह तय कर लें कि आपको किस कमरे के लिए कैसा कार्पेट चाहिए। इससे आपको कार्पेट खरीदने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी। रूम को लाइट और हैपी दिखाने के लिए चमकीले कार्पेट का इस्तेमाल करें। ऊबड़ खाबड़ फर्श के लिए रोएंदार लूप या फंदे वाला कार्पेट लें। इससे फर्श की ऊंच-नीच नजर नहीं आएगी।

2. कार्पेट खरीदते समय उसके धागे की ऐंठन पर ध्यान दें। एक धागे में जितनी ज्यादा ऐंठन होगी रोयां उतना घना होगा। ऐसे कार्पेट पर पैर के निशान कम दिखेंगे।

3. सबसे ज्यादा परेशानी कार्पेट को धोने में होती है। बाजार में ऐसे कई कार्पेट मिलते हैं जो स्टेनफ्री होते हैं। ड्रॉइंग रूम के लिए ऐसे ही कार्पेट खरीदें, जिससे इन्हें धोने में आसानी हो।

4. हमेशा स्टाइल के अनुसार ही कार्पेट को चुनें। मखमल के कार्पेट्स न खरीदें क्योंकि इन पर पैरों के निशान, वैक्यूम के निशान रह जाते हैं।

5. कार्पेट प्रोवाइडर का चुनाव करते समय ध्यान में रखें कि इसकी वरायटी अच्छी हो और यह आपके बजट में हो। आप इसे किसी शोरूम, फ्लोरिंग कंपनी, बड़े डिपार्टमेन्टल स्टोर या फिर ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं।

6. अगर आपके घर में बच्चे या डॉगी है तो ऐसा कार्पेट ही चुनें जिसकी देखभाल करना आसान हो और मेन्टेनेंस पर खर्च भी कम आता हो।

7. कार्पेट खरीदते समय उसकी लंबी वॉरंटी न देखें। कार्पेट वही खरीदें जिसे अच्छे मटीरियल से बनाया गया हो। अगर कार्पेट अच्छी क्वालिटी का बना हो तो उसकी वॉरंटी भी ज्यादा होगी।

8. हमेशा ऊन या जैविक सामग्री से बने कार्पेट्स ही खरीदें। जो वाष्पशील पदार्थों से बने होते हैं उन्हें कभी न खरीदें क्योंकि इनमें इन्स्टॉलेशन के बाद बदबू आने लगती है।

ठंड में रोज आधे घंटे के लिए करें ये काम, नहीं होगी कोई बीमारी

वैसे तो नियमित योगाभ्यास हर मौसम में किया जाना चाहिए। लेकिन सर्दी के मौसम में इसकी जरूरत और भी बढ़ जाती है। कुछ खास योगासन करके इम्यूनिटी लेवल को बढ़ाकर सर्दी में होने वाली बीमारियों से दूर रहा जा सकता है। सर्दी के मौसम में विशेष रूप से किन योगासन को करना चाहिए इस बारे में योगा ट्रेनर जितेंद्र जानकारी दे रहे हैं।

सर्दियों में हमें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करती हैं। खांसी-जुकाम और बुखार बार-बार होता है। असल में इसकी वजह रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना है। लेकिन इस मौसम में भी बीमारियों से दूर रहा जा सकता है। अगर नियमित कुछ खास तरह के योगासन किए जाएं, तो इम्यूनिटी को बढ़ाया जा सकता है। साथ ही इनको करने से सर्दी के मौसम में भी एनर्जेटिक रहा जा सकता है।

पश्चिमोत्तानासन

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर बैठ जाएं। दोनों पैरों को सामने फैलाएं। इस दौरान आप पीठ की मांसपेशियों को ढीला छोड़ दें। सांस लेते हुए अपने हाथों को ऊपर लेकर जाएं और फिर सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। इस दौरान धीरे-धीरे सांस लें और फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ें। फिर वापस सामान्य अवस्था में लौट आएं। आप इस आसन को शुरुआत में तीन से पांच बार कर सकती हैं। इस आसन को करते समय कभी भी झटके से करने का प्रयास न करें और न ही जल्दबाजी करें। इस आसन को हमेशा खाली पेट ही करना चाहिए।

कूर्मासन

सबसे पहले आप बैठ जाएं। अपने पैर को दोनों ओर फैलाएं और सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। अब हाथों को पैरों के नीचे से ले जाएं और फैला दें। अब कमर से रीढ़ की हड्डी को खींचने की कोशिश करें और जमीन पर माथा लगाने का प्रयास करें। इस अवस्था में धीरे-धीरे सांस लें और फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ें। सांस लेते हुए आरंभिक अवस्था में आएं। आप इस आसन को 3 से 5 बार करें। शुरुआती दौर में, इसे करने में आपको थोड़ी समस्या हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे अभ्यास से आप इसमें निपुण हो जाएंगी। यह आसन शरीर के विभिन्न अंगों को उत्तेजित करते हुए आपको तरोताजा बनाए रखता है, इसलिए सर्दियों के मौसम के लिए यह एक उत्तम आसन है।

मंडूकासन

सबसे पहले घुटने मोड़कर वज्रासन में फर्श पर बैठ जाएं। अब मुट्ठी बांधें और इसे अपनी नाभि के पास लेकर आएं। मुट्ठी को नाज़ि और जांघ के पास ऐसे रखें कि मुट्ठी खड़ी हो और अंगुलियां आपके उदर की तरफ हों। अब सांस छोड़ते हुए आगे झुकें और छाती को इस तरह नीचे लाएं कि वह जांघों पर टिकी रहे। साथ ही कोशिश करें कि नाभि पर ज्यादा से ज्यादा दबाव आए। आसन के दौरान अपना सिर और गर्दन उठाए रखें और दृष्टि सामने की ओर रखें। साथ ही सांस भी धीरे-धीरे लें और छोड़ें। सांस लेते हुए अपनी सामान्य अवस्था में वापस लौट आएं। चूंकि शरीर में गर्मी पेट के माध्यम से ही उत्पन्न होती है और यह उदर के लिए एक बेहतरीन व्यायाम है, इसलिए सर्दियों में इसे करना अच्छा रहता है।

शशकासन

सबसे पहले आप पद्मासन में बैठ जाएं और अपनी रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें। अब दोनों घुटनों के बीच दूरी बनाएं। साथ ही दोनों बांहें भी सिर के ऊपर उठाएं। बांहों को कंधे की चौड़ाई जितनी दूरी पर रखें। सांस छोड़ते हुए और बांहें सीधी रखते हुए कमर से आगे की ओर झुकें। इस दौरान आपके ठोड़ी और बांहें फर्श पर टिकी होनी चाहिए और नजरें सामने की ओर होनी चाहिए। थोड़ी देर इस अवस्था में रहने के बाद सांस लेते हुए धीरे-धीरे आरंभिक अवस्था में आ जाएं।

सूर्यभेदी प्राणायाम

सबसे पहले आप आंखें बंद करके पद्मासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ की अनामिका और छोटी अंगुली से बाईं नासिका को बंद करें और बिना आवाज किए दाहिनी नासिका से धीरे-धीरे सांस लें। अब दाहिनी नासिका को अंगूठे से बंद करें और अपनी ठोड़ी को सीने की ओर मजबूती से दबाते हुए सांस रोकें। यह स्थिति कुंभक कहलाती है। अब कुंभक की अवधि को धीरे-धीर बढ़ाएं। फिर अंगूठे से दाहिनी नासिका को बंद करें और बाईं नासिका से बिना कोई आवाज किए धीरे-धीरे श्वांस छोड़ें। सांस लेना, सांस छोड़ना और कुंभक का जो अनुपात है, वह 1 2 4 का होना चाहिए।

भस्त्रिका प्राणायाम

पद्मासन में बैठ जाएं और कमर, गर्दन, पीठ और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए शरीर को बिल्कुल स्थिर रखें। इसके बाद बिना शरीर को हिलाए, दोनों नासिका छिद्रों से आवाज करते हुए श्वांस भरें और बाहर निकालें। श्वांस लेने और छोड़ने की गति तीव्र होनी चाहिए। श्वांस लेते समय पेट बाहर की ओर फुलाना है और श्वांस छोड़ते समय पेट अंदर की ओर खींचना है। यह प्रक्रिया करते समय केवल आपका पेट हिलना चाहिए, छाती स्थिर रहनी चाहिए। इस तरह कम से कम 20 बार अवश्य करें। इस प्राणायाम में श्वांस लेने और छोड़ने का समय समान रखें।

कपालभाति

सर्वप्रथम पद्मासन में बैठ जाएं। गहरी लंबी सांस लें। अब सांस छोड़ते हुए अपने पेट को जितना संभव हो अंदर की ओर खींचें। जितना कर सकें, उतना ही करें। जब आपको थकान महसूस होने लगे, तो रुक जाएं। शुरुआत में इस क्रम को 20-25 सेकेंड तक करें। दूसरे क्रम को कुछ देर रुक कर जारी कर सकती हैं।

अन्य कारगर योगासन

ऊपर बताए गए योगासनों के अलावा आप शुरुआत में कुछ अन्य योगासन भी कर सकती हैं। ये योगासन आपके लिए वॉर्मअप का काम करेंगे। इससे आपका शरीर जटिल योगासन करने के लिए तैयार हो जाएगा। इनमें ग्रीवा शक्ति विकासक, पूर्णभुजाशक्ति विकासक, कटिचक्रासन क्रिया और सर्वांगपुष्टि, किए जा सकते हैं।

यह सभी योगासन किसी विशेषज्ञ की देख-रेख में ही करें। अगर आपको कमर दर्द की शिकायत है, तो आप आगे की ओर झुकने वाले आसन न करें।

खरीदारी

शादी का लहंगा खरीदते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

शादियों का सीजन है और हर तरफ जोर शोर से शादी की तैयारियां की जा रही हैं। शादी की बाकी तैयारियों जितनी ही अहम है दुल्हन के लिए शादी का लहंगा। हर लड़की चाहती है कि शादी के दिन वह सबसे खूबसूरत दिखे और इसमें उसके वेडिंग ड्रेस का सबसे अहम रोल होता है। लिहाजा शादी का लहंगा खरीदते समय आपको इन बातों का ध्यान रखना चाहिए...

1. ब्राइडल लहंगा खरीदते वक्त इस बात का ख्याल रखें कि जो भी लहंगा चुने वह आपके रंग पर खरा उतरना चाहिए। अपनी हाइट-वेट और कलर के अनुसार ही लहंगा चुनें क्योंकि यह जरूरी नहीं है कि जो लहंगा दिखने में खूबसूरत लग रहा हो वो पहनने में में भी उतना अच्छा लगे।

. अगर आपकी हाइट परफेक्ट है पर आपका वेट ज्यादा है तो ऐसे में आपको घेरदार लहंगा लेना चाहिए। यह आप पर अच्छा लगेगा।

3. अगर आप हेल्दी हैं लेकिन हाइट अच्छी है तो फिटिंग वाला लहंगा आप पर खूब जचेगा। इससे आपका मोटापा कम दिखेगा और शरीर का लुक पतला भी नजर आयेगा।

4. यदि आपका रंग गोरा है तो इसमें आपको हरे रंग के लहंगे अच्छे लगेगें। लाइट सॉफ्ट ग्रीन या सॉफ्ट पेस्टल वाले रंगों में या फिर पिंक, पीच जैसे रंग आप पर बहुत अच्छे लगेंगे।

5. अगर आपका रंग सांवला है तो आप गोल्डन, नेवी ब्लू, रॉयल ब्लू के अलावा रूबी रेड, ऑरेंज रस्ट जैसे रंगों का चुनाव कर सकती हैं। पेस्टल कलर आपके ऊपर बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगेगा इसलिए इसका चुनाव बिलकुल न करें।

6. डस्की ब्यूटी वालों को भड़कीले जैसे, मजेंटा, लाल, नारंगी जैसे रंग के लहंगे काफी अच्छे लगते हैं।

7. इस बात का खास ध्यान रखें कि जो भी लहंगा आप खरीदें वो काफी वर्क वाला हो पर उसका दुपट्टा हल्का होना चाहिये। यदि दोनों का वर्क भारी होगा तो आपकी जूलरी का लुक उभर कर नहीं आयेगा।

सर्दी की रौनक देखनी है तो जाएं औली

यह जरूरी नहीं कि आप गर्मियों में ही हिल स्टेशन जाएं। सर्दी में तो इसका मजा और भी बढ़ जाता है। अगर आप घूमने की प्लानिंग कर रहे हैं तो औली जा सकते हैं। चमोली जिले स्थित इस हिल स्टेशन में गर्मियों के मुकाबले सर्दियों में ज्यादा चहल-पहल होती है।

खूबसूरत पहाड़िया और जंगल ही जंगल

जिला चमोली में जोशीमठ के पास समुद्रतल से 9 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित औली गढ़वाल एक पॉप्युलर टूरिस्ट प्लेस है। यहां से चारों ओर की खूबसूरत पहाड़ियों व जंगल का नजारा लिया जा सकता है। अगर आप गाड़ी से जा रहे हैं तो जोशीमठ पहुंचने से तकरीबन आधा किलोमीटर पहले एक सड़क दाईं ओर औली के लिए जाती है जिस पर लगातार घुमावदार चढ़ाई में जंगल से गुजरते हुए तकरीबन 16 किलोमीटर चलने के बाद आप औली पहुंचते हैं। घुमावदार पहाड़ियों से जाने पर आपको 40 मिनट लग सकते हैं। औली जाने के लिए बस सेवा नहीं है, लेकिन जोशीमठ से प्राइवेट टैक्सियां मिल जाती हैं।

उड़ेंगे पहाड़ियों के बीच में

औली तक पहुंचने के लिए रोप वे का भी बढ़िया इंतजाम है। इसकी स्पीड देश के बाकी रोप वे से अधिक मानी जाती है। देवदार के घने जंगल से होते हुए यह ढलानों के ऊपरी छोर तक पहुंच जाता है। ऊंचाई के कारण ऐसा लगता है कि मानों आप बादल के बीच में उड़ रहे हों। इससे दूर-दर तक बर्फ से ढकी पहाड़ियों को भी आप दूरबीन की मदद से साफ देख सकते हैं।

मानों बिछी हो रुई

बुग्याल एक गढ़वाली शब्द है, जिसे हिंदी में चारागाह कहते हैं। यह 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। अगर धूप हो तो हिमालय की पहाड़ियां यहां ऐसे दिखती हैं मानों चारों तरफ रुई बिछा दी गई हो।

ब्लू शिप भरल का आकर्षण

यहां के ऊंचे हिमालयी बर्फीले एरिया में ब्लू शिप पाया जाता है। इसे भरल नाम से जाना जाता है। 70 इंच लंबा सींग वाला ब्लू शिप काफी बड़ा होता है। उत्तराखंड में होने वाले विंटर स्पोर्ट्स में इसे शुभंकर बनाया गया है। विंटर गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने बर्फीले इलाके में भरल के रहने की क्षमता और इसमें एक स्कीयर की क्वॉलिटी को देखते हुए इसे शुभंकर बनाया है।

ठहरने की व्यवस्था

यहां ठहरने के लिए गढ़वाल विकास निगम ने एक गेस्ट हाउस बनाया हुआ है जिसमें लगभग 110 रूम हैं। सभी तरह के बजट वालों के लिए यह सुविधाजनक है। भारत-तिब्बत पुलिस का भी यहां पर रेस्ट्रॉन्ट है। वैसे यहां ठहरने के लिए कॉटेज और हट की व्यवस्था भी है। आप चाहें तो यहां से घूमने के बाद ठहरने के लिए जोशीमठ भी जा सकते हैं। जोशीमठ में ढेरों होटल व गेस्ट हाउस हैं।

कैसे पहुंचें

औली पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी हवाई अड्डा देहरादून के पास जौली ग्रांट है, जो जोशीमठ से 273 किलोमीटर दर है। यहां से बस व टैक्सी से औली पहुंचा जा सकता है। नजदीकी रेलवे स्टेशन हरिद्वार है, जो यहां से तकरीबन 299 किलोमीटर दूरी पर स्थित है।

बेस्ट सीजनः नवंबर से अप्रैल के बीच

सर्दियों में घर में यूं बनाए रखें गमार्हट

सर्दियों में घर में गमार्हट बनाए रखने के लिए चमकीले, चटख रंग के कुशन इस्तेमाल में लाए जा सकते हैं या मोमबत्तियां जलाई जा सकती हैं। इससे आपको भी गमार्हट व सुकून का अहसास होगा।

* चमकीले और आरामदायक, स्पॉन्जी टेक्सटाइल के इस्तेमाल के लिए सर्दी सबसे उपयुक्त मौसम है। ऊन, फॉक्स फर या मखमल के कुशन को इस्तेमाल में लाएं।

* ठंडे फर्श पर नहीं चलें। फर्श पर रंगीन, खबूसूरत कालीन या दरी बिछाएं, जो न सिर्फ आपके पैरों को गर्म रखेंगे, बल्कि घर की खूबसूरती भी ब?ाएंगे। आप चाहें तो स्टाइलिश, रंगीन कॉपेर्ट का चयन कर सकती हैं।

* सर्दियों में दीवारों को चटख गर्म रंगों जैसे लाल, पीला, भूरा रंग से पेंट कराएं। इससे आपके घर को नया और स्टाइलिश लुक भी मिलेगा।

* आप चाहें तो कई मोमबत्तियां जलाकर भी घर में गमार्हट बनाए रख सकती हैं। मोमबत्तियां आपको गमार्हट का अहसास दिलाने के साथ रूमानी अहसास भी दिलाएंगी।

रेसिपी

मशरूम क्रीम सूप

सामग्री

मशरूम- 600 ग्राम, प्याज- 1(कटा हुआ)
लहसून- 3 कलिया (बारीक कटी)
ताजा हरा धनिया- 1 कप (कटा हुआ)
जैतून का तेल- 1 टेबलस्पून
वैजीटेबल स्टॉक- 1.5 लीटर
क्रीम- 75 मि.ली.
ब्रैड क्रम्स- स्लाइस में काटे हुए
नमक- स्वादानुसार
काली मिर्च- स्वादानुसार

विधि

मशरूम को साफ कर बारीक काट लें। पैन में तेल गर्म करें और प्याज, लहसून और धनिया डाल कर भून लें। अब इसमें मशरूम डालें और सॉफ्ट होने तक पकाएं। अच्छी तरह पक जाने पर इसमें वैजीटेबल स्टॉक मिलाएं15 मिनट तक नमक डालकर पकाएं। फिर सारे मिश्रण को मिक्सी में पीस लें और पैन में दोबारा क्रीम डालकर गर्म करें। गर्मागर्म सूप तैयार हैं। ब्रैड क्रम्स व मशरूम के 1-2 पीस के साथ गार्निश करें।

बेसन चीला

सामग्री

1 कप बेसन, 1/4चम्मच हल्दी,1/4 चम्मच अजवाइन,नमक स्वादनुसार,आधा कप पानी,आधा प्याज (कटा हुआ),2 बड़े चमच धनिये के पत्ते (कटे हुए),आधा टमाटर(कटा हुआ),1 इंच अदरक (कटा हुआ),1 हरी मिर्च (कटी हुई),5 चमच तेल 1 हरी मिर्च (कटी हुई)।

विधि

बड़े बाउल में 1 कप बेसन मिलाएं। फिर इसमें 1/4चम्मच हल्दी, 1/4चम्मच अजवाइन और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। अब इसमें आधा कप पानी मिलाए और तब तक हिलाते रहे, जब तक यह स्मूद पेस्ट न बन जाएं। अब इसको 30 मिनट के लिए साइड पर रख दें। अब इस पेस्ट में आधा कटा प्याज ,आधा टमाटर, 2 बड़े चमच धनिया पत्ते, 1 इंच कटा हुआ अदरक और 1हरी मिर्च मिलाएं। फिर इसे अच्छे से मिस करें और फिर से स्मूद पेस्ट बना लें। एक गर्म तवे पर चमचे की मदद से इस पेस्टको फैलाएं। फिर चिल्ला के ऊपर तेल के कुछ चमच डालें और मध्यम आंच पर पकाएं। चीला को दोनों साइड से पकाएं। बस बनकर तैयार है आपका बेसन चीला। इसे मोड़कर हरी चटनी के साथ सर्व करें।

जिज्ञासा

क्या है सायक्लोन

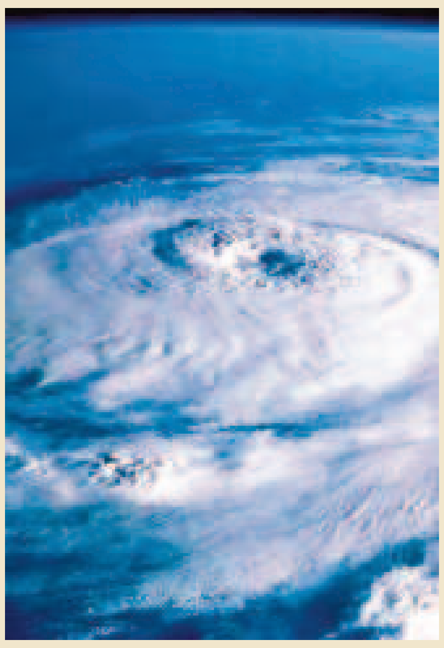

बच्चो, जब तेज हवाएं चलती हैं, तो आपने देखा होगा कि कई जगह हवा के साथ गोल-गोल घेरे बन जाते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि इन घेरों को वैज्ञानिक भाषा में क्या कहा जाता है और धरती व पानी में बनने वाले इन चक्रवातों में क्या अंतर है?

अलग-अलग जगहों पर बनने वाले इन घेरों को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। असल में हवा जब तूफानी तरीके से घेरा बनाकर चलती है, तो उसे सायक्लोन कहते हैं। यह घेरेदार तूफान अपने बीच पड़ने वाली सारी चीजों को उलट-पलटकर रख देता है। अब सायक्लोन भारत के तटीय प्रदेशों के किनारों से उठने वाले तूफान के लिए उपयोग में लाया जाता है। हरिकेन और टायफून भी इसी तरह के तूफान के लिए प्रयोग में आते हैं बस जगह का अंतर है। फ्लोरिडा के तट से उठने वाला तूफान हरिकेन कहलाता है, जबकि फिलीपीन्स के तट पर आकर यह टायफून हो जाता है। हरिकेन अटलांटिक महासागर से उठता है और टायफून प्रशांत से। हरिकेन और टायफून जलीय तूफान है, जो पानी की सतह से उठते हैं, वहीं दूसरी ओर टोरनेडो जमीन पर उठने वाले तूफान को कहते हैं। वैसे हर तूफान अपने साथ बर्बादी लाता है, फिर भी हरिकेन और टायफून के मुकाबले, टोरनेडो कम बर्बादी मचाता है। अमरीका में टोरनेडो को बोलचाल की भाषा में ट्विस्टर कहते हैं।

डाक टिकटों का खजाना

डाक टिकटों का जादू बेमिसाल है। शायद ही कोई व्यक्ति हो, जो किसी न किसी दौर में इस तिलिस्म से होकर न गुजरा हो। तो चलें, खोलें कुछ रोचक रहस्य और जानें डाक टिकटों के बारे में...

डाक टिकटें सिर्फ चिट्ठियों की रसीदें नहीं हैं। इनसे बहुत से विषयों पर कई प्रकार की जानकारी मिलती है। ये अनेक देशों और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की सांझा धरोहर हैं। ये टिकटें विभिन्न देशों के इतिहास, प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृतियों की सांझा अमानत हैं। डाक टिकट खरीदना और बेचना एक व्यवसाय भी है। अमरीका में डाक टिकट इकट्ठे करना सबसे प्रसिद्ध हॉबी है। बहुत से बच्चे जिन्होंने जीवन में कभी टिकट जमा नहीं किए, शायद यह लेख पढ़ने के बाद इस शौक में डूबेंगे।

पहली डाक टिकट

1840 में इंग्लैंड में पहली डाक टिकटें 'द पैनी ब्लैक' जारी की गईं। इनका यह नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इन टिकटों की कीमत एक पैनी थी और टिकट का रंग काला था। इस टिकट पर महारानी वि टोरिया का चित्र अंकित था। 6 मई 1840 को दुनिया की सबसे पहली डाक टिकट के जन्म दिवस के तौर पर याद रखा जाता है। इसलिए इस दिन को वर्ल्ड्स फर्स्ट स्टैंप डे के तौर पर मनाया जाता है।

पहली आधुनिक डाक टिकट अमरीका द्वारा 1847 में जारी की गई। कुछ लोगों का मानना है कि इसे अमरीका के पहले पोस्ट मास्टर जनरल बैंजमिन फ्रैंकलिन ने मान्यता दी, जबकि कुछ मानते हैं कि इसे पहले राष्ट्रपति जार्ज वशिंगटन ने मान्यता दी।

स्टैंप क्लैक्शन

एक अनुमान के मुताबिक अमरीका में 20 मिलियन लोग डाक टिकट इकट्ठी करते हैं। कुछ देशों में तो डाक टिकट केवल स्टैंप क्लैक्शन के शौकीन लोगों के लिए ही जारी किए जाते हैं। इनका इस्तेमाल पत्रों पर नहीं होता। ये देश सिर्फ पैसा कमाने के लिए ही इन डाक टिकटों की छपाई करते हैं।

गलत छपाई

साल 1918 में कई डाक टिकटों पर भूलवश हवाई जहाज की उल्टी छपाई हो गई थी। उन्हें 'विचित्र जेनी' डाक टिकट के नाम से जाना जाता है। उन डाक टिकटों में से केवल 100 ही मिल पाई हैं, जोकि अमूल्य हैं।

1903 में आईलैंड के सैंट कीट्स ने डाक टिकट पर क्रिस्टोफर कोलंबस का एक चित्र अंकित किया, जिसमें उन्हें टैलिस्कोप में देखते हुए दर्शाया गया था। लेकिन इसमें भी चूक हो गई, क्योंकि टैलिस्कोप की खोज कोलंबस की मृत्यु के बाद ही हुई थी।

हूबहू चित्र

ऐसे टिकट बहुत ही कम देखने में आते हैं, जिनमें चित्र हूबहू एक हो, पर देशों के नाम अलग-अलग हों। इनमें से एक टिकट पर थाईलैंड का नाम अंकित है और दूसरे पर कैनेडा का। डाक टिकटों की दुनिया में यह एक विशेष उदाहरण है जब कैनेडा और थाईलैंड ने संयुक्त रूप से एक-से डाक टिकटों का प्रकाशन कर दो देशों के बीच सहयोग के नए दस्तावेज पर मोहर लगाई थी। कैनेडा पोस्ट के अध्यक्ष आंद्रे ओले ने इन्हें जारी करते हुए कहा था, 'ये टिकटें न केवल हमारे दोनों महान् देशों के, बल्कि दोनों देशों के डाक-विभाग के बीच अद्वितीय सहयोग की भी प्रतीक हैं। ये दोनों देशों और उनकी जनता के बीच राजदूत की भूमिका अदा करेंगी।'

मजेदार तथ्य

- एक सर्वे के मुताबिक 200 देशों में डाक टिकटों की छपाई पिछले 150 सालों से हो रही है। अलग-अलग तरह की करीब 5 लाख डाक टिकटें दुनिया भर में हर साल जारी की जाती हैं।
- 1973 में भूटान में म्यूजिक रिकॉर्ड्स जैसी डाक टिकटें जारी की गईं। ये सचमुच बहुत रोचक थीं, क्योंकि जब आप इस डाक टिकट को किसी रिकॉर्ड प्लेयर पर लगाते थे, तो यह भूटान का राष्ट्रीय गीत बजाती थी।
- फरवरी 1964 में सियरा लियोन ने पहली सैल्फ-एडहैसिव स्टैंप्स जारी की।
- डाक टिकट पर पहली व्यक्तिगत फोटो विलियम शेक्सपियर की छपी थी। इससे पहले केवल शाही लोगों के ही चित्र टिकटों पर अंकित होते थे।
- साल 1993 में अमरीका के रॉक स्टार एलविस प्रैसली की तस्वीर वाली डाक टिकट बहुत मशहूर हुईऔर उसी साल 120 मिलियन डाक टिकटें बिक गई थीं।
- ब्रिटेन एकमात्र ऐसा देश है जिसकी डाकटिकटों पर उसका नाम अंकित नहीं किया जाता।
- पैसिफिक आइलैंड टोंगा में केले के आकार की डाक टिकटें जारी की गई थीं।
- 1863 में कोलंबिया के राज्य बोलिवर ने सबसे छोटी डाक टिकट जारी की, जोकि 9.5×3.8 एमएम की थी।
- ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसी डाक टिकट जारी की गई, जो एकदम रत्न जैसी दिखती थी। इसे बनाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया। ओपेल जैसी दिखने वाली डाक टिकट 1995 में जारी की गई और 1996 में असली हीरे जैसी दिखने वाली डाक टिकटें जारी की गईं।
- स्पैशल क्रिसमस स्टैंप्स सबसे पहले 1966 में जारी की गईं, जिसकी छपाई करने वाली कंपनी रॉयल मेल हर साल 480 मिलियन स्टैंप्स तैयार करती है।
- राष्ट्रीय टिकट संग्रहालय दिल्ली में है। यहां दुनिया भर के डाक टिकटों का अनूठा संग्रह है। यह संग्रहालय डाक भवन, सरदार पटेल चौक, नई दिल्ली में स्थित है। यहां स्टैंप कलैक्शन के शौकीन दुनिया भर की टिकटें खरीद भी सकते हैं।

अजंता-एलोरा की गुफाएं

अजंता-एलोरा की गुफाएं हमारे इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट स्थित चट्टानों को काट कर बनाई गईं ये गुफाएं दुनिया भर में विख्यात हैं। अजंता औरंगाबाद से 106 किमी दूर है, तो एलोरा मात्र 26 किमी।

इन गुफाओं का वास्तुशिल्प और चित्रकला देख कर आप दंग रह जाएंगे। इसी विशेषता के कारण क़रीब डेढ हजार साल पुरानी ये गुफाएं आज भी पर्यटकों को प्रभावित करती हैं।

अजंता में कुल 29 गुफाएं हैं, जो कि नदी द्वारा निर्मित एक प्रपात के दक्षिण में स्थित हैं। इनकी नदी से ऊंचाई 35 से 110 फुट तक की है। अर्धवृत्ताकार पहाड़ी में स्थित इन गुफाओं को चट्टानें काटकर बनाया गया है। ये सभी बौद्ध धर्म को समर्पित हैं। इनमें कुछ मूर्तियां भी विद्यमान है।

एलोरा गुफाएं अपने मूर्तिशिल्पों के कारण ही प्रसिद्ध हैं। एलोरा में कुल 34 गुफाएं हैं। पत्थरों को काट कर बनाई इन गुफाओं में 12 बौद्ध धर्म से जुड़ी हैं, 5 जैन तथा शेष 17 गुफाएं हिंदू मंदिरों के रूप में हैं। एलोरा की सभी गुफाएं छठीं से 10वीं शताब्दी के मध्य बनी हैं। ये भव्य गुफाएं और यहां के मूर्तिशिल्प महान कलासाधक शिल्पियों के अथक प्रयास के परिणाम हैं।

पत्थर पर उकेरे गए जीवन के विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करते खजुराहो के देवालय आज दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। चंदेल राजाओं द्वारा इन भव्य मंदिरों का निर्माण एक हजार साल पहले करवाया गया था। उत्कृष्ट वास्तुकला और भित्तियों पर सजी सर्वोत्तम मूर्तिकला के कारण इन मंदिरों को आज विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त है। इन मंदिरों की दीवारों पर जड़ी मूर्तियां भी इनकी विश्व में ख्याति का कारण हैं।

आज यहां केवल 22 मंदिर शेष हैं। इनमें से कुछ पंचायतन, तो कुछ सप्तरथ शैली में बने हैं। इनमें मतंगश्वर मंदिर सबसे प्राचीन है। खजुराहो के मंदिर तीन हिस्सों में बंटे हैं। यहां के महत्वपूर्ण मंदिर पश्चिमी समूह में विद्यमान हैं। पूर्वी मंदिर समूह में तीन हिंदू तथा चार जैन मंदिर हैं।

सबसे बड़ी पुस्तक

म्यांमार देश में पत्थर से बनी एक विशाल पुस्तक है। यह संगमरमर से बनी हुई है। माली भाषा में लिखी इस पुस्तक में कुल 1460 पन्ने हैं। प्रत्येक पेज की लंबाई 5 फुट, चौड़ाई 3.5 तथा मोटाई आधा फुट है।

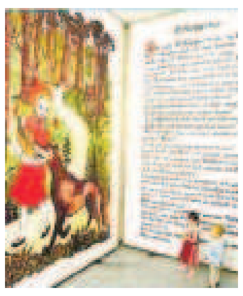

कंप्यूटर की-बोर्ड बनाने वाला

कंप्यूटर कीबोर्ड के अक्षरों की सैटिंग क्वार्टी यानी QWERTY ने की थी। अपने कंप्यूटर कीबोर्ड पर नजर डालिए। अंग्रेजी अक्षरों की पहली पक्ति के पहले छह अक्षर यही हैं।

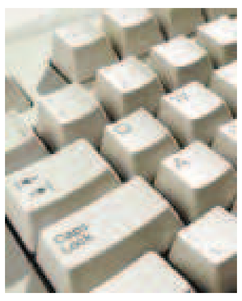

रास्ता ढूंढो

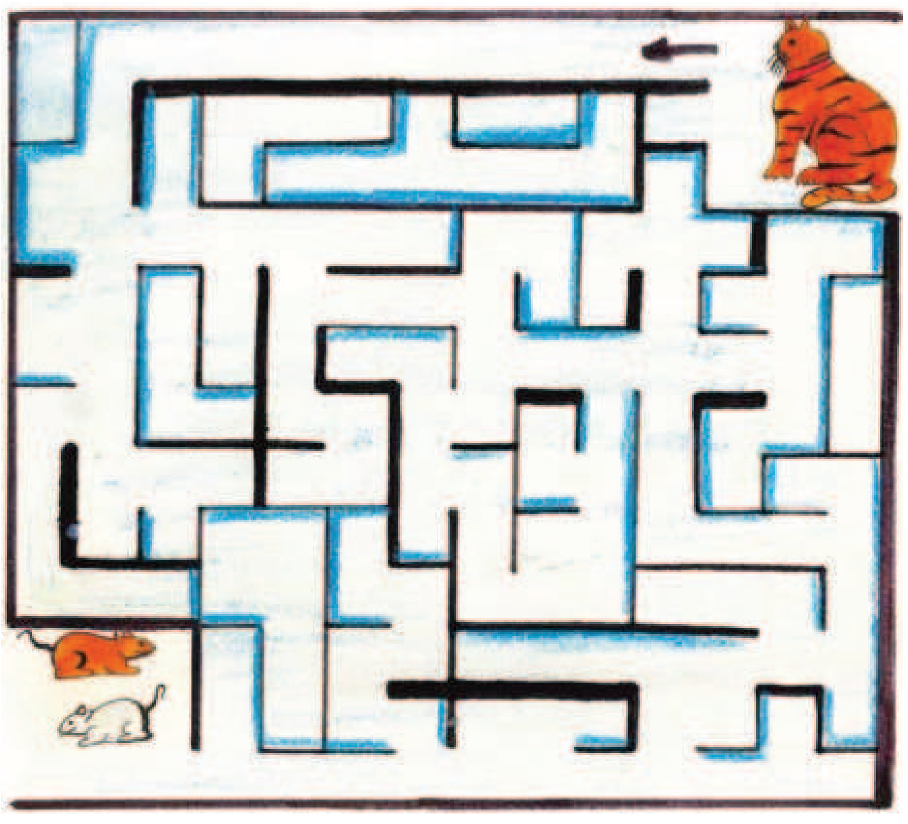

हम बताएं, आप बनाएं

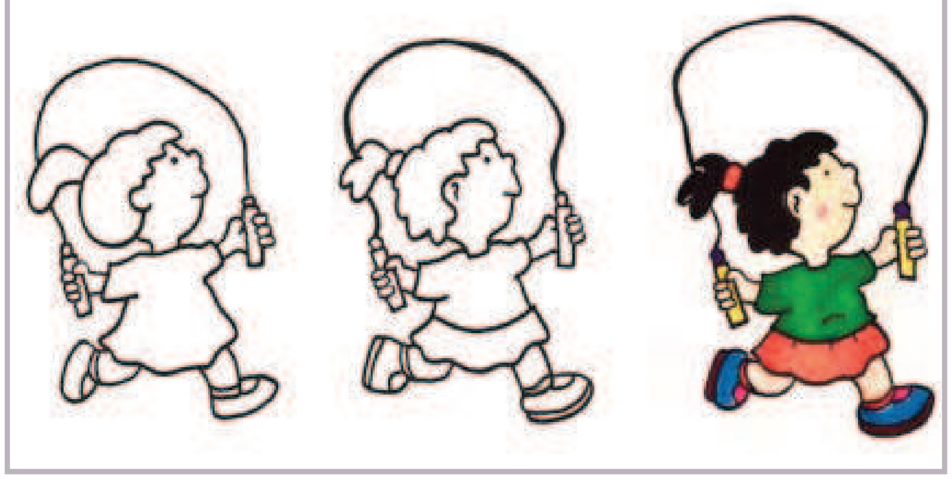

किसने बनाई कुतुबमीनार

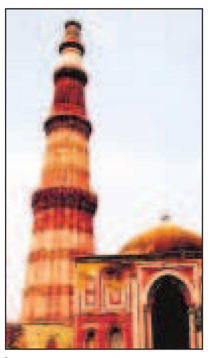

बच्चो, कुतुबमीनार के बारे में ज्यादातर लोगों में भ्रांतियां पाई जाती हैं। इसलिए इस इस प्रश्न का उत्तर ठीक से पढ़ना जरूरी है। कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 में शुरू करवाया था। पर ऐबक केवल काम शुरू ही करवा सका था कि उसकी मृत्यु हो गई। इल्तुतमिश ने जो ऐबक के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठा, इसमें तीन मंजिलें जुड़वाईं।

फिर कुतुबमीनार में आग लगने के बाद उसका पुनर्निर्माण फिरोजशाह तुगलक के समय हुआ। इस प्रश्न का उत्तर देते समय प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले जल्दबाजी में गड़बड़ कर जाते हैं। याद रहे कि काम शुरू ऐबक ने करवाया था और पूरा करवाया इल्तुतमिश ने और 1386 में मीनार को दुर्घटना के बाद दुरुस्त करवाया फिरोजशाह तुगलक ने। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि कुतुबुद्दीन ऐबक के नाम पर ही इस मीनार का नाम पड़ा, जबकि कुछ बताते हैं कि बगदाद के संत कुतुबद्दीन बख्तियार काकी के नाम पर इस मीनार का नाम कुतुबमीनार पड़ा। काकी बाद में भारत में आकर ही रहे। इल्तुतमिश इन्हें बहुत मानता था। 72.5 मीटर ऊंची यह मीनार यूनैस्को की विश्व धरोहर स्मारकों की सूची में भी शामिल है।

लघुकथाएँ

बहुरूपिया

काले भैंसे पर बैठे सजे-धजे यमराज ने मेरे दरवाजे पर जोर से आवाज लगाई, 'खबरदार मैं तुझे लेने आया हूँ। तेरी जान लूँगा।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा। अभी मैं स्वस्थ और जवान हूँ।'

वह बोला- 'तेरी माँ को ले जाता हूँ। वह बूढ़ी है?'

मैंने कहा- 'नहीं ले जाने दूँगा। उसे नाती-पोते का ब्याह, देखना है।'

वह बोला- 'तो पाँच सौ का नोट निकाल।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा।'

वो बोला 'चल महीने का आखरी दिन है, पचास का ही नोट दे।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा।'

फिर बोला- 'ला एक कटोरी देशी घी दे दे।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा। इससे तो अच्छा मेरी जान ही ले लो।'

यमराज बोले- 'जान लेने से मेरा पेट नहीं भरेगा। अच्छा तो एक कटोरी आटा ही दे दे।'

तब मैंने कहा- 'अभी लाता हूँ' और मेरे आटा देते ही वह बहुरूपिया दुआ देकर अगले घर को चला गया।

जीप का प्रचलन कैसे हुआ?

बच्चो, किसी चीज का नाम कैसे पड़ता है, यह जानना अपने आप में बहुत रौचक है। कई ऐसे शब्द हैं, जिनका प्रचनल बस यूं ही खेल-खेल में हो गया। आज हम आपको ऐसे शब्द के बारे में बताने लगे हैं, जो आपने अक्सर सुना होगा। सुना ही नहीं आपने इसे देखा भी होगा। यह शब्द है'जीप'। युवाओं की यह पसंदीदा सवारी मानी जाती है। यह शब्द कैसे अस्तित्व में आया, आइए जानें-

इसके प्रचलन में आने में कई रोचक बातें शामिल हैं। यह शब्द सबसे पहले अमरीका में प्रयोग किया गया।

जीप यानी ऐसी गाड़ी, जो आज से पहले सबसे अधिक दिखने वाले वाहनों में आती थी और जिसे आज भी लोग तथा सेना में फौजियों और सामान को लाने ले जाने में प्रयोग किया जाता है। मगर फौजियों को ढोने से पहले इसके बारे में कई रोचक बातें भी प्रचलित हुईं। जब यह अजीब-सा बक्सानुमा वाहन अपनी उत्पत्ति के दौर से गुज़र रहा था उसी दौरान यह शब्द 'जीप' अपने नए-नए अर्थों में सामने आ रहा था।

चार पहियों वाली इस आधा टन भारी गाड़ी को अमरीकी फौज के खास उद्देश्य के लिए सितंबर 1940 में तैयार किया गया, लेकिन इस के डिजाइन की तैयारी और इसके नाम की शुरुआत 30 के दशक में ही शुरू हो चुकी थी। वास्तव में इसी तरह की एक गाड़ी का डिजाइन एक टैंक कैप्टेन ने 1932 में तैयार किया था, लेकिन उसने उसका कोई नाम नहीं रखा था। उसके बाद से इस पूरे दशक में इसकी तैयारी में कम से कम तीन विभिन्न निर्माता शामिल रहे। इसी बीच शब्द जीप भी अपने विकास के चरणों से गुजरता रहा। पहले-पहल फौजी शब्दावली में इसका अर्थ 'रंगरूट' लिया गया, फिर इसे एक बेढ़ब और अनुपयुक्त या न फिट होने वाले कोट के अर्थ में लिया जाने लगा, और फिर इसे थोड़े दिनों तक पाइलटों के सहप्रशिक्ष को के लिए भी इस्तेमाल किया गया।

उसी जमाने में 16 मार्च 1936 में 'यूजीन दी जीप' (Eugene the Jeep) का पात्र पोपाइ कॉमिक्स (Popeye Comics) में शामिल किया गया। यह पात्र यूजीन देखने में यूं तो छोटा था, लेकिन वह बहुत शक्तिशाली प्राणी था, जोकि 'जीप जीप' चिल्लाया करता था। शब्द जीप की इस पृष्ठभूमि और इसके विभिन्न अर्थों में प्रयोग ने फौजी और आम जनता के इस नए वाहन को जीप का नाम दे दिया, जोकि आने वाली नई नस्ल के लिए दुनिया भर में एक ही अर्थ में प्रयोग होने वाला शब्द बन गया। दूसरे विश्व-युद्ध में अमरीकी फौजियों ने जीप और उसके अर्थ को पूरे विश्व में फैला दिया। विश्व-युद्ध के बाद जीप ने सामान्य नागरिक में अपनी पकड़ बनाई और इस डब्बे-नुमा चार पहिया वाहन (जो चारों ओर से खुला हुआ होता था) का सामान्य और जोखिम भरे कार्यों के लिए प्रयोग होने लगा। आज यह गाड़ी बहुत पसंद की जाती है। इसका प्रयोग अधिकतर भारी कामों और दुर्गम रास्तों पर अधिक होता है।

अमेरिका में अवैध घुसपैठ के खिलाफ बड़ा एक्शन, 500 से ज्यादा गिरफ्तार, एयरक्राफ्ट में बिठाकर बाहर छोड़े गए

वाशिंगटन, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका में अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में 538 से अधिक अवैध घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है। वाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लिविट ने बताया कि इनमें से सैकड़ों लोगों को अमेरिका से निष्कासित कर दिया गया है। इन लोगों को मिलिट्री एयरक्राफ्ट के जरिए देश से बाहर भेजा गया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने के लिए एक नए आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। आदेश में कहा गया है कि पिछले चार सालों में अवैध प्रवासियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। वाइट हाउस के अनुसार, इन अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना जरूरी है ताकि देश के संसाधनों का उपयोग अमेरिकी नागरिकों के हित में हो सके।

आदेश में कहा गया है, लाखों प्रवासी अवैध रूप से सीमा पार कर अमेरिका में दाखिल हुए हैं। इनमें से कई लोग कमर्शल फ्लाइट्स के जरिए आए और अब देश के विभिन्न हिस्सों में बसे हुए हैं। यह सब अमेरिका के कानूनों का उल्लंघन है। इसके अलावा, आदेश में इन प्रवासियों को राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा बताया गया है। वाइट हाउस ने दावा किया है कि इन अवैध प्रवासियों द्वारा किए गए अपराधों का निर्दोष अमेरिकी नागरिकों पर बुरा असर पड़ रहा है।

गौरतलब है कि 23 जनवरी को अमेरिकी कांग्रेस ने लेकन रिले एक्ट को मंजूरी दी थी, जिसके तहत गलत दस्तावेजों के साथ अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासियों को निष्कासित करने का प्रावधान है।

राष्ट्रपति ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद से ही अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। वाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी ने बताया कि पिछले तीन दिनों में सैकड़ों प्रवासियों को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने इसे अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा ऑपरेशन बताते हुए कहा, हमने वादा किया था कि अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, और हम अपने वादे को पूरा कर रहे हैं।

वाइट हाउस ने इस पूरे अभियान की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए भी साझा की है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियों में शामिल अफगान सुरक्षा बल के सात पूर्व सैनिक गिरफ्तार

चमन (बलूचिस्तान)। पाकिस्तान की पुलिस ने अफगानिस्तान सुरक्षा बल के सात पूर्व सैनिकों को गिरफ्तार किया है। सातों पर बलूचिस्तान के किला अब्दुल्ला जिले में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। चमन जिले के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद रियाज खान ने इसकी पुष्टि की है। चमन शहर की सीमा अफगानिस्तान के पड़ोसी कंधार प्रांत से लगती है। डिप्टी कमिश्नर खान ने दावा किया कि इनको खुफिया जानकारी पर एक घर से दबोचा गया। इनके आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के साथ इलाके में चोरी और डकैती की घटनाओं में भी शामिल होने का संदेह है। इनके पास हथियार और नशीले पदार्थ बरामद हुए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले साल दिसंबर में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम और उत्तरी वजीरिस्तान जिलों में अफगान तालिबान और आतंकियों के दो सीमा पार हमलों को विफल कर दिया था। लगभग 25 आतंकवादियों ने अफगान तालिबान सीमा चौकियों का उपयोग करते हुए अफगानिस्तान की ओर से पाकिस्तान में घुसने का प्रयास किया था।

ट्रंप का आदेशः गल्फ ऑफ मेक्सिको अब कहलाएगा गल्फ ऑफ अमेरिका

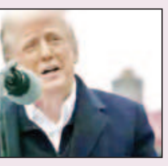

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति बनते ही ट्रंप ने पहले अवैध प्रवासियों को देश से निकालने के लिए कानून, मैक्सिको बॉर्डर पर अवैध घुसपैठ रोकने के लिए सेना के जवानों की तैनाती, कनाडा पर 25 प्रतिशत टैरिफ और अब उन्होंने अपने वादे के अनुसार उन्होंने गल्फ ऑफ मैक्सिको का नाम बदलकर वादा पूरा किया है। जी हांज 'गल्फ ऑफ मैक्सिको' अब 'गल्फ ऑफ अमेरिका' के नाम से जाना जाएगा। ट्रंप प्रशासन ने शनिवार को इस पर मुहर लगा दी है। ट्रंप के ऑफिस की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, 'राष्ट्रपति के निर्देशानुसार, मैक्सिको की खाड़ी अब आधिकारिक तौर पर गल्फ ऑफ अमेरिका के नाम से जानी जाएगी। उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी का नाम एक बार फिर माउंट मैकिनले होगा।' अलास्का की सबसे ऊंची चोटी को पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति विलियम मैककिनले के सम्मान में माउंट मैककिनले कहा जाता था, लेकिन राज्य के अनुरोध पर 1975 में इसका नाम बदलकर डेनाली कर दिया गया था। इसका अर्थ 'कोयुकोन' स्वदेशी भाषा में 'लंबा' है।

दावोस में बोलीं स्मृतिः महिलाओं के लिए बिना जोखिम के लाभ देने वाला है निवेश

दावोस। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2025 के दौरान बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कई अहम मुद्दों पर अपनी राय रखी। स्मृति ईरानी ने कहा, महिलाओं और इक्विटी के लिए हमेशा फिलांथ्रॉपिक केस बनाया गया है, लेकिन अब इसे बिजनेस केस बनाना जरूरी है। कंपनियों और संस्थानों को यह समझाना होगा कि महिलाओं में निवेश प्रॉफिटेबल है और ये किसी तरह का क्रेडिट रिस्क नहीं है। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में चार हजार पांच सौ विदेशी प्रतिनिधि भारत आए और यहां महिलाओं से जुड़े बिजनेस मॉडल को देखा। अब इस मॉडल को दुनियाभर में ले जाने की योजना है। दावोस में बातचीत में स्मृति ईरानी ने अलायंस फॉर ग्लोबल गुड के जरिए महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि किस तरह से यह गठबंधन दुनिया भर में महिलाओं के लिए बेहतर अवसर और बदलाव ला रहा है। उन्होंने बताया कि इस साल भारत में 250 जगहों पर 1 लाख वीमेन-ओन्ड बिजनेस को सपोर्ट करने की योजना है। इन महिलाओं को फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स से जोड़कर कैपिटल कैपेसिटी बढ़ाने, नेशनल और ग्लोबल मार्केट्स के स्टैंडर्ड्स को समझने और सर्टिफिकेशन पाने में मदद दी जाएगी। स्मृति ईरानी ने बताया कि अगले साल ये प्रोग्राम अफ्रीका के 21 देशों में ले जाया जाएगा। सेक्रेटेरिएट के साथ मिलकर इस योजना पर काम किया जाएगा। स्मृति ईरानी ने यह भी कहा कि अगर महिलाओं के हेल्थ इश्यूज को नजरअंदाज किया गया तो 2030 तक ग्लोबल इकोनॉमी को 15 ट्रिलियन डॉलर का प्रोडक्टिविटी लॉस होगा। उन्होंने बताया कि अमेरिका में कंपनियों ने पाया है कि मेनोपॉज के कारण प्रोडक्टिविटी लॉस 2 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। दावोस में स्मृति ईरानी ने भारतीय इनोवेटर्स की एक लिस्ट बिल गेट्स को दी और भरोसा जताया कि इनमें से कुछ लोगों को ग्लोबल प्लेटफॉर्म्स पर बड़ा मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, इंडियंस को उन कमरों में जाना चाहिए जहां उनकी आवाज नहीं पहुंचती और उनकी आवाज उन तक पहुंचानी चाहिए।

चीन के नागरिकों को पाकिस्तान में सताती है पुलिस पहुंचे कोर्ट, आईजी का दावा, एक भी शिकायत नहीं

कराची, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देने वाले चीन के नागरिकों ने सिंध हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटा कर पुलिस पर जबरन वसूली और परेशान करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस पर सिंध के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) गुलाम नबी मेमन ने चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि सिंध प्रांत में जबरन वसूली के खिलाफ चीन के किसी भी नागरिक ने शिकायत नहीं दर्ज कराई है।

आईजी मेमन का बयान सिंध हाई कोर्ट में दायर याचिका के बाद आया है। चीन के कारोबारियों ने याचिका में कराची पुलिस के अधिकारियों पर कथित उत्पीड़न और जबरन वसूली करने का आरोप लगाया है। साथ ही हाई कोर्ट से सुरक्षा की मांग की है। याचिका दायर करने वालों में चीन के कई निवेशक भी शामिल हैं। उन्होंने स्थानीय पुलिस में रिश्वत संस्कृति पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके पास प्रांत छोड़ने या अपने वतन लौटने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचेगा।

मेमन ने बचाव में कहा कि सुरक्षा चिंताओं के कारण चीन के नागरिकों की आवाजाही को काफी हद तक प्रतिबंधित किया। पुलिस सिंध में रहने वाले विदेशियों की सुरक्षा से संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को सख्ती से लागू करने के लिए बाध्य है। उन्होंने कहा कि सिंध पुलिस सभी विदेशी नागरिकों विशेषकर चीन के लोगों की सुरक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

याचिका में चीन के कारोबारियों ने कहा कि एयरपोर्ट से लेकर उनके आवास तक पुलिस अधिकारी रिश्वत की मांग करते हैं। बुलेटप्रूफ वाहनों की व्यवस्था के नाम पर उन्हें हवाईअड्डे पर घंटों इंतजार कराया जाता है। पुलिस अधिकारी रिश्वत लेने के बाद उन्हें अपने वाहनों से आवास तक पहुंचाते हैं। चीन के निवेशकों ने कहा कि उन्हें स्वतंत्र आवाजाही और व्यापारिक बैठकें आयोजित करने के अधिकार से वंचित कर दिया गया है। याचिका में आंतरिक मंत्रालय, मुख्य सचिव, आईजी, सीपीईसी सुरक्षा, मालिर जिला पुलिस के अधिकारी, चीनी दूतावास और अन्य को पक्षकार बनाया गया है। हाई कोर्ट ने सिंध आईजी और अन्य से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

नेपाल में हिन्दी को सरकारी कामकाज की भाषा बनाने वाला विधेयक विरोध के बाद वापस लिया

काठमांडू। नेपाल के मधेश प्रदेश में हिंदी को सरकारी कामकाज की भाषा बनाने वाला विधेयक कम्युनिष्ट दलों के विरोध के बाद वापस ले लिया गया है। मधेश प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश सभा की बैठक में सरकारी कामकाज की भाषा में नेपाली, मैथिली, भोजपुरी के अलावा हिंदी भाषा को भी समावेश करने के लिए एक विधेयक पेश किया था। प्रदेश की संस्कृति मंत्री रानी शर्मा ने बुधवार को सदन पेश किया था। सरकारी कामकाज की भाषा में हिंदी को समावेश किए जाने के विरोध में नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी एमाले, माओवादी, एकीकृत समाजवादी सहित अन्य दलों ने विरोध किया। सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल एमाले और विपक्ष में रहे माओवादी और एकीकृत समाजवादी के द्वारा दो दिनों तक सदन को अवरुद्ध रखा गया। सत्तापक्ष के विधायकों का इस विधेयक का विरोध करने के बाद सरकार ने इसे वापस लेने का फैसला किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री सतीश सिंह ने कहा कि सभी दलों की सहमति के बाद इसे दोबारा लाने पर विचार किया जाएगा। शुक्रवार को प्रदेश की संस्कृति मंत्री रानी शर्मा ने सदन की बैठक में इस विधेयक को वापस लेने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा नेपाल की ही संपर्क भाषा है। और इस प्रदेश में शत प्रतिशत लोग हिंदी बोलते और समझते हैं इसलिए इसे सरकारी कामकाज की भाषा में समावेश करने का प्रस्ताव किया गया था लेकिन हिन्दी को लेकर वामपंथी दलों के विरोध के बाद इसे वापस लिया जा रहा है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन बोले यूक्रेनी मुद्दों पर बातचीत के लिए तैयार

मास्को, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि मास्को यूक्रेन मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि हमने हमेशा यह कहा है और मैं एक बार फिर इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि हम यूक्रेनी मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार हैं। इस बीच रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि कुछ मुद्दों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। एक समाचार एजेंसी के अनुसार उन्होंने याद दिलाया कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने पहले ही इस तरह की बातचीत पर रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया था।

पुतिन ने सवाल किया, अब वार्ता कैसे बहाल हो सकती है, जब उन पर (वार्ता) प्रतिबंध लगा दिया गया है उन्होंने कहा कि यदि वार्ता बहाल होती है, तो यूक्रेन के वर्तमान कानूनी

राष्ट्रपति ने कहा, कुछ मुद्दों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता

ढांचे के तहत यह अवैध होगी। पुतिन ने कहा कि जब तक यह आदेश लागू रहेगा, तब तक इस बारे में बात करना मुश्किल होगा कि क्या ये बातचीत शुरू हो सकती हैं या नहीं, या क्या वार्ता ठीक से पूरी हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कुछ शुरुआती चर्चा तो हो सकती हैं, लेकिन यूक्रेनी पक्ष की ओर से मौजूदा प्रतिबंध को देखते हुए गंभीर बातचीत मुश्किल होगी। रूसी नेता ने कहा कि जेलेंस्की को बातचीत पर प्रतिबंध लगाने वाले आदेश को हटाने और अपने प्रायोजकों के आदेशों का पालन करने की कोई जल्दी नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग कीव को फंड दे रहे हैं, उन्हें यूक्रेनी नेता पर ऐसा करने के लिए दबाव डालना चाहिए। दावोस में हाल ही में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में अपने भाषण के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि रूस और यूक्रेन के बीच शांति को लेकर अमेरिका गंभीर है और उसे उम्मीद है कि शांति प्रयास किए जा रहे हैं। इस बीच क्रेमलिन प्रवक्ता ने कहा कि मास्को वाशिंगटन के साथ परमाणु निरस्त्रीकरण वार्ता के लिए तैयार है।

इजरायली हमले का निरीक्षण करते फिलिस्तीनी

इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में जेनिन के पास एक कार पर हुए घातक इजरायली हमले के स्थल का निरीक्षण करते फिलिस्तीनी लोग।

ट्रंप पहुंचे लॉस एंजिल्स, आग प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया गवर्नर न्यूसम को हर तरह की मदद का दिया भरोसा

लॉस एंजिल्स, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप शुक्रवार दोपहर वायुसेना के विशेष विमान से लॉस एंजिल्स पहुंचे। राष्ट्रपति का यहां पहुंचने पर कैलिफोर्निया के गवर्नर और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता गेविन क्रिस्टोफर न्यूसम ने स्वागत किया। इसके बाद ट्रंप ने आग प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। राष्ट्रपति पैसिफिक पैलिसेड्स के तटीय लॉस एंजिल्स काउंटी में आग प्रभावित क्षेत्र में हुई तबाही को देखकर अवाक रह गए।

ट्रंप ने लॉस एंजिल्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टरमैक के पास इंतजार कर रहे पत्रकारों को संबोधित करने से पहले गवर्नर न्यूसम से संक्षेप में बात की। ट्रंप ने न्यूसम को हर तरह की मदद देने का भरोसा दिया। उन्होंने गर्मजोशी से स्वागत के लिए न्यूसम की प्रशंसा भी की। गवर्नर न्यूसम ने कहा कि आग प्रभावित क्षेत्र में भारी तबाही हुई है। इसकी भरपाई बिना सरकारी के मदद के संभव नहीं है। ट्रंप ने कहा कि हर तरह की संघीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। संघीय सरकार पूरी तरह साथ में खड़ी है।

लॉस एंजिल्स में ट्रंप से मिलने वाले अन्य नेताओं में ऑरेंज काउंटी रिपब्लिकन प्रतिनिधि यंग किम प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि संघीय सहायता में कमी नहीं आने दी जाएगी। पहले ही राहत के रूप में 2.5 बिलियन डॉलर के पैकेज की घोषणा की जा चुकी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह वक्त दलीय भावना से ऊपर उठकर काम करने का है। प्रथम महिला और वह कैलिफोर्निया के लोगों से बेपनाह मोहब्बत करते हैं। अपने दौरे के दौरान ट्रंप ने लॉस एंजिल्स में दमकल विभाग और कानून प्रवर्तन अधिकारियों से भी बातचीत की। वह आग की विभीषिका में सब कुछ गंवा बैठे लोगों से भी मिले। उन्होंने सभी को मदद का आश्वासन दिया। राष्ट्रपति ने मेयर करेन बास, काउंटी पर्यवेक्षक कैथरीन बार्गर और अन्य अधिकारियों के साथ आग की विभीषिका पर चर्चा की। इस दौरान काउंसिल वूमन ट्रैसी पार्क ने कहा कि संघीय सरकार अब निवासियों को घर लौटने की अनुमति दे।

व्हाइट हाउस ने भारतीय-अमेरिकी पूर्व पत्रकार कुश देसाई को सौंपी अहम जिम्मेदारी

वाशिंगटन, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में व्हाइट हाउस ने भारतवंशियों पर अटूट भरोसा जताया है। व्हाइट हाउस की 24 जनवरी को की गई अहम घोषणा इसकी तसदीक करती है। व्हाइट हाउस ने भारतीय-अमेरिकी पूर्व पत्रकार कुश देसाई को उप प्रेस सचिव के पद पर नियुक्त करने की घोषणा की है।

देसाई इससे पहले रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन-2024 के लिए उप संचार निदेशक और आयोवा की रिपब्लिकन पार्टी के संचार निदेशक के रूप में काम कर चुके हैं। ट्रंप ने तीन भारवंशियों को बड़े पदों पर नियुक्त किया है। इसमें कुश देसाई के अलावा रिकी गिल और सौरभ शर्मा शामिल हैं। रिकी गिल को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद और सौरभ को राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय में नियुक्ति मिली है। ट्रंप के अमेरिका के स्विंग स्टेट ऑफ यूएसए में क्लीन स्विप करने में कुश देसाई का बड़ा योगदान है। भारतीय मूल के कुश देसाई ने रिपब्लिकन नेशनल कमेटी में डिप्टी बैटल ग्राउंड स्टेट्स और पेंसिल्वेनिया कम्युनिकेशंस डायरेक्टर के पद भी काम किया है। माना जाता है देसाई के बैटल ग्राउंड स्टेट्स में संदेश और नैरेटिव डेवलपमेंट ने ट्रंप की जीत में अहम भूमिका निभाई है। व्हाइट हाउस के संचार कार्यालय की देखरेख व्हाइट हाउस के उप चीफ ऑफ स्टाफ और कैबिनेट सचिव टेलर बुडोविच करेंगे। ट्रंप इससे पहले राष्ट्रपति के सहायक और व्हाइट हाउस संचार निदेशक स्टीवन चेउंग और राष्ट्रपति की सहायक और प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट की नियुक्ति का ऐलान कर चुके हैं।

बताया गया है कि रिकी गिल नई भूमिका में आने से पहले ट्रंप के पहले प्रशासन में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में रूस और यूरोपीय ऊर्जा सुरक्षा के निदेशक और विदेश विभाग में विदेशी भवन परिचालन ब्यूरो में सीनियर एडवाइजर के तौर पर काम कर चुके हैं। बेंगलुरु में जन्मे सौरभ शर्मा अमेरिकन मोमेंट के सह-संस्थापक और अध्यक्ष हैं।

ट्रंप की टीम में भारतवंशी

डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारतवंशियों को खास तवज्जो दी गई है। विवेक रामास्वामी को सरकारी दक्षता विभाग में एलन मस्क के साथ अहम जिम्मेदारी दी गई है। तुलसी गबार्ड को ट्रंप ने राष्ट्रीय खुफिया निदेशक की जिम्मेदारी दी है। वह हिंदू हैं लेकिन भारत से उनका कोई सीधा संबंध नहीं है। काश पटेल को एफबीआई निदेशक बनाया गया है। हरमीत के. ढिल्लो को सहायक अटार्नी जनरल (नागरिक अधिकारों के लिए) नियुक्त किया गया है। जय भट्टाचार्य को राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान का निदेशक बनाया गया है। कोलकाता में जन्मे जय ने कोरोना प्रतिबंधों पर कड़ा विरोध दर्ज किया था। श्रीरामकृष्णन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वरिष्ठ नीति सलाहकार बनाया गयाहै। श्रीरामकृष्णन भारतीय-अमेरिकी उद्यमी और लेखक हैं।

स्मृति मंधाना, ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 टीम ऑफ द ईयर में शामिल

दुबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)।

तीन भारतीय क्रिकेटरों को पिछले कैलेंडर वर्ष में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए शनिवार को आईसीसी महिला टी 20 आई टीम ऑफ द ईयर 2024 में चुना गया है। इन तीन खिलाड़ियों में सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना, विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा शामिल हैं।

स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डीवाई पाटिल स्टेडियम में 54 रनों की शानदार पारी खेलकर साल की शुरुआत की। अपनी निरंतरता के प्रमाण के रूप में, मंधाना ने साल का समापन भी इसी तरह से किया, घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार तीन अर्धशतक बनाए, जिससे इस प्रारूप में उनकी विश्वसनीयता और भी बढ़ गई। उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें आईसीसी महिला टी20आई बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया।

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष बेहद आक्रामक तरीके से रन बनाने की अपनी क्षमता के लिए जानी जाती हैं। घोष को जब भी बल्लेबाजी का मौका मिला, वह धमाकेदार फॉर्म में रहीं, उन्होंने दांबुला में यूएई के खिलाफ 29 गेंदों पर 220.68 की अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से 64* रन बनाए। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने 2024 में 156.65 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट बनाए रखी, जिसमें एक और तेज अर्धशतक शामिल था, जो उन्होंने डीवाई पाटिल स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाए, इस मैच में उन्होंने सिर्फ 21 गेंदों पर 54 रन की तेज पारी खेली।

दीप्ति शर्मा ने अपनी विश्वसनीय बल्लेबाजी और बेहतरीन गेंदबाजी से भारत के लिए अहम भूमिका निभाते हुए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। 2024 में टी20आई मैचों में उन्होंने 17.80 की औसत और 6.01 की इकॉनमी रेट से 30 विकेट लिए। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने लगभग हर मैच में विकेट हासिल किए, जिसमें नेपाल के खिलाफ दांबुला में 4 ओवर में 3/13 और महिला एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ 4 ओवर में 3/20 जैसे शानदार प्रदर्शन शामिल हैं, जिससे टीम में उनकी जगह पक्की हो गई।

आईसीसी महिला टी20 आई टीम ऑफ द ईयर 2024: लॉरा वोल्वार्ड्ट, स्मृति मंधाना, चमारी अटापट्टू, हेले मैथ्यूज, नैट साइवर-ब्रंट, मेली केर, ऋचा घोष, मारिजान कप्प, ओरला प्रेंडरगैस्ट, दीप्ति शर्मा और सादिया इकबाल।

न्यूज ब्रीफ

केआईडब्ल्यूजी 2025 का आयोजन स्थल गुपुक्स, जहां बर्फ और खेलों का होगा अद्भुत संगम

लेह। लद्दाख का गुपुक्स क्षेत्र, जहां कभी शुरुआती खिलाड़ी अपने स्केटिंग की शुरुआत करते थे, अब

राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों का केंद्र बन चुका है। यह स्थान एक प्राकृतिक तालाब से विकसित होकर एक मानक आइस रिंक में बदल चुका है, जहां खेलो इंडिया शीतकालीन खेल (केआईडब्ल्यूजी 2025) जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन होते हैं। लद्दाख में गर्मियों के मौसम में पर्यटकों की बड़ी संख्या देखी जाती है, लेकिन जैसे ही ठंड का मौसम आता है, अधिकांश पर्यटक-आधारित प्रतिष्ठान बंद हो जाते हैं, और बाहरी गतिविधियाँ भी सीमित हो जाती हैं। इसके बावजूद, गुपुक्स सर्दियों में लद्दाख का खेल का मैदान बन जाता है। यहां विभिन्न आकारों के आइस स्केट्स किराए पर उपलब्ध होते हैं, और खाने-पीने के लिए फ़ूड ट्रक भी लगाए जाते हैं। यहां का जमे हुआ तालाब एक विशाल आइस रिंक के रूप में बदल जाता है, जो स्केटिंग के शौकियों को आकर्षित करता है। यह स्थान न केवल बच्चों के लिए, बल्कि बड़ों के लिए भी एक आदर्श स्थल बन चुका है, जहां वे बर्फ पर स्केटिंग का आनंद ले सकते हैं। माता-पिता यहां अपने बच्चों को स्केटिंग का अनुभव देने लाते हैं, और इस दौरान गुपुक्स वास्तव में लद्दाख का दिल बन जाता है। गुपुक्सः शौकिया से पेशेवर खिलाड़ी बनने का स्थल गुपुक्स वह स्थल है जहाँ शौकिया खिलाड़ी पेशेवर स्तर तक पहुँचते हैं। लद्दाख के विभिन्न क्षेत्रीय टीमें यहां टूर्नामेंट और लीग के लिए अभ्यास करती हैं, साथ ही भारतीय सेना भी अपने खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए एक अलग आइस रिंक बनाए रखती है। पिछले कुछ वर्षों में, गुपुक्स ने भारतीय राष्ट्रीय आइस हॉकी टीम को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लद्दाख से आइस हॉकी टीम के 97प्रतिशत पुरुष और 98प्रतिशत महिला खिलाड़ी गुपुक्स में अपने कौशल को निखार चुके हैं और इसे अपनी सफलता का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं। गुपुक्स, विशेष रूप से सर्दियों के महीनों में, लद्दाख में बाहरी गतिविधियों का केंद्र बन जाता है, जहां खिलाड़ी अपने सपनों को साकार करते हैं और शीर्ष पर पहुँचने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। यहाँ का प्राकृतिक रिंक,

मंदिरी अंडर-20 चैलेंज सीरीज के लिए एआईएफएफ टीम में सुदेवा दिल्ली एफसी के तीन खिलाड़ी चयनित

नई दिल्ली। प्रतिष्ठित मंदिरी अंडर-20 चैलेंज सीरीज के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ

(एआईएफएफ) की 23 सदस्यीय टीम में सुदेवा दिल्ली एफसी के तीन मौजूदा खिलाड़ियों का चयन हुआ है। क्लब ने शुक्रवार को उक्त घोषणा की। सुदेवा दिल्ली एफसी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, यह पूरे सुदेवा परिवार के लिए गर्व का क्षण है, क्योंकि चयनित खिलाड़ी – फॉरवर्ड मोहम्मद जुल्किफ, मिडफील्डर मोहम्मद समी और जाजो प्रशान – भारत में फुटबॉल प्रतिभाओं को विकसित करने और मिशन विश्व कप 2030 के प्रति सुदेवा के समर्पण का प्रमाण हैं। इन मौजूदा खिलाड़ियों के अलावा, सुदेवा के दो पूर्व छात्र, जो प्रमुख क्लबों के लिए खेलने के लिए आगे बढ़े हैं, ने भी टीम में अपनी जगह बनाई है। गोलकीपर करण मक्कर वर्तमान में जमशेदपुर एफसी के साथ और डैनी मीतेई लैशराम, मिडफील्डर वर्तमान में नॉर्थ-ईस्ट यूनाइटेड के साथ हैं, जो अकादमी के व्यापक प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों के स्थायी प्रभाव को प्रस्तुत करते हैं।

मुंबई सिटी एफसी ने स्पेनिश अटैकर जॉर्ज ऑर्टिज से किया करार

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने स्पेनिश अटैकर जॉर्ज ऑर्टिज के साथ करार किया है। स्पेन के विलाकैनास से

आने वाले ऑर्टिज 2025-2026 सीज़न के लिए मुंबई सिटी एफसी में शामिल होंगे और अपने अनुभव और गुणवत्ता को टीम में लाने की कोशिश करेंगे। गेटाफे सीएफ की युवा प्रणाली के उत्पाद, ऑर्टिज़ ने स्पेन में एक प्रभावशाली करियर बनाया है, जिसमें एटलेटिको मैड्रिड बी के साथ एक स्पेल भी शामिल है। 2022 में, वह शेन्ज़ेन पेंग सिटी में शामिल हो गए, जहाँ उन्होंने 2022-2023 तक चाइना लीग वन में खेला और 2024 में चीनी सुपर लीग में भाग लिया, जिसमें 56 मैचों में कुल 15 गोल और 11 सहायता दर्ज की गई। ऑर्टिज एएफसी स्तर पर भी अनुभव लाते हैं, 2021 एएफसी चैंपियंस लीग में प्रमुखता से शामिल हुए और स्कोरिंग की। आईएसएल में ऑर्टिज ने 14 गोल और 8 सहायता के साथ 36 मैच खेले हैं। वर्तमान इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सीज़न के महत्वपूर्ण मोड़ पर उनके हस्ताक्षर से आइलैंडर्स की टीम मजबूत होगी।

रोहित, पांड्या, बुमराह, अर्शदीप आईसीसी पुरुष टी20 टीम ऑफ द ईयर में शामिल

दुबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

रोहित शर्मा को आईसीसी पुरुष टी20आई टीम ऑफ द ईयर का कप्तान चुना गया है, जबकि हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह भी अपने कप्तान के साथ स्टार खिलाड़ियों से सजी इस टीम में शामिल हैं।

रोहित की कप्तानी में भारत ने पिछले साल बारबाडोस में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था, जिसके बाद उन्होंने इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी थी। भारतीय तेज गेंदबाजों की तिकड़ी भी विजेता टीम का हिस्सा थी।

अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने अपनी बल्लेबाजी का हुनर ??दिखाया और 11 मैचों में 42.00 की शानदार औसत और 160 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 378 रन बनाए। रोहित ने टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने तीन अर्धशतक लगाए, इसमें सुपर आठ चरण में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रनों की विस्फोटक पारी भी शामिल है।

अपनी बल्लेबाजी के अलावा, रोहित के नेतृत्व ने दबाव भरे क्षणों में एक युवा भारतीय टीम का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनके नेतृत्व ने सुनिश्चित किया कि वह वर्ष उनके देश के लिए यादगार रहे।

हार्दिक पांड्या ने 2024 में शानदार प्रदर्शन के साथ सबसे छोटे प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की, जिससे वह आईसीसी पुरुष टी20आई ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए।

17 मैचों में 352 रन बनाने और 16 विकेट लेने वाले पांड्या का योगदान भारत के लिए एक सफल वर्ष में महत्वपूर्ण था, जिसने उन्हें 20 ओवर के प्रारूप में विश्व चैंपियन का ताज पहनाया।

31 वर्षीय पांड्या ने यूएसए और वेस्टइंडीज में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने बल्ले से 144 रन बनाए, साथ ही 11 विकेट भी लिए, जिसमें फाइनल में प्रोटियाज के खिलाफ अंतिम ओवर में 16 रन बचाकर भारत को जीत दिलाना भी शामिल है। इस खेल में उन्होंने 2024 में 3/20 के अपने सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ चमक भी दिखाई।

ऑलराउंडर ने बल्ले से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

बांग्लादेश के खिलाफ ग्रुप-स्टेज में किया, जिसके खिलाफ उन्होंने नाबाद 50 रन बनाए।

भारत के तेज गेंदबाज बुमराह की 2024 में टी20 क्रिकेट में वापसी शानदार रही, क्योंकि दाएं हाथ के तेज गेंदबाज की सटीक यॉर्कर और डेथ ओवरों में महारत भारत के खिताब जीतने के अभियान में महत्वपूर्ण रही। उन्होंने आठ मैचों में 8.26 की जबरदस्त औसत से 15 विकेट लिए।

विश्व कप से परे, बुमराह की सभी प्रारूपों में निरंतरता ने विश्व क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में उनकी स्थिति की पुष्टि की। बुमराह आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर के रूप में सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी के लिए नामांकित होने की दौड़ में हैं।

दूसरी ओर, अर्शदीप 2024 में भारत के सबसे सफल गेंदबाज थे, जिन्होंने 18 मैचों में 13.50 के प्रभावशाली औसत से 36 विकेट लेकर वर्ष का समापन किया और उन्हें दुनिया के आठवें सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाज का दर्जा दिया। उनका असाधारण प्रदर्शन टी20 विश्व कप में आया, जिसमें उन्होंने आठ मैचों में 17 विकेट लेकर टूर्नामेंट में दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

अपनी सटीकता और संयम के लिए जाने जाने वाले अर्शदीप ने डेथ ओवरों में बेहतरीन प्रदर्शन किया, अक्सर भारत के पक्ष में खेल को मोड़ दिया, और गेंद को जल्दी स्विंग करने और अंत में पिन-पॉइंट यॉर्कर करने की उनकी क्षमता ने उन्हें टी-20 क्रिकेट में एक संपूर्ण पैकेज बना दिया।

गेंद के साथ उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन टी20 विश्व कप में सह-मेजबान यूएसए के खिलाफ आया, जहां उन्होंने 4/9 के शानदार स्पेल से उन्हें ध्वस्त कर दिया। 2024 में अर्शदीप के उदय ने उन्हें व्यापक मान्यता दिलाई, जिसमें आईसीसी पुरुष टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए नामांकन भी शामिल है।

आईसीसी पुरुष टी20 टीम ऑफ द ईयर इस प्रकार है-

रोहित शर्मा (कप्तान), ट्रैविस हेड, फिल साल्ट, बाबर आजम, निकोलस पूरन, हार्दिक पांड्या, सिकंदर रजा, राशिद खान, वानिंदु हसरंगा, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह।

रणजी ट्रॉफीः शार्दुल ठाकुर का शतक बेकार, जम्मू-कश्मीर ने मुंबई को 5 विकेट से हराया

मुंबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

रणजी ट्रॉफी के रोमांचक मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने शनिवार को शरद पवार क्रिकेट अकादमी में खेले गए मैच में मुंबई को 5 विकेट से हराकर यादगार जीत दर्ज की। मुंबई की पहली पारी में खराब शुरुआत मुंबई के कप्तान अजिंक्या रहाणे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। हालांकि, उनकी टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सिर्फ 47 रनों पर टीम ने अपने सात प्रमुख बल्लेबाजों को गंवा दिया। यशस्वी जायसवाल (4), रोहित शर्मा (3), अजिंक्या रहाणे (12), और श्रेयस अय्यर (11) जैसे नामी बल्लेबाजों के फ्लॉप शो के बाद शार्दुल ठाकुर (51) और तनुश कोटियन (26) ने पारी को संभालते हुए टीम को 120 के स्कोर तक पहुंचाया।

जम्मू-कश्मीर की तरफ से उमर नजीर और युद्धवीर सिंह ने 4-4 विकेट झटके, जबकि आकिब नबी ने 2 विकेट लिए। जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में बढ़त हासिल की जवाब में जम्मू-कश्मीर ने शुभम खजुरिया (53), आबिद मुश्ताक (44), और यावर हसन (29) की पारियों की मदद से 206 रन बनाए और 86 रनों की अहम बढ़त हासिल की। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। शार्दुल ठाकुर और शम्स मुलानी ने 2-2 विकेट लिए। मुंबई की दूसरी पारीः शार्दुल ठाकुर का शतक दूसरी पारी में मुंबई ने बेहतर शुरुआत की। यशस्वी जायसवाल (26) और रोहित शर्मा (28) ने पहले विकेट के लिए 54 रन जोड़े। हालांकि, इसके बाद टीम का मध्यक्रम फिर लड़खड़ा गया और 101 के कुल स्कोर तक 7 विकेट गिर गए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर (119) और तनुश कोटियन (62) ने आठवें विकेट के लिए 184 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी ने मुंबई को 290 के स्कोर तक पहुंचाया और जम्मू-कश्मीर के सामने जीत के लिए 205 रनों का लक्ष्य रखा। जम्मू-कश्मीर के लिए आकिब नबी ने 4 और युद्धवीर सिंह ने 3 विकेट झटके। जम्मू-कश्मीर ने दूसरी पारी में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर ने शुभम खजुरिया (45) और यावर हसन (24) की सधी हुई शुरुआत की।

भारत ने इंग्लैंड को दूसरे टी20 मैच में दो विकेट से हराया, तिलक ने बनाए नाबाद 72 रन

चेन्नई, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय टीम ने तिलक वर्मा की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर इंग्लैंड को दूसरे टी20 मुकाबले में दो विकेट से हराया और पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 165 रन बनाए थे। जवाब में तिलक ने 55 गेंदों पर चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 72 रनों की पारी खेली जिसकी मदद से भारत ने 19.2 ओवर में आठ विकेट पर 166 रन बनाकर मैच जीता। भारत के लिए तिलक के अलावा वॉशिंगटन सुंदर ने 19 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाए, जबकि नौवें बल्लेबाज के रूप में उतरे रवि बिश्नोई पांच गेंदों पर नौ रन बनाकर

नाबाद लौटे।

इंग्लैंड के लिए ब्राइडन कार्से ने तीन विकेट लिए और टीम को जीत दिलाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन तिलक की पारी के सामने उनका यह प्रयास सफल नहीं हो सका। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, आदिल राशिद, जैमी ओवरटन और लियाम लिविंगस्टोन ने एक-एक विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने पांच विकेट 78 रन पर गंवा दिए थे, लेकिन तिलक ने वॉशिंगटन के साथ साझेदारी कर टीम को उबारने की कोशिश की। वॉशिंगटन के आउट होने के बाद तिलक ने मोर्चा संभाला और जिम्मेदारी भरी पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को बल्लेबाजी का न्योता दिया, लेकिन पहले टी20 की तरह चेन्नई में भी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हालांकि, बटलर ने एक बार फिर टीम को मुश्किल से उबारा और 30 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 45 रन बनाए। बटलर के अलावा ब्राइडन कार्से ने 17 गेंदों पर एक चौके और तीन छक्के की मदद से 31 रन की पारी खेली जिससे इंग्लैंड 20 ओवर में नौ विकेट पर 165 रन बनाने में सफल रहा।

बटलर पहले टी20 की तरह चेन्नई में भी अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन अक्षर पटेल ने उन्हें आउट कर लगातार दूसरा अर्धशतक लगाने से रोका।

इसके बाद कार्से ने भी कुछ तेज पारी खेली और फिर निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भी योगदान दिया जिससे इंग्लैंड की टीम लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने 13 रन, लियाम लिविंगस्टोन ने 13 और जैमी स्मिथ ने 22 रन बनाए। जोफ्रा आर्चर नौ गेंदों पर 12 रन और मार्क वुड तीन गेंदों पर पांच रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट लिए, जबकि अर्शदीप सिंह, हार्दिक पांड्या, वॉशिंगटन सुंदर और अभिषेक शर्मा को एक-एक विकेट मिला।

अस्मिता खेलो इंडिया लीगः अरुणाचल प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों में फुटबॉल की चमक

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)।

अरुणाचल प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों में इस जनवरी उगते सूरज के साथ फुटबॉल का जोश और उत्साह भी नई ऊँचाइयों पर पहुँच गया। केंद्र सरकार की प्रमुख पहल अस्मिता खेलो इंडिया महिला लीग ने इस बार शि योमी, जीरो और नाहरलागुन जैसे दूरदराज के इलाकों में फुटबॉल का आयोजन किया, जिसमें लगभग 500 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

15 जनवरी से शुरू हुए इस टूर्नामेंट ने भारतीय-चीन सीमा के पास स्थित छोटे से गाँव मोनीगोंग में भी उत्साह का संचार किया। यहाँ विभिन्न आयु समूहों (अंडर-13, अंडर-15 और अंडर-17) की लड़कियों ने लीग में भाग लिया।

शि योमी जिले में 9वें ग्रेनेडियर के मेजर अंकित शर्मा, जो पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि थे, ने कहा, इनमें से 70प्रतिशत लड़कियों ने पहली बार फुटबॉल टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। उन्होंने सिर्फ 10 दिनों की तैयारी के

बावजूद शानदार प्रदर्शन किया।

खेल समावेशिता को बढ़ावा देती अस्मिता लीग

अस्मिता लीग का पूरा नाम 'अचीविंग स्पोर्ट्स माइलस्टोन बाय इंस्पायरिंग वीमेन थ्रू एक्शन' है। यह केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई एक पहल है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेलों में समावेशिता और समानता को बढ़ावा देना है।

अरुणाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री पासंग दोरजी सोना ने लीग की सराहना करते हुए कहा, अस्मिता ने हमारी लड़कियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का मौका दिया है। यह खेल और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ है।

युवा मामले और खेल मंत्रालय ने इस सत्र में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को अस्मिता लीग के निर्बाध आयोजन के लिए 3.07 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की। इस सत्र में कुल 90 शहरों में टूर्नामेंट का आयोजन हुआ, जिसमें 7,000 से अधिक लड़कियों ने हिस्सा लिया।

दूरदराज के बच्चों के लिए बड़ा मंच

शि योमी जिले के मोनीगोंग के सरकारी माध्यमिक विद्यालय के फुटबॉल कोच दावा रुकू ने कहा, इस क्षेत्र के बच्चों को अस्मिता लीग के माध्यम से एक बड़ा मंच मिला है। परिवहन की समस्याओं के कारण यहाँ के बच्चे बाहर खेलने नहीं जा सकते थे। लेकिन अब उन्हें अपने ही क्षेत्र में प्रतिभा दिखाने का मौका मिल रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि लीग न केवल खेलों को बढ़ावा दे रही है, बल्कि बाल विवाह जैसे सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने का भी माध्यम बनी है।

72 लाख रुपये की पुरस्कार राशि

अस्मिता लीग की विजेता टीमों के लिए कुल 72 लाख रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। हालाँकि, इसका प्रभाव पुरस्कार राशि से कहीं आगे तक जाता है। कोच दावा रुकू ने विश्वास जताया कि यह मंच लड़कियों को राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम तक पहुँचने में सक्षम बनाएगा।

स्थानीय समुदाय में उम्मीद की नई किरण

अस्मिता लीग ने न केवल फुटबॉल को अरुणाचल प्रदेश के दूरदराज इलाकों में पहुँचाया, बल्कि स्थानीय समुदाय में गर्व और उम्मीद का संचार भी किया। यह पहल एक खेल प्रतियोगिता से बढ़कर समाज में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत बन चुकी है।

सीसीपीए का भ्रामक दावों के विज्ञापन के लिए विजन आईएएस पर 3 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली,25 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सीएसई 2020 के परिणाम के बारे में कथित रूप से भ्रामक दावों का विज्ञापन करने के लिए विजन आईएएस कोचिंग पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन के मद्देनजर विजन आईएएस कोचिंग पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता में सीसीपीए ने विजन आईएएस के खिलाफ यह आदेश जारी किया है।

सीसीपीए ने अपनी जांच में पाया कि संस्था ने सफल उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया। हालांकि, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2020 में उक्त सफल उम्मीदवारों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम के संबंध में जानकारी उपर्युक्त विज्ञापन में प्रकट नहीं की गई थी।

सीसीपीए का ये निर्णय उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और संवर्धन के लिए लिया गया था।

मंत्रालय के मुताबिक यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी भी वस्तु या सेवा का कोई गलत या भ्रामक विज्ञापन न किया जाए, जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन करता हो। विजन आईएएस ने अपने विज्ञापन में निम्नलिखित दावा किया है। जिसकी जांच केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने किया है। दरअसल विजन आईएएस के विभिन्न कार्यक्रमों से सीएसई 2020 में शीर्ष 10 चयनों में 10 का दावा किया था।

उल्लेखनीय है कि विजन आईएएस यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा के लिए भारत का प्रमुख शोध और प्रशिक्षण संस्थान है। यह संस्थान युवाओं को ऑफलाइन और ऑनलाइन सामान्य अध्ययन के लिए फाउंडेशन कोर्स की तैयारी कराता है।

न्यूज़ ब्रीफ

गिरिराज सिंह 28 जनवरी को हथकरघा सम्मेलन मंथन का उद्घाटन करेंगे

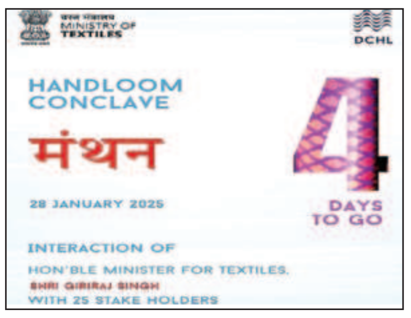

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह 28 जनवरी को नई दिल्ली के जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में हथकरघा सम्मेलन मंथन का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर एचएमओटी हथकरघा बुनकरों के लिए ई-पहचान पोर्टल और हथकरघा पुरस्कार का ऑनलाइन मॉड्यूल भी लॉन्च करेगा। कपड़ा मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि यह पहल बुनकरों की आजीविका में सुधार के साथ समग्र हथकरघा उद्योग में सुधार के लिए सरकार के प्रयासों के अनुरूप है। सम्मेलन में करीब 250 हितधारक भाग लेंगे, जिनमें 21 पैनलिस्ट शामिल हैं। इसमें देश के सभी हिस्सों से आने वाले 120 हैंडलूम लाभार्थी, बुनकर सेवा केंद्रों और आईआईएचटी के 35 अधिकारी, करीब 25 राज्य सरकार के अधिकारी (हैंडलूम, रेशम और वस्त्र) और वस्त्र मंत्रालय के विभिन्न अन्य विभागों और प्रतिष्ठानों के अधिकारी शामिल हैं। सम्मेलन का उद्देश्य विभिन्न हितधारकों को एक मंच प्रदान करना है, जहां वे एक साथ आकर हथकरघा क्षेत्र के विकास के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं, नवाचारों और रणनीतियों को साझा कर सकें।

अमिताभ बच्चन इंडिया गेट बासमती चावल के बने ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। इंडिया गेट बासमती चावल की मूल कंपनी केआरबीएल लिमिटेड ने दिग्गज बॉलीवुड

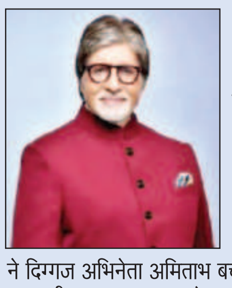

अभिनेता अमिताभ बच्चन को अपने बासमती चावल इंडिया गेट ब्रांड का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। कंपनी ने शनिवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में केआरबीएल लिमिटेड ने दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन को इंडिया गेट बासमती चावल का ब्रांड एंबेसडर बनाकर अपनी साझेदारी का खुलासा किया है। केआरबीएल ने कहा कि इंडिया गेट के साथ अमिताभ बच्चन का जुड़ाव ब्रांड की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अमिताभ बच्चन ने कहा कि इंडिया गेट बासमती चावल सिर्फ एक ब्रांड नहीं है। यह एक विरासत है, जो पीढ़ियों से भारतीय घरों का हिस्सा है। केआरबीएल लिमिटेड के भारत में व्यवसाय प्रमुख आयुष गुप्ता ने कहा कि हम अमिताभ बच्चन का केआरबीएल परिवार में स्वागत करते हुए सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका शानदार कद, अटूट ईमानदारी और कालातीत आकर्षण हमारे मूल्यों और समृद्ध विरासत के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। गुप्ता ने कहा कि उनकी मौजूदगी के साथ कंपनी का लक्ष्य अपने उपभोक्ता जुड़ाव को गहरा करना है। उल्लेखनीय है कि केआरबीएल लिमिटेड एक भारतीय चावल प्रसंस्करण और निर्यात करने वाली कंपनी है, जो दुनिया की सबसे बड़ी चावल मिलर है। ये कंपनी अपने इंडिया गेट ब्रांड के बासमती चावल के लिए सबसे ज्यादा जानी जाती है, जो भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला है।

मन्नार और पूनरी के प्रोजेक्ट रद्द होने की खबरों को अडानी समूह ने झूठा और भ्रामक बताया

अहमदाबाद। देश के दिग्गज कारोबारी समूह गौतम अदाणी ग्रुप ने उन सभी रिपोर्ट्स को खारिज किया हैं,

जिसमें दावा किया था कि श्रीलंका में मन्नार और पूनरी में अदाणी ग्रुप की कंपनियों को दिए गए 484 मेगावाट के विंड पावर प्रोजेक्ट्स रद्द किए गए हैं। ऐसी रिपोर्ट्स को झूठा और भ्रामक बताकर कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि ग्रुप श्रीलंका के ग्रीन एनर्जी सेक्टर में करीब एक अरब डॉलर निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। अडानी ग्रुप के प्रवक्ता ने कहा, मन्नार और पूनरी में अदाणी ग्रुप की 484 मेगावाट की विंड पावर प्रोजेक्ट्स को रद्द करने की खबरें पूरी तरह झूठी और भ्रामक हैं। हम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि पीपीए (बिजली खरीद समझौता) को रद्द नहीं हुआ है। अडानी समूह के प्रवक्ता ने कहा, मई 2024 में स्वीकृत टैरिफ का पुनर्मूल्यांकन करने का 2 जनवरी को श्रीलंकाई कैबिनेट द्वारा लिया गया निर्णय एक सामान्य समीक्षा प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसमें विशेष रूप से एक नई सरकार यह सुनिश्चित करती है कि सौदे की शर्तें उनकी वर्तमान प्राथमिकताओं और ऊर्जा नीतियों के अनुरूप हैं। समूह प्रवक्ता ने कहा कि अदाणी ग्रुप श्रीलंका के ग्रीन एनर्जी सेक्टर में एक अरब डॉलर निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्रीलंका ने अदाणी ग्रीन एनर्जी द्वारा विकसित दो विंड पावर स्टेशनों के लिए कंपनी के साथ 20 साल का बिजली खरीद समझौता किया। फरवरी 2023 में अदाणी ग्रीन एनर्जी को मन्नार टाउन और पूनरी गांव में 484 मेगावाट विंड एनर्जी प्लांट को विकसित करने के लिए 442 मिलियन डॉलर का निवेश करने की मंजूरी मिली थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत में हथियार...

पाकिस्तानी मीडिया ने तो मौजूदा बांग्लादेश को पूर्वी पाकिस्तान भी कहा है। पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की बांग्लादेश में पुण्यतिथि का मनाया जाना बांग्लादेश के लिए विडंबना ही तो है। नवाब सलीमुल्लाह अकादमी द्वारा 11 सितंबर 2024 को आयोजित इस कार्यक्रम में पाकिस्तान समर्थक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी, शिक्षाविद, राजनयिक और नागरिक समाज के सदस्य शामिल हुए थे।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने पाकिस्तान के निर्माण में जिन्ना की भूमिका पर जोर दिया और ढाका के ऐतिहासिक बंगबंधु एवेन्यू का नाम बदलकर जिन्ना एवेन्यू करने का सुझाव दिया। 2024 में ही बांग्लादेश ने पाकिस्तान आयुध कारखानों से गोला-बारूद, आरडीएक्स विस्फोटक और उच्च तीव्रता वाले प्रोजेक्टाइल खरीदे। बांग्लादेश वायु सेना ने पाकिस्तान के बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास, इंडस शील्ड-2024 में भी भाग लिया, जिसमें कथित तौर पर जेएफ-17 लड़ाकू जेट विमानों के अधिग्रहण की संभावना तलाशी गई। इन्हीं कुचक्रों के तहत अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी), हिज्ब उत तहरीर, अल कायदा और आईएसआईएस से जुड़े इस्लामी समूह मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश में खिलाफत स्थापित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। पाकिस्तान इस प्रयास में बांग्लादेश की सेना को एक महत्वपूर्ण बाधा मानता है, इसलिए पाकिस्तान ने बांग्लादेश की सेना को कमजोर करने के लिए अमेरिका में प्रभावशाली लॉबिस्टों की नियुक्ति की है।

इसके समानांतर, हमास ने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन से बांग्लादेश को हटाने का दबाव बनाने के लिए एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज सहित फिलिस्तीन समर्थक सांसदों से समर्थन जुटाया है। वे नरसंहार और मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों के आधार पर बांग्लादेश की सेना के खिलाफ प्रतिबंधों की भी वकालत कर रहे हैं, जिसमें अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा मुकदमा चलाए जा रहे न्यायेतर हत्याओं और जबरन गायब होने के मामलों का हवाला दिया गया है। इससे पहले, बांग्लादेश की कुछ अदालतों ने न्यायेतर हत्याओं और जबरन गायब होने में भाग लेने का आरोप लगाकर कई सैन्य अधिकारियों को मौत की सजा और आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। उल्लेखनीय है कि शेख हसीना विरोधी प्रदर्शनों के दौरान बांग्लादेश की सड़कों पर फिलिस्तीनी झंडों की झलक देखने को मिली थी। मोहम्मद यूनुस के सत्ता में आने के बाद फिलिस्तीनी समर्थक भावनाएं तेज गति से बढ़ी हैं, और फिलिस्तीन को सत्तावादी शासन के खिलाफ प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में पेश किया जा रहा है।

पाकिस्तान का लक्ष्य बांग्लादेश नहीं, बल्कि भारत है। भारत को अशांत करने के लिए वह बांग्लादेश का सहारा ले रहा है। उत्तरी सेक्टर में वह जम्मू कश्मीर में खुराफातें कर रहा है तो पश्चिमी सेक्टर में भाड़े के आतंकियों को अवैध हथियारों के साथ भारत में घुसाने की हरकतें करता रहता है। भारत के आस्तीन में छुपे दुश्मनों के लिए पाकिस्तान बॉर्डर से ड्रोन के जरिए या तस्करों के जरिए भी हथियारों का जखीरा भेज रहा है। पश्चिमी सीमा पर बाड़मेर सेक्टर में दो-दो बार पाकिस्तान की तरफ से भेजे गए हथियार बरामद किए गए। भारत की पाकिस्तान के साथ तीन हजार 323 किलोमीटर की सीमा लगती है। ये कश्मीर से शुरू होती है और गुजरात तक जाती है। इसमें कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात राज्य आते हैं।

रक्षा क्षेत्र से जुड़े जानकार बताते हैं कि पाकिस्तान पूरी सीमा का उपयोग अलग-अलग तरह से कर रहा है। कश्मीर की सीमा से आतंकी घुसपैठिए आते हैं तो पंजाब में ड्रग्स बड़े पैमाने पर भेजी जा रही है। अभी तक यही ट्रेंड रहा है। गुजरात और राजस्थान की सीमा पर पाकिस्तान शांत रहता था। पर अब इन सीमाओं से भी ड्रग्स और हथियारों की खेप आ रही है। गुजरात की समुद्री सीमा से ड्रग्स की सप्लाई पाकिस्तान ने बढ़ाई है तो जमीनी दलदल क्षेत्र से हथियारों की। रही बात राजस्थान की तो इस सीमा पर बहुत ठंड और बहुत गर्मी के समय हथियार और ड्रग्स के लिए किया जाता है।18 जनवरी को बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) ने बाड़मेर से लगी पाकिस्तान सीमा पर हथियारों का जखीरा पकड़ा था। हथियारों को फेंसिंग के पास के खेतों में रेत के नीचे दबाया गया था। यहां से नौ एमएम ग्लॉक पिस्टल, आठ मैगजीन और 78 जिंदा कारतूस मिले थे। ये खेत भभूणी की ढाणी में सीमा पर है। 26 जनवरी के मद्देनजर एजेंसियों ने यहां सतर्कता बढ़ाई और गांवों में तलाशी अभियान तेज किया हुआ है। इस घटना के बाद पाकिस्तान रेंजर के साथ एक मीटिंग भी हुई और बीएसएफ ने अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। लेकिन इन आपत्तियों से पाकिस्तान पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा। पिछले दिनों श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ सेक्टर के गांव 18पी में भी पाकिस्तानी हथियार मिले। यहां ड्रोन के जरिए दो ऑटोमैटिक पिस्टल गिराए गए थे। दिसंबर में श्रीगंगानगर के श्रीकरणपुर इलाके में दो पिस्टल, दो मैगजीन और सात कारतूस पाकिस्तान से आए थे, जिसे बीएसएफ ने बरामद कर लिया था।साल 2018 के बाद से पाकिस्तान ने पंजाब सीमा पर ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाया है। इसके जरिए पाकिस्तान ड्रग्स और हथियार दोनों भेज रहा है। बीएसएफ ने साल 2020 में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर करीब 79 ड्रोन उड़ानों का पता लगाया था। इसके बाद 2021 में ये संख्या 109 से ज्यादा पहुंच गई और 2022 में 215 तक आंकड़ा पहुंच गया था। इसके बाद से लगातार मामले बढ़ते जा रहे हैं। साल 2023 में 110 और 2024 में 260 से ज्यादा केस दर्ज किए हैं, जिसमें ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए तस्करी की गई। बीएसएफ ने सैकड़ों ड्रोन ध्वस्त भी किए हैं। इसी महीने भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ को हथियारों का जखीरा मिला था। इसमें चार नौ एमएम ग्लॉक पिस्टल, आठ मैगजीन और 78 जिंदा कारतूस शामिल हैं।उधर, जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों की सख्ती के कारण आतंकी हमलों की घटनाएं काफी कम हुई हैं, लेकिन फिर भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। शुक्रवार की देर रात जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में सेना की पोस्ट पर गोलीबारी की घटना हुई। देर रात आतंकियों ने बिलावर इलाके के भटोडी और मुआर इलाके में सेना के कैंप को निशाना बनाकर फायरिंग की। सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की। सेना के कैंप पर हमला करने वाले आतंकियों को ढेर करने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पूरे इलाके की घेराबंदी की गई है।

मुंबई हमले के ...

दायर की थी। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के एक दिन बाद 21 जनवरी को शीर्ष अदालत ने इसे अस्वीकार कर दिया। उच्चतम न्यायालय ने कहा, याचिका अस्वीकार की गई। राणा वर्तमान में लॉस एंजिल्स में मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में हिरासत में है।

अमेरिकी सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट से राणा की याचिका खारिज करने की अपील की थी। अमेरिकी सरकार भी राणा के प्रत्यर्पण के लिए तैयार है और बीती 16 दिसंबर को ही अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल एलिजाबेथ बी प्रीलोगर ने सुप्रीम कोर्ट से राणा की याचिका को खारिज करने की अपील की थी। राणा के वकील ने अमेरिकी सरकार की सिफारिश को चुनौती दी और सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि उसकी रिट स्वीकार की जाए। राणा की याचिका पर 17 जनवरी को सुनवाई होगी। राणा, वर्तमान में लॉस एंजेलिस की जेल में बंद है। राणा पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से जुड़ा हुआ था, जो 26/11 मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है। 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकियों सहित कुल 166 लोग मारे गए थे। इस हमले में 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 60 घंटे से अधिक समय तक मुंबई के अहम स्थानों पर हमला किया था और लोगों की हत्या की थी।इस तरह, तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया है। पाकिस्तानी मूल का आतंकी तहव्वुर राणा साल 2008 में हुए मुंबई आतंकी हमले की साजिश रचने का आरोपी है। तहव्वुर राणा ने भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए काफी कोशिश की और अपने प्रत्यर्पण को विभिन्न कानूनी तरीकों से चुनौती दी, लेकिन अमेरिकी अपीलीय कोर्ट सहित कई संघीय अदालतों में कानूनी लड़ाइयों में हारने के बाद अब उसके भारत आने का रास्ता साफ हो गया है।तहव्वुर हुसैन राणा पाकिस्तानी सेना में भी काम कर चुका है। 90 के दशक में राणा कनाडा चला गया था और फिर उसने वहीं की नागरिकता ले ली थी। कनाडा से तहव्वुर राणा अमेरिका पहुंचा और वहां उसने शिकागो में एक इमिग्रेशन कंसल्टेंसी फर्म खोली। मुंबई हमले का दोषी डेविड हेडली, तहव्वुर राणा का दोस्त था। तहव्वुर राणा ने ही डेविड हेडली को अपराध की दुनिया में धकेला। हेडली ने ही 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के लिए रेकी की। हेडली को बाद में अमेरिका से गिरफ्तार किया गया था। हेडली से पूछताछ में ही तहव्वुर राणा की मुंबई हमले में संलिप्तता का खुलासा हुआ था। राणा को साल 2009 में अमेरिकी जांच एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार किया गया था।

बांग्लादेश में फिर...

पर रहने वाले नीतीश चंद्र सरकार का बेटा है। सोनाडांगा पुलिस स्टेशन के इंचार्ज शफीकुल इस्लाम का कहना है कि शुक्रवार की रात 9 बजे के करीब अरनब तेंतुलतला चौराहे पर एक चाय की दुकान पर चाय पी रहा था, तभी मोटरसाइकिल से आए हमलावरों ने उसे ताबड़तोड़ कई गोलियां मारीं और वहां से फरार हो गए। गोली सीधे अरनब के सिर में लगी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोग उसे सिटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। खुलना सिटी पुलिस की दक्षिणी डिवीजन के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद मोनिरुज्जमां का कहना है कि छात्र की हत्या आतंकियों ने की है। आतंकियों का बहाना बना कर पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की है।

इंडोनेशिया और भारत...

उन्होंने कहा, भारत के पहले गणतंत्र दिवस के मौके पर इंडोनेशिया मुख्य आतिथ्य स्वीकार करने वाला पहला देश था और यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के मौके पर इंडोनेशिया एक बार फिर इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा है। मैं भारत में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो का स्वागत करता हूं। पीएम मोदी ने रामायण, महाभारत और बाली यात्रा का संदर्भ देते हुए सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों पर और इंडोनेशिया के प्रम्बनन हिंदू मंदिर के संरक्षण में भारत की भागीदारी पर भी प्रकाश डाला। पीएम ने कहा, प्राचीन काल से इंडोनेशिया और भारत के सांस्कृतिक और संस्कारिक रिश्ते रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, वर्ष 2018 में मेरी इंडोनेशिया यात्रा के दौरान हमने अपनी साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रूप में आगे बढ़ाया। आज राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ आपसी सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई। रक्षा क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए हमने विनिर्माण और आपूर्ति में मिलकर काम करने का फैसला किया है। हमने समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और डी-रेडिकलाइजेशन में सहयोग पर भी जोर दिया। समुद्री सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में आज हस्ताक्षरित समझौता अपराध की रोकथाम, खोज एवं बचाव और क्षमता निर्माण में हमारे सहयोग को और मजबूत करेगा। हमारा द्विपक्षीय व्यापार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। पिछले साल यह 30 अरब डॉलर से अधिक हो गया था। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत पर गहराती वैश्विक चिंताओं के बीच मोदी ने कहा, हम सहमत हैं कि नौवहन की स्वतंत्रता अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप सुनिश्चित की जानी चाहिए। हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा की।

राष्ट्रपति सुबियांतो ने भारत के साथ इंडोनेशिया के ऐतिहासिक और गहरे संबंधों को याद करते हुए कहा, भारत ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम के दौरान न केवल आर्थिक और चिकित्सा सहायता दी, बल्कि हमारे संघर्ष में नैतिक समर्थन भी दिया। उन्होंने यह भी बताया कि इंडोनेशिया के दूतावास की जमीन भारत सरकार द्वारा गिफ्ट में दी गई थी, जो दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों का प्रतीक है। उन्होंने गर्व से कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है कि मुझे गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह खास है क्योंकि भारत के पहले गणतंत्र दिवस पर इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो मुख्य अतिथि थे।

उल्लेखनीय है कि भारत कई देशों को हथियार बेच रहा है। अब इस सूची में इंडोनेशिया भी शामिल है। इंडोनेशिया को हथियार आपूर्ति करते हुए भारत चीन को घेरने की कोशिश में है। भारत के ब्रह्मास्त्र कहे जाने वाले ब्रह्मोस मिसाइल भी इंडोनेशिया खरीदने जा रहा है, दोनों देशों के बीच इस पर सौदा हो चुका है। हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन का दबदबा कम करने के लिए भारत अपने पड़ोसी मुल्कों के साथ संबंध बेहतर बनाने में लगा है।

युवाओं, किसानों, ...

शिविर के कलाकारों, आदिवासी मेहमानों और झांकी कलाकारों से बातचीत की। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के निवास स्थान लोक कल्याण मार्ग पर आयोजित किया गया जहां पीएम मोदी ने सभी से बातचीत की। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे।

पाकिस्तानी...

मुलाकात की, जो जेल में बंद है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की मदद से उल्फा के कैंप एक बार फिर बांग्लादेश के कशालॉन्ग क्षेत्र में सक्रिय हो गए हैं। पाकिस्तानी एजेंसी भारत के पूर्वोत्तर में अस्थिरता फैलाने के लिए बांग्लादेश की जमीन का उपयोग कर रही है।

शेख हसीना के शासनकाल में आतंकवादी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की गई थी। लेकिन मोहम्मद यूनुस सरकार ने उल्फा चीफ की मौत की सजा माफ कर दी और 14 साल की सजा में तब्दील कर दी। इससे उल्फा की गतिविधियां फिर तेज हो गई हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि वह अपने पड़ोसी देशों की हर गतिविधि पर सतर्कता बनाए हुए है। बढ़ते पाक-बांग्लादेश सैन्य संबंधों पर भी भारत की नजर है और उचित समय पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

भाजपा जो कहती...

आयुष्मान योजना का लाभ देंगे। युवाओं को 50 हजार सरकारी नौकरी देंगे। 13 हजार बसों को ई-बसों में बदलेंगे। दिल्ली की सील दुकानों को छह महीने के अंदर फिर से खुलवाएंगे। दुकानों को फ्री होल्ड करने का काम किया जाएगा। गिग श्रमिकों के लिए 5 लाख दुर्घटना बीमा दिया जाएगा। इनके बच्चों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। श्रमिकों को टूलकिट के लिए 10 हजार की सहायता दी जाएगी। पंजीकृत श्रमिकों को लोन और दुर्घटना बीमा दिया जाएगा।

गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा के लिए संकल्प पत्र विश्वास का सवाल होता है और करने वाले कामों की सूची होती है। ये कोरे वादे नहीं होते हैं। 2014 से नरेंद्र मोदी जी ने देश के अंदर पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस को स्थापित किया है और भाजपा ने जितने भी चुनाव आए, उनमें जो वादे किए थे उन्हें पूरा करने का गंभीरता से प्रयास किया है। इसलिए दिल्ली प्रदेश भाजपा ने महिलाओं, युवाओं, जेजे कलस्टर के निवासियों, असंगठित मजदूरों, मध्यम आय वर्ग, व्यापारियों, पेशेवरों के साथ नीचे तक जाकर सुझाव प्राप्त करने का काम किया है। अलग-अलग प्रकार के 1 लाख 8 हजार लोगों ने अपने सुझाव दिए हैं। 62 प्रकार की अलग-अलग समूहों की बैठक की गई और 41 एलईडी वैन के माध्यम से हमने सुझाव मांगे।दिल्ली में केजरीवाल ऐसी सरकार चला रहे हैं, जो वादे करते हैं, उन्हें पूरा नहीं करते हैं और फिर से झूठ के एक बहुत बड़े पुलिंदे और भोले से चेहरे के साथ जनता के सामने उपस्थित होते हैं। मैंने अपने राजनीतिक जीवन में इतनी सफाई से झूठ बोलने वाला व्यक्ति नहीं देखा है। केजरीवाल ने कहा था कि मैं, मेरी सरकार का कोई मंत्री सरकारी बंगला नहीं लेंगे। लेकिन इन्होंने बंगला लिया, यहां तक तो ठीक था, लेकिन 51 करोड़ से ज्यादा खर्च करके 4 बंगलों को एकसाथ मिलाकर इन्होंने एक शीश महल बना दिया।अमित शाह ने कहा कि केजरीवाल ने कहा था, 7 साल में मैं यमुना को एकदम शुद्ध कर दूंगा और कहा था कि मैं दिल्लीवालों के सामने यमुना में डुबकी लगाऊंगा। मैं केजरीवाल जी को याद कराना चाहता हूं कि केजरीवाल जी दिल्ली की जनता आपकी उस विश्वप्रसिद्ध डुबकी की राह देख रही है कि कब आप डुबकी लगाओगे। इन्होंने काम नहीं करने का एक नया तरीका ढूंढ़ा है। कोई भी काम नहीं करना है तो ये कहते हैं कि हमें पूर्ण राज्य का दर्जा दे दीजिए। जब इन्होंने वादा किया और चुनाव लड़ा तो क्या इन्हें दिल्ली का स्टेटस मालूम नहीं था? केवल बहाने बनाना इनकी फितरत है। हम महाभारत के प्रसिद्ध पौराणिक महाकाव्य को बढ़ावा देने और प्रचारित करने के लिए एक भव्य महाभारत कॉरिडोर विकसित करेंगे, इसके लिए उत्तर प्रदेश और हरियाणा सरकारों के साथ साझेदारी भी करेंगे।अमित शाह ने कहा, देश में जहां-जहां चुनाव आया और देश एवं राज्यों की जनता ने नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा को मैंडेट दिया, वहां डबल इंजन सरकारों ने हर राज्य को बदलने का काम किया है। नरेंद्र मोदी जी ने आज पूरे देश में एक विश्वास पैदा किया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को को बरकरार रखते हुए भी सर्वसमावेशी और सर्वस्पर्शी विकास संभव है।

केंद्र ने रचा इतिहास...

विशिष्ट रूप से डिजाइन किया गया है, जिसमें आराम, सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए उन्नत तकनीक हैं।। ट्रेन भारत के पहले केबल-स्टेड रेल ब्रिज, प्रतिष्ठित अंजी खड्ड ब्रिज और चिनाब ब्रिज से भी गुजरी, जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज है।कश्मीर वादी की ठंडी जलवायु का सामना करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई, यह जम्मू और कश्मीर के लिए शुरू की गई तीसरी वंदे भारत ट्रेन है, लेकिन कश्मीर वादी की सेवा करने वाली पहली ट्रेन है। उत्तरी रेलवे जोन इसके संचालन और रखरखाव की देखरेख करेगा। ट्रेन में पानी और बायो-टायलेट टैंक को जमने से रोकने के लिए उन्नत हीटिंग सिस्टम शामिल हैं। इसमें एक अनूठी एयर-ब्रेक प्रणाली और गर्म हवा का संचार भी है, जो शून्य से नीचे के तापमान में सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है।अतिरिक्त संशोधनों में कठोर सर्दियों के दौरान ठंड को दूर करने के लिए विंडशील्ड में एम्बेडेड हीटिंग तत्व शामिल हैं। हीटिंग फिलामेंट के साथ ट्रिपल-लेयर्ड विंडस्क्रीन बर्फबारी के दौरान भी ड्राइवर को स्पष्ट दृश्यता प्रदान करते हैं। ये संवर्द्धन ट्रेन को -30 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में कुशलतापूर्वक संचालन करने में सक्षम बनाते हैं। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि इसके साथ ही रेलवे ने 272 किलोमीटर तक फैली उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना पूरी कर ली है।

संविधान हमारी ...

राष्ट्रपति ने कहा, बढ़ते आत्मविश्वास के साथ हम अनेक प्रयासों के बल पर अत्याधुनिक अनुसंधान में अपनी भागीदारी बढ़ा रहे हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने हाल के वर्षों में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में बहुत बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं।

शिववास योग और सिद्धि योग में 29 को मौनी अमावस्या

माघ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को माघी अमावस्या या मौनी अमावस्या कहा जाता है। इस साल मौनी अमावस्या 29 जनवरी को है। मौनी अमावस्या का ज्योतिष शास्त्र में बहुत महत्व है। इस दिन किसी पवित्र नदी में स्नान के बाद दान करना शुभ माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन पड़ रहा है। यह बेहद शुभ माना गया है। मौनी अमावस्या पर दुर्लभ शिववास योग और सिद्धि योग का संयोग बन रहा है। मौनी अमावस्या का हिंदू धर्म में काफी अधिक महत्व है। मौनी अमावस्या को पवित्रता, तप और आत्मशुद्धि का प्रतीक माना गया है। इस दिन श्रद्धालु मौन धारण करके संगम में स्नान करेंगे। महाकुंभ के अलावा, अन्य श्रद्धालु अन्य नदियों में स्नान करेंगे और पुण्य अर्जित करेंगे। मौनी अमावस्या का शाब्दिक अर्थ है 'मौन रहने वाली अमावस्या'।

माघ मास की मौनी अमावस्या का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। इस दिन स्नान, ध्यान, पूजा, तप और दान पुण्यदायक माना जाता है। हर साल माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के अगले दिन मौनी अमावस्या मनाई जाती है। इस वर्ष मौनी अमावस्या 29 जनवरी को पड़ रही है। इस दिन श्रद्धालु गंगा, नर्मदा समेत अन्य पवित्र नदियों में स्नान करेंगे। साथ ही विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा की जाएगी। मौनी अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान के बाद दान करने पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। इस दिन मौन व्रत रखने का विधान है। हालांकि गृहस्थ लोगों के लिए दिन भर मौन रह पाना थोड़ा मुश्किल है। ऐसे में गृहस्थ लोग पूजा-पाठ करने के बाद अपना मौन व्रत खोल सकते हैं।

उदयातिथि से 29 को मौनी अमावस्या

पंचांग के अनुसार, मौनी अमावस्या की तिथि की शुरुआत 28 जनवरी को रात 07:35 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 29 जनवरी को शाम को 06:05 मिनट पर होगा। ऐसे में मौनी अमावस्या 29 जनवरी को मनाई जाएगी।

शिववास योग

मौनी अमावस्या पर दुर्लभ शिववास योग का संयोग बन रहा है। शिववास का संयोग मौनी अमावस्या यानी 29 जनवरी को सायं 06: 05 मिनट तक है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान शिव कैलाश पर मां गौरी के साथ विराजमान रहेंगे।

सिद्धि योग

माघ अमावस्या या मौनी अमावस्या पर सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। सिद्धि योग का संयोग रात 09:,22 मिनट तक है। ज्योतिष शास्त्र में सिद्धि योग को शुभ मानते हैं। इस योग में भगवान शिव की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। इसके अलावा मौनी अमावस्या पर श्रवण एवं उत्तराषाढ़ा नक्षत्र का संयोग बन रहा है। इन योग में भगवान शिव की पूजा करने से शुभ फल की प्राप्ति होगी।

मौनी अमावस्या पर करें दान

शास्त्रों के अनुसार मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान करने से पुण्य फल कई गुना बढ़ जाता है। इस दिन का धार्मिक महत्व अधिक है। मौनी अमावस्या के दिन व्रत करने वाले व्यक्ति को दान करना चाहिए। इस दिन जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाना चाहिए। ऐसा करने से पितरों की कृपा प्राप्त होती है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक इस दिन तेल, कंबल, दूध ,चीनी, अनाज तथा अपने आवश्यकता अनुसार पैसों का दान करना चाहिए। इसके अलावा मौनी अमावस्या के दिन पशु-पक्षियों को भोजन करना चाहिए। ऐसा करते श्री पित्र प्रसन्न होते हैं और जीवन में आ रही तमाम समस्याओं से मुक्ति मिलती है।

महत्व

मौनी अमावस्या का महत्व धर्म के साथ-साथ ज्योतिष से भी जुड़ा है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, मौनी अमावस्या तब मनाई जाती है जब माघ महीने के दौरान चंद्रमा और सूर्य मकर राशि में एक साथ आते हैं। मौनी अमावस्या के दिन चंद्रमा और सूर्य दोनों की संयुक्त ऊर्जा के प्रभाव से इस दिन का महत्व और भी अधिक हो जाता है। मकर राशि चक्र की दसवीं राशि है और कुंडली के दसवें घर में सूर्य मजबूत है। ज्योतिष में सूर्य को पिता और धर्म का कारक माना जाता है, इसलिए जब सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में मिलते हैं तो मौनी अमावस्या का त्योहार मनाया जाता है।

क्या करें

इस दिन सुबह जल्दी उठकर गंगा स्नान करें। यदि आप गंगा स्नान नहीं कर सकते हैं, तो पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। स्नान के बाद सूर्य देवता को अर्घ्य जरूर दें। ध्यान रहे स्नान करने से पहले तक कुछ बोलें नहीं। मौनी अमावस्या के दिन ज्यादा से ज्यादा ध्यान, प्रार्थना व अन्य धार्मिक क्रिया करें। इस दिन दान जरूर करें। जरूरतमंद लोगों की मदद करें। निस्वार्थ कार्य करना इस दिन शुभ फलदायी होता है। मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदियों में डुबकी लगाएं ताकि शरीर और आत्मा दोनों शुद्ध हो जाएं। मौनी अमावस्या के दिन उपवास करें, ऐसा करना शुभ फल देता है।

क्या ना करें

मौनी अमावस्या के दिन मांस-मदिरा और तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन केवल सादा भोजन ही करें। साथ ही जितना हो सके मौन रहने की कोशिश करें। मौनी अमावस्या के दिन झूठ बोलने से बचना चाहिए। इसका उल्टा प्रभाव आपके जीवन में पड़ने की संभावना रहती है। मौनी अमावस्या के दिन देर तक सोने से बचना चाहिए। मौनी अमावस्या के दिन नकारात्मक विचारों और भावनाओं को अपने अंदर न आने दें।

करें इस मंत्र का जाप

मौनी अमावस्या के दिन भगवान सूर्य को अर्घ्य देना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन ऐसा करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। मौनी अमावस्या के दिन ॐ आद्य-भूताय विद्महे सर्व-सेव्याय धीमहि, शिव-शक्ति-स्वरूपेण पितृ-देव प्रचोदयात मंत्र का जाप 108 बार करें। ऐसा करने से जातक के घर से पितृ दोष समाप्त हो जाता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

मौनी अमावस्या पर शिव जी का अभिषेक करने से कई समस्याओं का होगा समाधान

माघ माघ की अमावस्या को मौनी अमावस्या भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन मौन साधना करने का काफी महत्व माना गया है। इस साल यह तिथि और भी खास मानी जा रही है, क्योंकि इस दिन यानी बुधवार, 29 जनवरी 2025 को महाकुंभ में तीसरा अमृत स्नान किया जाएगा।

मिलेगी पितृ दोष से मुक्ति

अगर आप पितृ दोष से परेशान हैं, तो ऐसी स्थिति में मौनी अमावस्या के दिन तांबे के लोटे में जल लेकर उसमें काले तिल डालें और शिव जी का अभिषेक करें। इससे जातक को पितृ दोष से राहत मिल सकती है और जीवन की कई समस्याएं हल हो जाती हैं।

आय और सौभाग्य में होगी वृद्धि

मौनी अमावस्या के दिन आप गंगाजल में बेल पत्र और पान के पत्ते मिलाकर भी भगवान शिव का अभिषेक कर सकते हैं। इस उपाय को करने से साधक की आय और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

होगा सुख-शांति का वास

अगर आपके परिवार में लड़ाई-झगड़े की स्थिति बनी रहती है, तो इसके लिए मौनी अमावस्या के दिन महादेव की विधिपूर्वक रूप से पूजा-अर्चना करें। साथ ही उनका कच्चे दूध में दही और शहद मिलाकर अभिषेक करें। इससे व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

प्रसन्न होंगे महादेव

मौनी अमावस्या के दिन आप शिव जी का शुद्ध घी से भी अभिषेक कर सकते हैं। इससे शिव जी जल्दी प्रसन्न होते हैं। वहीं भोलेनाथ की कृपा के लिए आप अमावस्या पर शुद्ध शहद से भी उनका अभिषेक कर सकते हैं। इस उपाय को करने से व्यक्ति का सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। साथ ही उसके सभी दुख-दर्द भी दूर होने लगते हैं।

मौनी अमावस्या के दिन इन जगहों पर जलाएं दीपक पितृ होंगे प्रसन्न और बनेंगे बिगड़े काम

पंचांग के अनुसार, मौनी अमावस्या का त्योहार 29 जनवरी को मनाया जाएगा। इस दिन महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान है। इस शुभ अवसर पर भगवान विष्णु और पितरों की पूजा-अर्चना और जप, तप और दान करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही पितृ दोष दूर होता है। ऐसे में मौनी अमावस्या के दिन कुछ जगहों पर दीपक जलाकर पितरों को प्रसन्न किया जा सकता है।

आर्थिक तंगी होगी दूर

अगर आप आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो ऐसे में मौनी अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ में जल चढ़ाएं। साथ ही शाम के समय तेल का दीपक जरूर जलाएं। इस दौरान सच्चे मन से पितृ सूक्त का पाठ करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से व्यक्ति को पितरों की कृपा प्राप्त होती है और आर्थिक समस्याएं से छुटकारा मिलता है।

बनेंगे बिगड़े हुए काम

मौनी अमावस्या के दिन भगवान विष्णु के साथ महादेव की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करें। इस दौरान कच्चे दूध में दही, शहद मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। साथ ही देसी घी का चौमुखी दीपक जलाएं। जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से रुके हुए काम पूरे होते हैं और शिव जी प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा शिव जी की पूजा में तिल का दीपक भी जला सकते हैं। इससे शंकर जी का आशीर्वाद बना रहेगा और सभी कष्ट दूर होंगे।

पितृ दोष की समस्या होगी दूर

मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान करने के बाद दीपदान करें। पितरों को जल अर्पित करें। इससे पितृ दोष की समस्या दूर होगी और पूर्वजों की शांति प्राप्त होगी।

इन जगह पर भी जला सकते हैं दीपक

सनातन धर्म में पूजा-अर्चना करने के लिए दिशा का विशेष ध्यान रखें। अमावस्या की रात घर में उत्तर और पूर्व दिशा के बीच दीपक जलाएं। धार्मिक मान्यता है कि इस उपाय को विधिपूर्वक करने से पितरों और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है।

माघ गुप्त नवरात्रि 30 से

हिंदू धर्म में का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व में शक्ति की साधना की जाती है। हिंदू धर्म के कैलेंडर के अनुसार साल में चार बार नवरात्रि का पर्व होता है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि के अलावा दो गुप्त नवरात्रि पड़ती है। पंचांग के अनुसार पहली गुप्त नवरात्रि माघ मास में और दूसरी आषाढ़ मास में पड़ती है। गुप्त नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के अलावा मां भगवती दुर्गा के दस महाविद्याओं की पूजा की जाती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि माघ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक गुप्त नवरात्रि मनाई जाती है। पंचाग के अनुसार इस साल माघ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत गुरुवार 30 जनवरी 2025 से हो रही है। वहीं इसका समापन शुक्रवार 7 फरवरी, को होगा। गुप्त नवरात्रि पूरे 9 दिन रहेगी। गुप्त नवरात्रि माघ महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवमी तक चलती है। मां दुर्गा को उपासक 9 दिन तक गुप्त तरीके से शक्ति साधना व तंत्र सिद्धि करते हैं। गुप्त नवरात्रि को गुप्त साधना और विद्याओं की सिद्धि के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। पूरे वर्ष में चार नवरात्रि होती हैं, जिसमें दो गुप्त नवरात्रि और दो प्रकट नवरात्रि होती हैं। माघ और आषाढ़ माह में गुप्त नवरात्रि होती हैं और प्रकट नवरात्रि में चैत्र नवरात्रि तथा आश्विन माह की शारदीय नवरात्रि होती है। देवी भागवत महापुराण में मां दुर्गा की पूजा के लिए इन चार नवरात्रियों का उल्लेख है।

माघ गुप्त नवरात्रि प्रारंभ

माघ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक गुप्त नवरात्रि मनाई जाती है। पंचांग के अनुसार इस साल माघ शुक्ल प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 29 जनवरी 2025 को शाम 6:05 मिनट से हो रही है, इस तिथि का समापन 30 जनवरी को शाम 4:01 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार माघ गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ 30 जनवरी 2025 के दिन से होगा।

माघ गुप्त नवरात्रि घटस्थापना मुहूर्त

इस साल 30 जनवरी से माघ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत हो रही है, इस दिन श्रवण और धनिष्ठा नक्षत्र के साथ व्यतीपात योग बन रहा है, जो पूजा पाठ के लिए बेहद शुभ है। इस दिन कलश स्थापना के लिए आपको दो शुभ मुहूर्त प्राप्त होंगे, पहला मुहूर्त सुबह 9:25 मिनट से सुबह 10:46 मिनट तक है। दूसरा शुभ मुहूर्त दोपहर में 12:13 मिनट से दोपहर 12:56 मिनट तक है।

गुप्त नवरात्रि में साधना

प्रत्यक्ष नवरात्रि में मां भगवती की पूजा जहां माता के ममत्व के रूप में की जाती है तो वहीं गुप्त नवरात्रि में देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा शक्ति रूप में की जाती है। मान्यता है कि गुप्त नवरात्रि में देवी साधना किसी को बता कर नहीं की जाती है। इसलिए इन दिनों को नाम ही गुप्त दिया गया है। गुप्त नवरात्रि के दौरान नौ दिनों तक गुप्त अनुष्ठान किये जाते हैं। इन दिनों देवी दुर्गा के दस रूपों की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इन नवरात्रि में देवी साधना से शीघ्र प्रसन् होती हैं और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। जितनी अधिक गोपनीयता इस साधना की होगी उसका फल भी उतनी ही जल्दी मिलेगा। देवी के मां कालिके, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी देवी, भुनेश्वरी देवी, मां धूम्रावती, बगलामुखी माता, मातंगी माता और देवी कमला की गुप्त नवरात्रि में पूजा की जाती है। मंत्र जाप, श्री दुर्गा सप्तशती, हवन के द्वारा इन दिनों देवी साधना करते हैं। यदि आप हवन आदि कर्मकांड करने में असहज हों तो नौ दिन का किसी भी तरह का संकल्प जैसे सवा लाख मंत्रों का जाप कर अनुष्ठान कर सकते हैं। या फिर राम रक्षा स्त्रोत, देवी भागवत आदि का नौ दिन का संकल्प लेकर पाठ कर सकते हैं। अखंड जोत जलाकर साधना करने से माता प्रसन्न होती हैं।

मां दुर्गा के इन स्वरूपों की पूजा होती है

मां कालिके, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता चित्रमस्ता, त्रिपुर भैरवी, मां धूम्रवती, माता बगलामुखी, मातंगी, कमला देवी

सामग्री : मां दुर्गा की प्रतिमा या चित्र, सिंदूर, केसर, कपूर, जौ, धूप,वस्त्र, दर्पण, कंघी, कंगन-चूड़ी, सुगंधित तेल, बंदनवार आम के पत्तों का, लाल पुष्प, दूर्वा, मेंहदी, बिंदी, सुपारी साबुत, हल्दी की गांठ और पिसी हुई हल्दी, पटरा, आसन, चौकी, रोली, मौली, पुष्पहार, बेलपत्र, कमलगट्टा, जौ, बंदनवार, दीपक, दीपबत्ती, नैवेद्य, मधु, शक्कर, पंचमेवा, जायफल, जावित्री, नारियल, आसन, रेत, मिट्टी, पान, लौंग, इलायची, कलश मिट्टी या पीतल का, हवन सामग्री, पूजन के लिए थाली, श्वेत वस्त्र, दूध, दही, ऋतुफल, सरसों सफेद और पीली, गंगाजल आदि।

मां दुर्गा की ऐसे करें पूजा

गुप्त नवरात्रि के दौरान तांत्रिक और अघोरी मां दुर्गा की आधी रात में पूजा करते हैं। मां दुर्गा की प्रतिमा या मूर्ति स्थापित कर लाल रंग का सिंदूर और सुनहरे गोटे वाली चुनरी अर्पित की जाती है। इसके बाद मां के चरणों में पूजा सामग्री को अर्पित किया जाता है। मां दुर्गा को लाल पुष्प चढ़ाना शुभ माना जाता है। सरसों के तेल से दीपक जलाकर 'ॐ दुं दुर्गायै नमः' मंत्र का जाप करना चाहिए।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

स्वास्थ्य के गुणों से भरपूर है बथुआ, जानिए इसके फायदे

सर्दी के मौसम में आपको ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए जो शरीर को गर्म रखने के साथ-साथ बीमारियों से भी बचाएं। ठंड के मौसम में आपको कई तरह समस्याएं जैसे शरीर के कई हिस्सों में दर्द होना, पुरानी चोट में तकलीफ, त्वचा में रूखापन, बदहजमी और जोड़ों का दर्द का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बथुआ सब्जी का सेवन इन सभी समस्याओं को दूर कर सकता है। इस सब्जी को अपनी डाइट में शामिल करके आप इन परेशानियों से छुटकारा पा सकते है। इसके अलावा बथुआ सब्जी का सेवन आपको पथरी से लेकर दिल की बीमारियों से बचाता है।

1. गुर्दे की पथरी : गुर्दे में पथरी को बाहर निकालने के लिए बथुआ सब्जी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इसके रस में शक्कर मिलाकर पीने से पथरी जल्दी गल जाती है।

2. लीवर: विटामिन्स और आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर इस सब्जी का साग बनाकर रोजाना खाने से लीवर मजबूत होता है। इससे आप लीवर के रोगों से बचे रहते है।

3. दिल की बीमारी: बथुआ सब्जी की लाल पत्तियां खाने से दिल की बीमारियां और हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। इसके अलावा रोजाना इसका सेवन दिल को स्वस्थ रखता हैं।

4. जलने की चोट : अगर आप कहीं से जल जाए तो बथुए के पत्तों को पीसकर इसका लेप लगाएं। इससे जलन के दर्द से तुंरत आराम मिल जाएगा और जले की चोट भी जल्दी ठीक होगी।

5. कब्ज : बथुए का रस रोजाना पीने से कब्ज और एसीडिटी की समस्या दूर होती है। इसके अलावा इसका उबला हुआ पानी पीना भी सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

6. इम्यून सिस्टम : विटामिन्स, मिनरल्स, कॉपर, मर्करी और गोल्ड के गुणों वाली बथुआ सब्जी में दही मिलाकर खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। हेल्दी डाइट के लिए यह सबसे ऑप्शन है।

प्रैग्नेंसी में बदलते मूड को कैसे रखें खुशनुमा

गर्भावस्था औरतों के लिए बहुत अच्छा अनुभव है। इस समय औरत को एक ओर तो मां बनने की खुशी और दूसरी और शरीर में आने वाले बदलाव रोमांचित करते हैं। यह बात सही है कि गर्भावस्था बहुत अच्छा अनुभव हैं लेकिन इस दौरान शरीर में होने वाले हार्मोंस एस्टोजन के कारण मां बनने वाली महिला को कई तरह के मानसिक और शारीरिक बदलावों से भी गुजरना पड़ता है, जिससे उसके अंदर भावात्मक उतार-चढाव होता रहता है। एक ही पल में खुशी और दूसरे पल परेशानी या चिंता का कारण हार्मोंस ही होते हैं। मूड में बदलाव होना प्रैग्नेंसी पीरियड का सामान्य सा हिस्सा है और यह स्थाई नहीं होता। पहली तिमाही के बाद परेशानी और चिंता से राहत मिलने लगती है। आप भी अपने बदलते व्यवहार से चिंतित हैं तो जानिए, इसे खुशनुमा रखने के कुछ उपाय

गर्भावस्था के दौरान मूड को सही रखने के तरीके

- **पर्याप्त नींद लें:** प्रैंग्नेंसी में आराम बहुत जरूरी है क्योंकि इस दौरान शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। इसके साथ ही भ्रूण का विकास भी होता है। अगर आराम नहीं करेंगे तो थकावट महसूस होगी जिससे स्वभाव चिड़चिड़ा भी होगा। दिमागी और शारीरिक थकान मानसिक परेशानी का कारण बन सकती है। सबसे अच्छा तरीका है कि काम के साथ-साथ बीच-बीच में थोड़ा आराम करते रहें। कम से कम 8 से 9 घंटे की नींद जरूर लें। थकावट कम होगी तो आपका मूड भी खुशनूमा बना रहेगा।
- **स्वस्थ्य और संतुलित आहार:** भूखे रहने से अजीब सी बैचेनी होती हैं और शरीर में एनर्जी होने लगती हैं जिससे स्वभाव में भी सुस्ती आ जाती है। भूखे रहने से शरीर में रक्त शर्करा की कमी सेहत पर बुरा असर डाल सकती हैं। अपने खाने का खास ख्याल रखें क्योंकि आपके खाने-पीने से ही बच्चे का भी विकास होगा। संतुलित आहार जैसे हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, सलाद, जूस आदि को अपने खाने में जरूर शामिल करें। एक बार खाने की बजाएं थोड़ी-थोड़ी देर के अंतराल में कुछ न कुछ खाते रहें। इससे मानसिक परेशानी से भी बचाव रहेगा।
- **पति और दोस्तों के साथ बिताएं समय:** गर्भावस्था में अकेले बैठे रहने से भी तनाव बढ़ता है,जिसका सीधा असर आपके मूड पर भी पडेगा। इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका है कि अपने पार्टनर के साथ समय बिताएं। कभी-कभी दोस्तों के साथ मस्ती करें। पार्टी करें,एक साथ फिल्में देखें और पुरानी यादों को ताजा करें। इससे आप खुश और फ्रेश रहेंगी।
- **अपने शौंक को पूरा करें:** प्रैग्नेंसी पीरियड्स के दौरान आपके पास अपना शौंक पूरा करने का बहुत अच्छा समय होता है। आप पेंटिग करके, किताबें पढ़कर, म्यूजिक सुनकर या फिर डायरी लिखकर भी अपने मूड को अच्छा रख सकती हैं। कुछ महिलाएं अपने आपको एनर्जैटिक रखने के लिए अपने बैबी बम्प पर भी खूबसूरत कलरफुल पेंटिंग करवाती हैं।
- **बॉडी मसाज करवाएं:** थकान से आपका मूड आलसी हो जाता है। शरीर को आराम देने के लिए हल्की-फुल्की मालिश जरूर करवाएं। हाथों-पैरों में स्वैलिंग आ जाती हैं। ऐसे में पैडीक्योर और मैनीक्योर करवाने से भी बहुत आराम मिलता है।
- **समय निकाल कर जरूर टहलने जाएं:** सारा दिन घर बैठकर भी बोरिंग लगने लगता है। हर रोज दिन में एक टाइम निश्चित कर लें और आधे घंटे के लिए पार्टनर के साथ जरूर टहलने जाएं।

योग और मेडीटेशन

प्रैग्नेंसी के दौरान भारी काम करने से परहेज करें लेकिन खुद को एक्टिव रखने के लिए योग और मेडीटेशन का सहारा लें। हल्का-फुलका व्यायाम मूड को अच्छा और फ्रैश रखता है। मेडीटेशन से मानसिक परेशानी दूर हो जाती है। यह होने वाले बच्चे के लिए भी अच्छा रहता है।

पुरुषों के लिए भी जरूरी हैं ये चीजें

अमूमन पुरुष सौंदर्य को लेकर उतने सजग नहीं होते जितनी महिलायें होती हैं। यहां तक कि पुरुषों के शेविंग किट में भी सभी जरूरी चीजें नहीं होती हैं। लेकिन भले ही पुरुष ग्रूमिंग के उत्पादों को लेकर बहुत अधिक ध्यान नहीं देते फिर भी उनके बॉथरूम कैबिनेट में कुछ जरूरी चीजें जरूर होनी चाहिए। इन चीजों से आपकी त्वचा में निखार तो आएगा साथ ही आपको त्वचा संबंधी समस्यायें भी नहीं होंगी। आइए हम आपको बताते हैं कि पुरुषों के बाथरूम कैबिनेट में क्या-क्या होना चाहिए।

जरूरी है बॉडी वॉश

सुबह नहाना जितना जरूरी है उससे कहीं अधिक जरूरी है सही तरीके से नहाना, क्योंकि अगर आप सही तरीके से स्नान नहीं करेंगे तो आपका शरीर पूरी तरह से साफ नहीं होगा और बैक्टीरिया आपके शरीर में होंगे ही। इसलिए अपने बाथरूम में एमिनो एसिड युक्त बॉडी वॉश जरूर रखें। इससे पूरे दिन आपकी त्वचा को नमी मिलेगी और त्वेचा में रूखापन नहीं आएगा।

शैंपू और कंडीशनर

बालों को झड़ने से बचाने के लिए और बालों संबंधित दूसरी समस्या से बचाने के लिए जरूरी है, कि नियमित रूप से बालों की सही तरीके से देखभाल की जाए। अमूमन पुरुष बाल धोने के लिए शरीर में लगाने वाले साबुन का प्रयोग करते हैं जो बालों को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए नियमित रूप से शैंपू और कंडीशनर का प्रयोग पुरुषों के लिए करना भी जरूरी है। शैंपू और कंडीशनर से स्कैल्प माइश्चराइज होता है और बालों के झड़ने की समस्या नहीं होती।

अच्छी गुणवत्ता वाला रेजर

शेव करने के लिए पुरुषों को रेजर की जरूरत पड़ती है, लेकिन अगर रेजर अच्छा नहीं है या पुराने स्टाइल का है तो इसके कारण कट लग सकता है या फिर संक्रमण हो सकता है। इसलिए आधुनिक वाले (तीन या पांच ब्लेरड लगे) रेजर का ही प्रयोग करें। इसके अलावा बैटरी वाले ट्रिमर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

शेविंग क्रीम भी जरूरी है

अच्छी और आरामदायक शेव के लिए शेविंग करने से पहले शेविंग क्रीम का प्रयोग करना बहुत जरूरी है। दाढ़ी पर रेजर लगाने से पहले अगर शेविंग क्रीम का प्रयोग न किया जाये तो त्वचा सख्त रहती है जिसके कारण कट लगने की संभावना बढ़ जाती है और साथ ही रेजर के संपर्क में आने से त्वचा पर रैशेज भी पड़ सकते हैं। इसलिए पुरुषों को उनके किट में शेविंग क्रीम जरूर रखना चाहिए।

क्लींजिंग जेल

चेहरे की त्वचा शरीर के दूसरे अंगों की तुलना में अधिक मुलायम और संवेदनशील होती है। अगर चेहरे पर सामान्य साबुन का प्रयोग किया जाए तो इससे त्वचा की नमी कम होती है और त्वचा ड्राई हो जाती है। इसलिए त्वचा की प्राकृतिक नमी बरकरार रखने के लिए क्लींजिंग जेल का प्रयोग करना चाहिए।

मॉइश्चराइजर

माइश्चराइजर केवल उन लड़कों के लिए नहीं है जिनकी स्किन ड्राई होती है। जबकि मॉइश्चराइज का प्रयोग सभी के लिए बहुत जरूरी होता है। दरसअल सूर्य से निकलने वाली अल्ट्रा वॉयलेट किरणें त्वचा को नुकसान पहुंचाती है, इससे बचने के लिए एसपीएफ15 वाला मॉइश्चराइजर क्रीम का प्रयोग करना बहुत जरूरी है।

टूथपेस्ट और टूथब्रश

मुंह और दांतों को बीमारी से बचाने के लिए नियमित ब्रश करना बहुत जरूरी है। लेकिन अगर सही ब्रश और टूथपेस्ट का प्रयोग न किया जाए तो दांत अच्छे से साफ नहीं हो पाते और दांतों में संक्रमण हो सकता है। इसलिए ऐसे ब्रश का चुनाव कीजिए जो मुलायम हो और दांतों पर अधिक दबाव न पड़े। ऐसे टूथपेस्ट का प्रयोग कीजिए जिसमें सोडियम क्लोराइड हो जो कि कैविटी से बचाता है।

डियोड्रेंट भी जरूरी है

अच्छी सुगंध सबको अपनी तरफ खींचती है। इसलिए डियोड्रेंट का प्रयोग करना भी जरूरी है। आपका डियोड्रेंट ऐसा हो जो आपके कपड़े पर दाग न लगाए और न ही उसमें ऐसे केमिकल हों जो त्वाचा को नुकसान पहुंचाएं। इसलिए अपने बाथरूम में अच्छी गुणवत्ता वाला डियोड्रेंट प्रयोग करें।

इन 5 ग्रुमिंग टिप्स से पुरूष दिखेंगे हैंडसम और स्मार्ट

क्या कोमल त्वचा पर सिर्फ महिलाओं का ही अधिकार है? क्या पुरुषों पर केवल कटीली दाढी ही अच्छी लगती है? ऐसा बिल्कुल भी नहीं है, स्त्री और पुरूष दोनों को ही अपनी त्वचा का ख्याल रखने का अधिकार है। सभी खुद को खूबसूरत और आकर्षक बना सकते हैं। आज हम

पुरूषों के लिए ऐसे टिप्स लेकर आए हैं जिससे वे हैंडसम और स्मार्ट दिखेंगे।

* **शेविंग के बाद–** शेविंग के बाद अपने चेहरे पर क्रीम या लोशन लगाना न भूलें। सिर्फ यही नहीं नहाने के बाद भी क्रीम लगाएं साथ ही सर्दियों में तो अपनी त्वचा का विशेश ख्याल रखें।

* **त्वचा को रखें साफ–** अपनी त्वचा को साफ करना बहुत जरुरी है क्योंकि महिलाओं के मुकाबले आदमियों की त्वचा की तेल ग्रंथी काफी सक्रिय रहती है। इसलिए आदमियों की त्वचा पर ब्लैकहेड आ जाते हैं और वह ऑयली हो जाती है।

* **सोने से पहले–** सोने से पहले अपने चेहरे पर ऑलिव आइल यानी की जैतून का तेल लगाना कभी न भूलें। इसके साथ ही नहाने के बाद भी बादाम के तेल से मसाज भी करें।

* **मॉश्चराइज़र–** इसके साथ ही सर्दियों में बॉडी लोशन और गर्मी के मौसम में धूप में निकलते समय सनस्क्रीन और लगाना कभी न भूलें।

* **स्क्रब करें–** अपने चेहरे को हफ्ते में दो बार स्क्रब करें जिससे चेहरा स्मूथ और कोमल बना रहें। इससे चेहरे पर जमीं गंदगी साफ हो जाती है। चेहरा ग्लो करने लगता है।

वर्कप्लेस पर ये बातें न करें...

वर्क प्लेस पर आपको बेहद सावधान और सतर्क रहने की जरूरत होती है। अगर आप अपने कार्यस्थल पर कुछ विवादित टॉपिक पर बातचीत करते हैं तो सहकर्मियों के बीच आपकी इमेज अप्रिय बन जाती है। इसलिए इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि कार्यस्थल पर विवादित विषयों और चर्चाओं से बचे।

धार्मिक विश्वास पर चर्चा

कार्यस्थल पर अपने धार्मिक विश्वास पर चर्चा करने से हमेशा बचें। इसके अलावा किसी भी धर्म की बुराई और उस पर वाद-विवाद की स्थिति से हमेशा दूर रहना चाहिए। हम यह नहीं कह रहे हैं कि कार्यस्थल पर अपने धर्म को छुपा कर रखें। आप अपने धर्म पर गर्व करें लेकिन किसी दूसरे धर्म पर विवादित बातचीत न करें।

राजनीतिक विषय पर चर्चा

अक्सर लोग अपने राजनीतिक विश्वास के प्रति भावुक हो जाते हैं और कार्यस्थल पर लंबी राजनीतिक वाद-विवाद और चर्चा छेड़ देते हैं। ऐसा करने से हमेशा बचना चाहिए। अपने वर्क प्लेस पर अपने पसंदीदा नेता की अच्छाई और विपक्ष की बुराई जैसी चर्चाओं से दूर रहें इससे कार्य में खलल पड़ता है।

अंतरंग जिंदगी की चर्चा

कार्यस्थल पर अपने निजी और अंतरंग जीवन के बारे में बातचीत न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे दूसरे व्यक्तियों को असहज की स्थिति से दो चार होना पड़ता है। ऐसा भी हो सकता है कि आपको हरासमेंट की स्थिति का सामना करना पड़े। इसलिए, कार्यस्थल पर अपनी निजी जिंदगी और अंतरंग जीवन पर बातचीत न करें।

रेसिपी

मुगलई पराठा

सामग्री

मैदा :100 ग्राम ,नमक: 1/2 टीस्पून
चीनी:1/2 टीस्पून , तेल: 1 टेबलस्पून
गर्म पानी: 80 मिलीलीटर
तेल: 1 टेबलस्पून ,अंडा: 2 मटन कीमा: 50 ग्राम ,प्याज: 2 टेबलस्पून, हरी मिर्च: 1 टीस्पून ,अदरक: 1 टीस्पून, धनिया: 1 टेबलस्पून ,मूंगफली- 1 टेबलस्पून, ब्रेड क्रम्बस: 2 टेबलस्पून नमक: 1 टीस्पून

विधि

–एक बाउल में 100 ग्राम मैदा, 1/2 टीस्पून नमक, 1/2 टीस्पून चीनी और 1 टेबलस्पून तेल डालकर मिक्स करें। अब इसमें 80 मिलीलीटर पानी डालकर नरम आटे की तरह गूंथ लें। इस पर 1 टेबलस्पून तेल लगाकर 30 मिनट के लिए रख दें। दूसरे बाउल में 2 अंडे, 50 ग्राम मटन कीमा, 2 टेबलस्पून प्याज, 1 टूस्पून हरी मिर्च, 1 टीस्पून अदरक, 1 टेबलस्पून धनिया, 1 टेबलस्पून भूनी हुई मूंगफली, 2 टेबलस्पून ब्रेड क्रम्बस और 1 टीस्पून नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसे समतल सतह पर रख कर बेलन की मदद से प्लेन बेल लें। अब इसके अंदर आयताकार शेप में मिलाकर डाल लें। इसके बाद इसे दोनों तरफ से फेल्ड करके हल्का सा दबाएं। इसकी बाद दूसरी तरफ से भी फोल्ड करके हल्का-सा दबा दें, ताकि यह खुल न जाए। एक पैन में तेल गर्म करके उसमें इस पराठें को गोल्डन बाउन और क्रिस्पी होने तक फाई करें। आपका मुगलाई पराठा बन कर तैयार है। अब आप इसे चटनी के साथ सर्व करें।

पनीर समोसा

सामग्री

8 समोसा पट्टियां , **भरावन मिश्रण के लिए:** 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/4 कप बहुत बारीक कटे प्याज, 1 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 कप बहुत बारीक कटी शिमला मिर्च, 1 1/2 टी-स्पून अमचूर पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 कप बहुत बारीक कटा पनीर, नमक , स्वाद अनुसार, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हरा धनिया, **परोसने के लिए:** पुदीना चटनी

विधि

भरावन मिश्रण के लिए: एक चौड़े पैन में तेल गरम कीजिए। जीरा डालिए। जब ज़ीरा चटकने लगे तो प्याज और अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भूनिए। शिमला मिर्च, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, पनीर, नमक तथा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाइए। मध्यम आंच पर और 2 मिनट भूनिए। पूरी तरह ठंडा कीजिए और मिश्रण को बराबर 8 भागो में बांटकर एक तरफ रख दीजिए।

कैसे आगे बढ़े: समोसा पट्टी को सूखी, साफ, समतल जगह पर रखिए। पट्टी के एक कोने पर 1 भाग भरावन मिश्रण रखिए और तीकोण के रूप में मोडिए। किनारों पर थोडा पानी लगाकर समोसे को बंद कर दीजिए। (नीचे दिए गए चित्रों की सहायता लीजिए)। शेष बची सामग्री और पट्टियों से यही प्रक्रिया दोहराते हुए बाकी 7 समोसे बनाइए। एक कड़ाही में तेल गरम कीजिए और थोड़ा-थोड़ा करके समोसों को चारों तरफ से भूरा होने तक तल लीजिए। तेल सोखनेवाले कागज पर निकालिए और पुदीना चटनी के साथ गरमा गरम परोसिए।

यंगस्टर्स की च्वॉइस बने मोटे फ्रेम के चश्मे

स्कूल या कॉलेज डेज में आपने अपने फ्रेंड्स और क्लासमेट्स को चश्मिश या बैट्री जैसे नाम तो कई बार दिए होंगे। अक्सर इस तरह की चुटकी का हिस्सा बनने वाले लोगों का चश्मा ही अब उनके स्टाइल स्टेटमेंट बन गया है। 70 और 80 के दशक में पॉपुलर मोटे फ्रेम वाले चश्मों का दौर एक बार फिर से वापस आ गया है। फिर चाहे ये जवानी है दीवानी की दीपिका पादुकोण हों या टू स्टेट्स के आशिक मिजाज अर्जुन कपूर हों। जब स्टार्स इस तरह के मोटे फ्रेम वाले चश्मों से अपने चाहने वालों को इंप्रेस कर रहे हैं

चेहरे के अनुसार खरीदें फ्रेम

रविराज ने बताया कि चश्मे का फ्रेम पसंद करते समय सबसे पहले देखिए कि आपको कैसा फ्रेम चाहिए। अपने दोस्तों, परिवार वालों से भी पूछें कि आपके ऊपर किस तरह का फ्रेम आपकी सुंदरता को और बढ़ाएगा। क्योंकि चश्मा आपकी खूबसूरती का भी हिस्सा है इसलिए जो भी फ्रेम खरीदें, वह आपके चेहरे पर फिट होने के साथ पर्सनैलिटी पर भी सूट करना चाहिए। उन्होंने बताया कि पहले चश्मा लगाना बेशक मजबूरी रही हो, पर अब यह खास तौर से युवाओं में फैशन का हिस्सा बनते जा रहे हैं। अब खुद को स्टाइलिश दिखाने की चाहत में युवा चश्मा पहनने लगे हैं। कोई आंखों की कमजोरी के कारण चश्मा पहनता है तो कोई यूं ही स्टाइल स्टेटमेंट के लिए। अब कारण चाहे जो भी हों यूथ में चश्मों को लेकर भी काफी क्रेज है। ज्यादातर युवा स्टाइलिश फ्रेम वाले चश्मे पहने दिखते हैं। लेकिन कुछ लोग आज भी यही सोच रखते हैं कि चश्मा पहनना बहुत बोरिंग है। लेकिन अब हकीकत में ऐसा नहीं है। अगर आप थोड़ी सूझबूझ के साथ अपने रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि को ध्यान में रखकर अपने लिए चश्मे का फ्रेम चुनेंगे तो आपकी खूबसूरती और भी निखर कर सामने आएगी।

लोगों का बढ़ा क्रेज

पहले जो चश्मे मार्केट में अवेलेबल होते थे उन्हें देखकर निराशा होती थी। वे ठीक वैसे ही थे कि उन्हें पहनने के बाद खुद की लुक्स के लिए निगेटिव सोच आ जाती थी, पर अब ऐसा नहीं है। चश्मे के प्रति लोगों के बढ़ते क्रेज के चलते कई देसी विदेशी ब्रांड के चश्मे बनाने वाली कई कंपनियां बाजार में उतर आई हैं। लोगों के सामने ढेरों विकल्प हैं। अब बोल्ड लुक वाले और रंगीन फ्रेम के चश्मे भी लोकप्रिय हो रहे हैं। सेलिब्रिटीज में तो ये आम हैं। मोटे फ्रेम वाले चश्मे जिन्हें लोग पसंद नहीं करते थे, वे अब फिर से लोकप्रिय होने लगे हैं। अब तो लोग अलग-अलग रंगों के कई-कई जोड़ी चश्मे भी रखने लगे हैं, ताकि कपड़ों के रंग के हिसाब से मैच करते फ्रेम वाले चश्मे पहने जा सकें

हीरो-हीरोइन ने बढ़ाई डिमांड

चश्मों का ट्रेंड फिल्मों के साथ बदलता जा रहा है। 'जय हो' में सलमान खान का रंग-बिरंगा चश्मा भी मार्केट में खूब छाया हुआ है। 'कमबख्त इश्क' में करीना कपूर का चश्मा भी गर्ल्स में खूब पॉपुलर है । दीपिका का चश्मा वाला नया लुक गर्ल्स को अट्रैक्ट कर रहा है। अनिल कपूर, ऋतिक रोशन, शाहरुख खान, प्रतीक बब्बर, अनुष्का शर्मा व महेंद्र सिंह धोनी ने स्टाइलिश चश्मा पहना।

बालों के रंग का भी है महत्व

चश्मे का रंग आपके बालों को कांप्लिमेंट करता है, तो आप स्टाइलिश लगेंगे। अगर बाल काले या गाढ़े भूरे हैं,तो आप डार्क शेड्स, बोल्ड कलर्स और एक से अधिक शेड्स के कांबिनेशन वाले चश्में पहन सकते हैं। अगर आपके बाल हल्के भूरे रंग के हैं तो मेटल या पेस्टल शेड्स के लाइट फ्रेम आप पर अधिक फबेंगे।

आंखों के लिए चश्मा जरूरी

अमेरिकन ऑप्टीकल्स के संचालक रवि राज ने बताया कि सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों के रैटिना पर सीधा प्रभाव डालती हैं। धूलमिट्टी, हवा में मौजूद बैक्टीरिया आंखों को नुकसान पहुंचाते हैं। चश्मा आंखों पर कवच के रूप में काम करता है, आंखों को इन सब परेशानियों से दूर रखता है। आंखों की सुरक्षा के लिए चश्मा बहुत ही जरूरी होता है, लेकिन इस का चुनाव बहुत ही सोचसमझ कर करना चाहिए। सस्ते किस्म का लैंस आंखों की सुरक्षा करने में सफल नहीं होता है।

टिप्स

कुछ हफ्तों में ही दूर होंगे स्ट्रेच मार्क्स, अपनाएं ये असरदार उपाय

वजन कम करने के बाद कुछ महिलाओं को स्ट्रेच मार्क्स (Stretch Marks) की समस्या झेलनी पड़ती है। यह मार्क्स कई कारणों से हो सकते है। अचानक वजन कम या डिलवरी के बाद वजन कम होने के बाद महिलाओं में यह समस्या देखने को मिलती है। ये शरीर के किसी भी अंग जैसे पेट, हाथ,पैरों की पिंडलियों या जांघ आदि पर हो सकते हैं। इनसे छुटकारा पाने के लिए महिलाएं कई तरह के ट्रीटमेंट और क्रीस का सहारा लेती है लेकिन इनसे स्ट्रेच मार्क्स के निशान दूर नहीं होते है।

अंडा:- स्ट्रेच मार्क्स वाली जगह को अच्छी तरह साफ करके वहां एग व्हाइट लगा उसे सूखने दें। इसके बाद ठंडे पानी से इसे साफ करके जैतून के तेल से मालिश करें। 2 हफ्ते तक ऐसा करने से स्ट्रेच मार्क्स गायब हो जाएंगे।

आलू का रस:- आलू को लैंड करके उसका जूस निकाल कर स्ट्रेच मार्क्स वाली जगहें पर लगाएं। इसके अलावा आप आलू की मोटी स्लाइस को स्ट्रेच मार्क्स पर रब भी कर सकते है। 3 हफ्ते इसे लगाने से निशान दूर हो जाएंगे।

एलोवेरा: एलोवेरा जेल को 15 मिनट तक स्ट्रेच मार्क्स वाली जगहें पर लगाकर ठंडे पानी से साफ करें। इस नेचुरल तरीके से आपको स्ट्रेच मार्क्स से कुछ हफ्ते में ही छुटकारा मिल जाएगा।

मसाज करना: जैतून, अरंडी, बादाम, नारियल, एवोकाडो और वीट जर्म आयल से 10 मिनट मसाज करने से भी स्ट्रेच मार्क्स गायब हो जाते है। इसके अलावा आप कोकोआ मक्खन और शिया मक्खन से भी मसाज कर सकती है।

धीरे-धीरे वजन कम करना: तेजी से वजन कम करने के कारण भी त्वचा पर स्ट्रेच मार्क्स पड़ जाते है। इसलिए तेजी की बजाए धीरे-धीरे वजन कम करें। इसके अलावा वजन कम करते समय जंक फूड और शुगर से दूर रहें।

बॉडी हाइड्रेट करना: मोटापा कम करते समय शरीर को हाइड्रेट से स्ट्रेच मार्क्स नहीं पड़ते। इसके लिए वजन कम करते समय दिन में 3-4 लीटर पानी, हर्बल चाय, फ्रूट जूस और वेजिटेबल जूस का सेवन करें।

पोशाक को लेकर युवाओं में बढ़ता फैशन का क्रेज

फैशन को लेकर युवा पीढ़ी कुछ ज्यादा ही संजीदा है। वक्त के साथ बदलते फैशन पर यह पीढ़ी न सिर्फ नजर रखती है। समय बदलने के साथ फैशन ट्रेड पर नजर रखना और उसे अपनाने की होड़ में यह सबसे आगे रहते है। जूते परिधान का अहम हिस्सा होते हैं। सही जूतों के बिना स्टाइल स्टेटमेंट अधूरा ही रहता है। हालांकि जूते का सबसे जरुरी काम पैरों को गंदगी और चोट आदि से बचाना है, लेकिन ये सुरक्षा व सहूलियत के अलावा आपके स्टाइल स्टेटमेंट और पूरे पहनावे को पूर्णता प्रदान करते हैं। जूतों के अलग-अगल डिजाइन का प्रयोग अब केवल महिलाएं ही नहीं बल्कि पुरुष भी अलग-अलग डिजाइन के जूतों को प्रयोग अलग-अलग मौकों पर करते हैं।टीवी सीरियल या सिनेमा में कोई भी नया फैशन आया नहीं कि युवाओं को इसे अपनाने में देर नहीं लगती। जाहिर सी बात है कि समाज में अपने आप को बनाये रखने के लिये जमाने के साथ चलना है। इस बात का भी डर है कहीं पिछड़ न जायें। युवक बाइक, कार, कपड़ों के साथ मैचिंग के जूते, चप्पल, हेयर कट, पर्स, हेयर पिन, ज्वैलरी आदि बहुत सी चीजें हैं। जिसे लेकर युवा दीवानगी की हद तक गुजर जाने को तैयार रहते हैं। युवकों में डिजाइनदार और लेटेस्ट स्पोर्ट शू की मांग ज्यादा है। फैशन के हिसाब से मांग बढ़ती और घटती रहती है। लड़के हों या लड़कियां जींस की मांग सबसे ज्यादा है। साथ ही लड़कियों में लेगीज कुर्ती की भी खूब मांग है। अक्सर ऐसा होता है कि बाजार में नये डिजाइन आते ही मांग शुरू हो जाती है।

मौकों के हिसाब से जूतों का चुनाव

यदि मौके के हिसाब से आपका फुटवेयर सुंदर है तो यह आपके स्टाइल और लुक में में चार चांद लगा देगा। यूं तो हर स्टाइल का जूता अपने आप में खास होता है और यह खास किस्म के ड्रेसिंग और अवसर के लिए ही उपयुक्त होता है।

क्यों है सही चुनाव ज़रूरी

कई बार आपको संड़े के दिन भी ऑफिशियल काम पर जाना पड़ सकता है, या फिर कोई हाफ-फार्मल-हाफ-कैजुअल वाले इवेंट को भी अटैंड करना पड़ सकता है। तो ऐसे में दुविधा में न पड़ जाते कि फार्मल पहनें या लोफर, या फिर कैजुअल। एक ऐसा वार्डरोब बनाएं जो हर अवसर के लिए आपकी जरूरतों को पूरा करे। ये आपको आखिरी समय की कशमकश से बचाएगा।

फॉर्मल लेदर शूज

फॉर्मल लेदर शूजजब भी टक्सीडो के लिए उपयुक्त जूते की बात आती है तो विकल्प काफी कम नज़र आते हैं। सूट के साथ पहनने वाले जूतों के बनिस्पद आप नहीं चाहेंगे कि आपके शूज़ में अतिरिक्त सिलाई हो। फॉर्मल शूज को फीतों के अलावा पूरी तरह से प्लेन होना चाहिए और वे चमकदार भी होने चाहिए। लेकिन अगर आप पैटेंट लेदर में सहज महसूस नहीं करते हैं तो चमकरहित काले लेदर के जूते भी पहन सकते हैं।

बिजनेस शूज

सूट के साथ जूते पहनने का पहला नियम है कि जूते लेदर के हों, न सिर्फ ऊपरी हिस्सा बल्कि सोल भी। ऐसे जूते न पहनें जिनका ऊपरी हिस्सा लेदर का और सोल भद्दे रबर का। लेदर के जूते की तुलना में ये उतने फार्मल नहीं होते हैं। फीते वाले जूते को पुरुषों के लिए बेस्ट फार्मल माना जाता है।

बिजनेस कैजुअल शूज

जब बात बिजनेस कैजुअल शूज की आती है तो मामला काफी अलग हो जाता है। पिकनिक, फार्मल संडे ब्रंच आदि कई ऐसे मौके होते हैं जहां जींस और ब्लेजर के साथ सेमी फार्मल पहनना पड़ता है। तो अगर आप कैजुअल पैंट, डेनिम या शॉर्ट्स पहनेंगे तो आपका ड्रेस शूज काम नहीं आएगा। तो अगर आप कैजुअल ड्रेस में प्रोफेशनल लुक भी चाहते हैं तो लेदर से बने बूट शूज या लोफर पहन सकते हैं।

सफर के दौरान शूज

सफर के दौरान लोफर को फार्मल जूता बनाया जा सकता है। सफर करने वाले प्रोफेश्नल्स के लिए लोफर शूज सबसे अच्छे होते हैं। ये बेहद आरामदेह होते हैं और आप इन शूज को आसानी से खोल और पहन सकते हैं। लोफर शूज जींस और पैंट के साथ भी बेहतरीन लुक देते हैं।

वर्कआउट के हिसाब से शूज

वर्कआउट के समय इसके हिसाब से ही जूते चुनें। जैसे दौड़ने वाले जूते बास्केटबॉल और टेनिस के जूतों से अलग होते हैं। वहीं दौड़ते वक्त ऐसे जूते पहने जो आपके पैरों को सही ग्रिप और घुटनों को सही सपोर्ट दें। हमेशा ऐसे जूते चुनें जिनकी ग्रिप अच्छी हो, वे पैरों में अच्छे से फिट हों और उनका वजन भी अधिक न हो।

आहार

सर्दियों में खाएंगे शकरकंद तो मिलेंगे ढेरों फायदे

सेहत को अच्छा रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करना बहुत जरूरी है। बहुत से लोग फिटनेस के लिए एक्सरसाइज और योग का सहारा लेते हैं लेकिन जब तक अच्छी डाइट को आहार में शामिल नहीं करेंगे कोई फायदा नहीं होगा। सर्दी के मौसम में लोग शक्रकंदी यानि स्वीट पोटैटो खाना बहुत पसंद करते हैं। इसकी चटपटी चाट खाने में जितनी टेस्टी होती है सेहत के लिए भी उतनी ही फायदेमंद भी है। आप शक्रकंदी को उबालकर या भून कर खा सकते है। आइए जानें इसके गुणों के बारे में।

विटामिन का खजाना शकरकंद में

शकरकंद में काबरेहाइड्रेट, फाइबर, विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन सी मिलता है। इसकासेवन करने से बहुत-सी समस्याओं से बचा जा सकता है।

बच्चों का शारीरिक विकास

बढ़ते हुए बच्चों के लिए शकदकंदी बहुत जरूरी होती है। अगर बच्चों की ग्रोथ अचानक रुक जाए तो को शकरकंद का सेवन करवाना शुरू कर दें। इससे बच्चों को सारे पोषक ततेव आसानी से मिलेगे और शारीरिक विकास भी अच्छी तरह से होगा।

आंखों की समस्या से छुटकारा

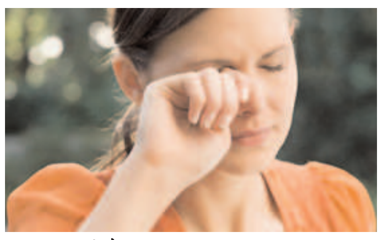

इसमें विटामिन ए की भरपूर मात्र पाई जाती है जो आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। कुछ लोगों को रात के समय कम दिखाई देता है। शक्रकंदी खाने से इस समस्या से राहत मिलती है।

दिल और हड्डियां मजबूत

दिल और हड्डियां मजबूतआजकल लोगों में दिल और हड्डियों की परेशानी आम सुनने को मिल रही है। इसे खाने से हड्डिया मजबूत होती है और दिल की बीमारियों से भी राहत मिलती है।

जीतना है सास का दिल तो अपनाएं ये आसान ट्रिक

सास और बहू के रिश्ते में तकरार और नोक-झोंक के साथ-साथ प्यार भी होता है। इसके बावजूद भी शादी से पहले लड़कियां सोचती है कि किस तरह से सास का दिल जीता जाए। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं। आज हम आपको शादी के बाद किन आसान तरीकों से आप अपनी सास का दिल आराम से जीत सकती है।

तुलना करना

अपनी सास का दिल जीतने के लिए उनकी तुलना अपना मां से न करें। इसकी बजाए आप अपनी सास को उन्ही की तरह समझने की कोशिश करें।

तारीफ करना

तारीफ सुनना तो हर महिला को पंसद होता है। ऐसे में अपनी सास को थोड़ा सा मक्खन लगा कर आप उन्हें अपनी तरफ कर सकती है।

गिफ्ट देना

अपनी सास को खुश रखने के लिए किसी फंक्शन या विदाउट फंक्शन कोई अच्छा सा गिफ्ट देती रहें। इससे आपकी सास भी आपके प्यार को समझने लगेगी।

बातें शेयर करना

सास को मां की तरह ही समझ कर उनसें हर बात शेयर करने से आपके बीच विश्वास बढ़ेगा और रिश्ता मजबूत होगा। इसके अलावा ससुराल में किसी तरह की समस्या होने पर भी पहले सास के साथ बात करें।

सलाह लेना

कोई भी छोटा-बड़ा फैसला लेने से पहले अपनी सास से सलाह जरूर लें। इससे आप दोनों के रिश्ते में विश्वास के साथ-साथ मजबूती भी आएगी।

मिलकर करें किचन का काम

आजकल की ज्यादातर महिलाएं शादी के बाद भी ऑफिस जाना पंसद करती है। ऐसे में अपनी सास के लिए थोड़ा सा टाइम निकाल कर किचन में हाथ बढ़ाए। इससे आपकी सास खुश हो जाएगी।

सीरियल्स की बाते

अक्सर सास को टीवी सीरियल्स की बात करने के लिए कोई ना कोई चाहिए होता है। ऐसे में आप उनसे सास-बहू सीरियल्स की बात करके उनके और भी करीब आ सकती है।

हर बात मानना

सास की हर छोटी-बड़ी बात मान कर भी आप अपनी सास को खुश कर सकती है। क्योंकि हर सास चाहती है कि उसकी बहू उनकी हर बात को सुनें और मानें।

ऐसे सजाएं अपनी आंखों को

आज कल सभी महिलाएं अपने आप को खूबसूरत देखना चाहती हैं। आंखे चेहरे की खूबसूरती का एक अहम हिस्सा है, आंखों की खूबसूरती से चेहरे पर एक अलग ही निखार आ जाता है और आप अधिक सुन्दर दिखती हैं। अगर आंखों का मेकअप सही ढंग से किया गया है तो चेहरे की खूबसूरती में चार चांद लग जाती है। आंखों के मेकअप के लिए हर मौसम में बेज, गोल्डन और लाइलैक शेड्स बेस्ट होते हैं। इनके साथ टरक्वायज और फूशिया कलर आंखों को खास आकर्षण देता है इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे आंखों के मेकअप के कुछ महत्वपूर्ण ट्रिक्स और टिप्स-

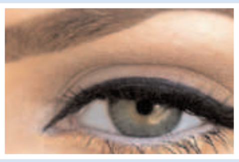

आंखों पर नेचुरल मेकअप के लिए न्यूट्रल शैडो को प्रयोग करें। इसे आइलिड की क्रीज पर यानी आइरिस के ऊपर लगाएं। अगर कोई अन्य कलर ऐड करना चाहती हैं तो वनीला या लाइट कलर से एक स्ट्रोक दें. अच्छी तरह ब्लेंड करें।
दोबारा लिड पर लाइट कलर से स्ट्रोक दें। फिर थोडा डार्क कलर क्रीज लाइन पर लगाएं। अपर और लोअर लैश लाइन पर भी डार्क कलर से कवर दें।
ब्राउन आइलाइनर आंखों के भीतरी कोने से थोडी दूर से शुरू करते हुए बाहरी कोनों से थोडा बाहर तक लगाएं। ताकि आंखें बडी और आकर्षक नजर आएं।
डिफाइनिंग मस्कारा लगाना न भूलें। इसका डबल कोट लगाएं। मस्कारा लगाने से पहले लैश को कर्ल जरूर कर लें।
फैट क्रेयान पेंसिल का इस्तेमाल करें, जो क्रीमी पाउडर टेक्सचर वाली हो। ताकि फैलाने में आसान हो। अपना आई पेंसिल शार्पन करने से पहले फ्रीज कर लें ताकि वह टूटे नहीं।
आंखों के चारों और लाइनर लगा लेने से वे छोटी नजर आती हैं न कि बडी। तो लगाते समय इस बात का ध्यान रखें।

स्मोकी आई लुक मेकअप

स्मोकी आईलुक देने के लिए आंखों में सबसे पहले ब्लैक कलर का काजल और आईलाइनर लगाये। फिर उसके बाद ब्लैक और ब्राउन आईशैडो को एक साथ मिलाकर आईलिड पर लगाएं। अब इसके बाद व्हाइट गोल्ड या कापर कलर से हाईलाइटिंग करें और ऊपर-नीचे की पलकों पर मस्कारा लगाएं।

पिकौक टच आई मेकअप

आंखों को पिकौक टच का लुक देने के लिए आप सबसे पहले मोटा और डार्क काजल और आईलाइनर लगाएं। उसके बाद पर्ल और ग्रीन कलर के आईशैडो को आपस में मिलाकर आईलिड पर लगाएं। आईशैडो को आंखों के चारों तरफ लगाएं यानि काजल के नीचे भी हल्का सा लगाइये। अब इसके बाद ऊपर और नीचे की पलकों में ब्लैक और ग्रीन शेड का मस्कारा एक-एक करके लगाएं। इस तरह आप की आंखे पिकौक टच के साथ आपका खूबसूरती को ऐर बढ़ा देगी।

रेसिपी

क्रिस्पी वेज आमलेट

सामग्री

बेसन: 1 कप, हल्दी: 1/4 टीस्पून
अजवाइन: 1/4 टीस्पून, नमक: स्वादनुसार
पानी: आधा कप, प्याज: 1/2 (बारिक कटा हुआ)
धनियां :2 टेबलस्पून
टमाटर: 1/2 (बारिक कटा हुआ)
अदरक :1 इंच (बारिक कटी हुई)
हरी मिर्च: 1 (कटी हुई)
ऑयल: 5 टीस्पून

विधि

एक बाउल में बेसन, हल्दी, अजवाइन, नमक और पानी डालकर अच्छी तरह ब्लैंड करके 30 मिनट के लिए मेरिनेट होने के लिए रख दें। इसके बाद इसमें प्याज, टमाटर, धनिया, अदरक और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। एक पैन में हल्का सा ऑयल डालकर इसे फैला कर आमलेट की तरह कुक करें। आपका बेज आमलेट बन कर तैयार है। अब आप इसे हरी चटनी के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

स्प्राउटस् सेन्डविच

सामग्री

8 गेहूं के ब्रेड के स्लाईस, 8 प्याज़ के स्लाईस, 2 स्पून लो-फैट मक्खन, 1 कप उबले मिले-जुले अंकुरित दाने, 2 स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 2 स्पून अदरक-लहसुन पेस्ट, 1 स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 स्पून पाव भाजी मसाला, 2 स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 स्पून काला नमक, 1 1/2 कप बारीक कटे हुए टमाटर, नमक स्वादानुसार, 1/2 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू

विधि

स्प्राउटस् मिश्रण के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, प्याज़ डालकर, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट या उनके पारदर्शी होने तक भून लें। अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर, मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। पाव भाजी मसाला, धनिया-ज़ीरा पाउडर, हल्दी पाउडर, काला नमक, टमाटर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 मिनट तक पका लें। अंकुरित दानें और आलू डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। अंकुरित दानें के मिश्रण को 4 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** एक गेहूं के ब्रेड स्लाईस को सूखे समतल जगह पर रखें और अंकुरित दानें के मिश्रण के एक भाग को उपर फैला लें। 2 प्याज़ के स्लाईस रखकर दूसरे ब्रेड स्लाईस से सेन्डविच बना लें। ग्रिलर को गरम करें और सेन्डविच को 1/2 टी-स्पून लो-फैट मक्खन के साथ सेन्डविच दोनो तरफ से के सुनहरा और करारा होने तक ग्रिल कर लें। दोहराकर 3 और सेन्डविचस् बना लें। तुरंत परोसें।

मुख्यमंत्री नीतीश ने स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव 3.0 का किया उद्घाटन, प्रसिद्ध खिलाड़ियों को किया सम्मानित

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 24 जनवरी 2025 को पटना के होटल ताज में स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव 3.0 का उद्घाटन किया। इस आयोजन ने खेल क्षेत्र में बिहार की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के साथ-साथ देश के प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को सम्मानित कर खेल संस्कृति को प्रोत्साहन देने का काम किया।

कार्यक्रम की शुरुआत खेल विभाग द्वारा राज्य में खेलों के विकास और खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर आधारित वृतचित्र प्रस्तुत करके की गई। मुख्यमंत्री ने इसे सराहते हुए कहा कि बिहार में खेल प्रतिभाओं को पहचान देने और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है।

कॉन्क्लेव में देश-विदेश में अपनी पहचान बनाने वाले प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को शाल और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए खिलाड़ियों में शामिल थे:-

डॉ. दीपा मलिक: पैरा ओलंपिक विजेता और प्रेरणा की प्रतीक। विजेंद्र सिंह: ओलंपिक मेडल विजेता बॉक्सर। पी.आर. श्रीजेश: भारतीय हॉकी टीम के प्रसिद्ध पूर्व गोलकीपर। हरेंद्र सिंह: भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच। शिवकेशवन: छह बार शीतकालीन ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी। शरद कुमार: बिहार के पैरा ओलंपिक विजेता।

जयप्रकाश सिंह और मो. रेयान: अनसंग चैम्पियंस, जिन्होंने खेल के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने इन खिलाड़ियों को प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि उनकी सफलता नई पीढ़ी को खेलों के प्रति उत्साहित करेगी।

कार्यक्रम में खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेंदर, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार और कुमार रवि, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रण शंकरण और खेल विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में राज्य में खेलों के विकास को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि बिहार में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हमें उनके लिए बेहतर संसाधन, प्रशिक्षण और प्रोत्साहन देने की जरूरत है। राज्य सरकार इसके लिए प्रतिबद्ध है और खेलों के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ कर रही है।

मोकामा गोलीकांड के आरोपी सोनू सिंह ने किया सरेंडर पुलिस ने अनंत सिंह के एक समर्थक को पकड़ा

पटना (एजेंसियां)।

मोकामा गोलीकांड के बाद आरोप सोनू सिंह ने पुलिस दबिश पर सरेंडर कर दिया है। मोकामा गोलीकांड के बाद से पटना पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। सोनू के ऊपर मुंशी के साथ मारपीट करने, उसके घर पर ताला जड़कर और गोलीबारी का आरोप है। शुक्रवार सुबह सोनू ने पंचमहला थाने में जाकर सरेंडर कर दिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। वहीं पटना पुलिस ने अनंत सिंह के समर्थक रोशन सिंह को भी गिरफ्तार किया है।

दरअसल, बुधवार को पंचमहला थाने के नौरंगा गांव में पूर्व विधायक के समर्थकों और मुखिया कुमारी उर्मिला सिन्हा के बेटे व गैंगस्टर सोनू-मोनू के बीच कई राउंड फायरिंग हुई। इस दौरान अनंत सिंह घटनास्थल से चंद कदम दूरी पर ही मौजूद थे। घटना के बाद इलाके में हड़कंप है। पुलिस लगातार कैंप कर रही है। ग्रामीए एसपी विक्रम सिहाग का कहना है कि हालात नियंत्रण में हैं। मौके पर ही पिस्टल और कट्टा बरामद किए गए थे। इस मामले में कुल तीन प्राथमिकी दर्ज की गई है। लोगों से पूछताछ चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इधर, इस घटना के बाद पूर्व विधायक अनंत सिंह ने सोनू और मोनू पर कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। कहा था कि दोनों ने इलाके में आतंक मचा रखा है। मैं केवल समझाने गया लेकिन दोनों गोलीबारी कर फरार हो गए। वहीं सोनू-मोनू की मां और वर्तमान मुखिया ने अनंत सिंह और उनके समर्थकों पर चुनावी रंजिश में गोलीबारी करने का आरोप लगाया है। सोनू ने कहा कि हमलोगों पर ऊपर लगाए गए सारे आरोप बेबुनियाद हैं। जब यह घटना हुई तब हमलोग (सोनू और मोनू) अपने घर पर मौजूद नहीं। हमलोग खेत पर पटवन कर रहे थे।

पारिवारिक विवाद में महिला ने लगाई फांसी, पति फरार, पुलिस जांच में जुटी

पटना (एजेंसियां)।

रोहतास जिले के दरिगांव थाना क्षेत्र के बेलहर गांव में शुक्रवार की रात पारिवारिक विवाद के बाद एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान 32 वर्षीय जीरा देवी के रूप में हुई है, जो अनिल राम की पत्नी थीं। घटना के बाद से परिवार में मातम पसरा हुआ है और मृतका के तीन मासूम बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस बीच महिला का पति अनिल राम मौके से फरार बताया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, जीरा देवी और अनिल राम का विवाह लगभग 12 साल पहले हुआ था। इस दंपति के तीन बच्चे हैं, लेकिन पारिवारिक कलह ने इस रिश्ते को स्थायी शांति नहीं दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। शुक्रवार की रात को भी ऐसा ही एक झगड़ा हुआ, जो इस बार महिला के लिए जानलेवा साबित हुआ। महिला ने आवेश में आकर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मच गया है और मृतका के बच्चे सदमे में हैं।

घटना की सूचना मिलने के बाद दरिगांव थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। थाना अध्यक्ष कपिल देव पासवान ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला पति-पत्नी के बीच विवाद का लगता है। महिला के मायके वालों को सूचना दे दी गई है। घटनास्थल की वीडियोग्राफी कराते हुए कई सबूत संकलित किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, महिला का पति अनिल राम घटना के बाद से फरार है। हालांकि अब तक परिवार की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि आवेदन प्राप्त होते ही प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई तेज की जाएगी।

चुनाव के दौरान जमकर मारपीट, पुलिस ने मतदान स्थल को किया सील

पटना (एजेंसियां)।

बिस्कोमान निदेशक मंडल के चुनाव के दौरान जमकर मारपीट हो गई। चुनाव के दौरान ही दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों ओर से मारपीट हुई। इधर, पटना पुलिस ने फौरान दोनों पक्षों को शांत करवाया। तनाव बढ़ते देख वोटिंग स्थल को सील कर दिया है। किसी भी व्यक्ति को अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है। गांधी मैदान थाना प्रभारी सहित डीएसपी 2 के साथ कई अधिकारी मौजूद हैं। पटना जिला प्रशासन की ओर से 10 मजिस्ट्रेट और 60 सहायक निर्वाचन पदाधिकारी की तैनाती की गई है।

बताया जा रहा है कि प्रत्याशी और विधायक के समर्थकों के बीच पहले तो अंदर जाने के लिए बहस होने लगा इतने में विधायक जी के बॉडी गार्ड ने एक व्यक्ति के ऊपर हाथ चला दिया इतने में मामला तूल पकड़ लिया और जमकर मारपीट शुरू हो गई। वही मौके पर पुलिस पहुँच मामले को शांत कराया।

बता दें कि बिस्कोमान के निदेशक मंडल और अध्यक्ष पद के लिए श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में चुनाव होना है। मतदान सुबह शुक्रवार आठ बजे से शुरू हुआ। यह दो बजे तक चलेगा। तीन बजे तक रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। वोटों की गिनती भी एसके मेमोरियल में ही होगी। इस चुनाव में कुल 33 उम्मीदवार खड़े हैं। इसमें सामान्य श्रेणी ग्रुप 'ए' में विशाल सिंह, विनय कुमार शाही, महेश राय, दिनेश सिंह, नवेंद्र झा, मनोज कुमार, जितेंद्र कुमार, धनंजय गुप्ता, अमानुल्लाह, अयोध्या प्रसाद चौधरी, सुरेश चंद्र सिंह व हरेंद्र नाथ सिंह चौधरी शामिल हैं। वहीं बिस्कोमान के पूर्व अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह के गुट में खुद सुनील कुमार सिंह, वंदना सिंह, रमेश चंद्र चौबे, नेहा चौबे, विनय कुमार, रामकलेवर सिंह, रामविशुन सिंह, आदि शामिल हैं। इस चुनव में विशाल सिंह और राजद नेता व पूर्व अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह के बीच कड़ी टक्कर है।

सुनील सिंह राष्ट्रीय जनता दल के वरीय नेताओं में से एक और लालू परिवार के सबसे करीबी है। वह लंबे समय तक बिस्कोमान के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। कुछ माह पहले ही उन्हें विधान परिषद् से निष्कासित कर दिया गया है। इसके बाद उन्हें सदस्यता गंवानी पड़ी थी। इस बार वह फिर से बिस्कोमान के अध्यक्ष पद के लिए चुनावी मैदान में हैं। वहीं दूसरी ओर उनके प्रतिद्वंदी माने जाने वाले विशाल सिंह बिस्कोमान के संस्थापक तपेश्वर सिंह के पोते हैं। इनके पिता अजीत सिंह भी लंबे समय तक सहकारिता क्षेत्र से जुड़े रहे और वह सांसद भी रह चुके हैं। इनकी मां भी सांसद रह चुकी हैं। विशाल सिंह भारतीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड के अध्यक्ष हैं।

बाइक सवार अपराधियों ने व्यवसायी को मारी गोली 50 हजार रुपये लूटे, घटना से इलाके में दहशत

सहरसा (एजेंसियां)।

सहरसा जिले के बिहरा थाना क्षेत्र के खादीपुर में बाइक सवार अपराधियों ने टैंपो चालक और किराना दुकान के मालिक प्रदीप कुमार को गोली मारकर घायल कर दिया।

घायल को तुरंत इलाज के लिए सहरसा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही सदर एसडीपीओ आलोक कुमार, सदर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार सहित पुलिस टीम ने अस्पताल पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है।

घायल प्रदीप कुमार ने बताया कि वह अपने घर पर किराना दुकान चलाते हैं। दुकान के लिए सामान खरीदने के मकसद से 50 हजार रुपये लेकर बिहरा बाजार गए थे। हालांकि, बाजार से बिना सामान खरीदे ही लौट रहे थे। घर से कुछ दूरी पर बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और पैसे लूटने के इरादे से गोली चला दी। गोली उनके सीने के पास लगी, लेकिन छिटक जाने के कारण जान का बड़ा खतरा टल गया। अपराधी 50 हजार रुपये लेकर फरार हो गए। इस दौरान, हल्ला मचाने पर अपराधियों की एक बाइक घटनास्थल पर ही छूट गई, जिसे प्रदीप के परिवार ने अपने पास रखा है।

सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने बताया कि प्रदीप के बयान के आधार पर सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। अपराधियों द्वारा छोड़ी गई बाइक को पुलिस ने जब्त कर लिया है और इसका इस्तेमाल जांच में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घायल के बयान और घटनास्थल से मिले सबूतों की जांच की जा रही है। एफएसएल टीम ने सबूत जुटा लिए हैं और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी जारी है।

घटना ने खादीपुर इलाके में सनसनी फैला दी है। स्थानीय लोगों में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर चिंता है। इलाके के निवासियों ने पुलिस से सुरक्षा बढ़ाने और अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। यह घटना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई है और जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी से इस मामले की सच्चाई सामने आने की उम्मीद है।

बरात की खुशी मातम में बदली, सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

बेतिया (एजेंसियां)।

बेतिया जिले में बरात ले जाते समय हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह घटना भंगहा थाना क्षेत्र के भंगहा गांव की है, जहां चंदन राय की असामयिक मौत से गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, भंगहा निवासी रामाश्रय राय का बेटा चंदन राय बाइक से बरात लेकर नेपाल के परसा जिला स्थित भिस्वा जा रहा था। शुक्रवार शाम को जानकी टोला के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में चंदन गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने घायल चंदन को तुरंत इलाज के लिए इनरवा ले जाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे मैनाटाड़ स्थित सीएचसी रेफर कर दिया गया। लेकिन मैनाटाड़ पहुंचने से पहले ही रास्ते में चंदन की मौत हो गई।

चंदन की मौत की खबर जैसे ही परिवार में पहुंची, मातम का माहौल बन गया। उसकी माता धुनि देवी, पिता रामाश्रय राय, दादी सरस्वती देवी और छोटे भाई चंद्रभूषण राय का रो-रो कर बुरा हाल है। गांव के लोग परिवार को सांत्वना देने पहुंचे, लेकिन पूरे गांव में शोक का माहौल है।

घटना के बाद भंगहा गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते हुए अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। साथ ही गांव के लोग सड़क सुरक्षा और बाइक चलाने में सतर्कता बरतने की चर्चा करते दिखे।

वहीं, भंगहा थानाध्यक्ष दीपक प्रसाद ने बताया कि हादसे की सूचना मिली है। यह घटना नेपाल के जानकी टोला के पास हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है।

हॉस्टल में अचानक लगी भीषण आग 50 विद्यार्थियों की अटक गईं थी सांसे

पटना (एजेंसियां)।

पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित किदवई पुरी के श्री कृष्णा नगर में मौजूद पॉल्स बॉयज होस्टल एंड पीजी में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे के समय होस्टल में करीब 50 विद्यार्थी मौजूद थे। हालांकि, समय पर की गई कार्रवाई की बदौलत किसी तरह जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।

जानकारी के मुताबिक, होस्टल में एक छात्र पानी गर्म कर रहा था। उसी दौरान शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और होस्टल के विभिन्न हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही होस्टल में मौजूद छात्रों में भगदड़ मच गई। सभी छात्र जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हालांकि, होस्टल प्रशासन और स्थानीय लोगों की तत्परता से सभी छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। आग बुझाने के लिए हाइड्रोलिक मशीन का भी इस्तेमाल किया गया। दमकल कर्मियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस भीषण हादसे में गनीमत रही कि कोई भी छात्र घायल नहीं हुआ। हालांकि, हॉस्टल का एक हिस्सा आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गया। फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई और छात्रों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया।

इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पकड़ा गया विदेशी, फर्जी टिकट लेकर घुसा था, सुरक्षाकर्मियों ने हिरासत में लिया

गया (एजेंसियां)।

गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर चेकिंग के दौरान फर्जी टिकट के साथ विदेशी यात्री पकड़ा गया। पकड़ा गया विदेशी यात्री की पहचान थाइलैंड के रहने वाले 47 वर्षीय वीरा थेदसाबूत के रूप में हुई।

यह पूरा मामला गुरुवार की है। मिली जानकारी गया एयरपोर्ट से थाइलैंड जाने वाले थाई एयरवेज के विमान से बैंकाक लौटने के लिए गया एयरपोर्ट में प्रवेश करने बाद चेकिंग के दौरान थाइलैंड के वीरा थेदसाबूत नामक यात्री को फर्जी टिकट के साथ एयरपोर्ट अथॉरिटी ने पकड़ लिया। थाइलैंड के यात्री को पकड़े जाने के बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी ने काफी देर तक पुछताछ किया। पुछताछ के बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी ने मगध मेडिकल थाने की पुलिस को सौंप दिया।

वहीं फर्जी टिकट के साथ पकड़े गए थाइलैंड के यात्री से थाने में भी पूछताछ कर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई। इस संबंध में बताया गया कि गुरुवार को करीब 11 बजे गया एयरपोर्ट पर थाई एयरवेज से जाने के लिए आरोपी विदेशी यात्री सीआइएसएफ के जवानों को फर्जी टिकट दिखा कर एयरपोर्ट के अंदर प्रवेश कर गया। वहीं एयरपोर्ट के एक काउंटर पर टिकट के जांच के दौरान पकड़ लिया गया।

आरोपी थाइलैंड के यात्री के साथ कई और लोग थे। लेकिन, उन सभी के पास सही टिकट था। उन लोगों को जाने दिया गया। वहीं आरोपी थाइलैंड के यात्री को अनाधिकृत रूप से फर्जी टिकट दिखा कर एयरपोर्ट के अंदर प्रवेश करने के आरोप में पकड़ लिया गया। फिलहाल गया पुलिस आर-ोपी विदेशी यात्री पर एफआईआर दर्ज कर पूछताछ कर रही है। वहीं पुलिस फर्जी टिकट का सत्य सामने लाने के लिए जांच में जुट गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com